@haryanavatika www.haryanavatika.in @haryanavatika @haryanavatika

हरियाणा वाटिका

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

लोहारू से प्रकाशित सोच बिल्कुल निष्पक्ष

RNI No-HARHIN/2019/79021 वर्ष : 06, अंक: 184 पृष्ठ: 08, मूल्य: रू. 1.00 शनिवार, 10 मई 2025 haryanavatika@gmail.com +91-9255149495

प्रेरणास्त्रोतः स्व. डॉ. एलसी वालिया

ऑपरेशन सिंदूर के सशस्त्र बलों के समर्थन में आया बॉलीवुड

नई दिल्ली/हरियाणा वाटिका एजेंसी

पहलगाम आंतकी हमले के बाद भारतीय सशस्त्र बलों के सफल ऑपरेशन सिंदूर पर पूरे देश के साथ भारतीय फिल्म उद्योग ने भी खूब समर्थन दिया है। सशस्त्र बलों के साथ फिल्म इंडस्ट्री ने एकजुटता दिखाते हुए ऑपरेशन सिंदूर के पोस्टर के साथ अपना उत्साह बढाने वाले संदेश साझा किए। इसमें देश के विविध फिल्म उद्योगों के प्रतिनिधि जिनमें हिंदी, तेलुगू, तमिल, मलयालम, कन्नड़, पंजाबी और अन्य शामिल हैं। सोशल मीडिया अकाउंट पर कई जाने-माने कलाकारों ने एकजुटता और प्रोत्साहन के संदेश साझा किए हैं, जिनमें अक्षय कुमार, दीपिका पादुकोण, रजनीकांत, आलिया भट्ट, अल्लू अर्जुन, विक्की कौशल, कंगना रनौत, कैटरीना कैफ, श्रद्धा कपूर, मोहनलाल, आर माधवन, सामंथा प्रभु और रणवीर सिंह शामिल हैं। ऑपरेशन सिंदूर में शामिल सशस्त्र बलों के सफल प्रयासों को सलाम करते हुए उनका उत्साह बढ़ाया । एकता की यह अभिव्यक्ति कई प्लेटफार्मों पर देखी जा रही है जिसमें सोशल मीडिया से लेकर मुख्यधारा के प्रेस में मुखर हो कर कलाकार अपना समर्थन दे रहे हैं। अल्लू अर्जुन ने अपने एक्स पोस्ट में लिखा कि ऑपरेशन सिंदूर ने पहलगाम पीड़ितों के साथ न्याय किया है। वहीं, अभिनेता अक्षय कुमार ने सेना का उत्साह बढ़ाते हुए ऑपरेशन सिंदूर का पोस्टर जारी करते हुए जय हिंद लिखा। यह सिलसिला लगातार जारी है। निमार्ता, निर्देशक, संगीतकार, लेखक और प्रभावशाली लोगों ने भी रचनात्मक और सांस्कृतिक मंचो से सेना का उत्साह बढ़ाने का काम किया है। मनोरंजन जगत से ऑपरेशन सिंदूर को मिलता समर्थन उनके राष्ट्रीय एकता की ओर प्रतिबद्धता और बॉर्डर पर देश की रक्षा करने वाले सेना के लिए सम्मान को उजागर करता है।

भारत ने मार गिराए पाकिस्तानी ड्रोन

जम्मू-कश्मीर से गुजरात तक 26 जगह पाकिस्तान का ड्रोन अटैक

श्रीनगर/हरियाणा वाटिका एजेंसी

जम्मू-कश्मीर के पाकिस्तान ने एक बार फिर हमला शुरू कर दिया है। सबसे पहले पाकिस्तान ने उड़ी के गोहालन गांव को निशाना बनाया, जिसका भारतीय सेना ने मुंहतोड़ जवाब दिया। जम्मू एयरपोर्ट पर सायरन बजने लगे हैं। जम्मू में कई जगहों पर धमाका होना शुरू हो गया है। पूरे जम्मू और सांबा में ब्लैक आउट हो गया है।

श्रीनगर में हुआ 10 विस्फोट

श्रीनगर हवाई अड्डे के पास 10 विस्फोट हुआ है। अधिकारियों ने इसकी पुष्टि की है।

अवंतीपोरा में मार गिराया गया ड्रोन

कश्मीर घाटी में भी ड्रोन हमला हुआ है। दक्षिण कश्मीर के अवंतीपोरा में एक ड्रोन को मार गिराया गया। कश्मीर घाटी में पूरी तरह से ब्लैकआउट हो गया।

अखनूर में भी हुए धमाके

अखनूर में ब्लैकआउट के बीच भारतीय वायु रक्षा बलों द्वारा पाकिस्तानी ड्रोन को रोकने पर धमाकों की आवाज सुनी जा सकती है।

पाकिस्तान ने दागी मिसाइलें, सभी हवा में नष्ट

जम्मू-कश्मीर के नगरोटा में पाकिस्तान ने 15 से अधिक मिसाइलें दागीं है। भारतीय सेना ने सभी हवा में मार गिराया है। वहीं राजौरी में भी ड्रोन को मार गिराया गया है।

उमर अब्दुल्ला ने भी शेयर की तस्वीरें

जम्मू-कश्मीर के सीएम उमर अब्दुल्ला ने एक्स पर तस्वीर शेयर करते हुए लिखा कि जम्मू में अब ब्लैकआउट, पूरे शहर में सायरन की आवाजें सुनाई दे रही हैं। उन्होंने लिखा कि जम्मू और उसके आस-पास के सभी लोगों से मेरी विनम्र अपील है कि कृपया सड़कों पर न निकलें, घर पर रहें या किसी ऐसे नजदीकी स्थान पर रहें जहां आप अगले कुछ घंटों तक आराम से रह सकें।

सीएम उमर अब्दुल्ला ने कहा कि अफवाहों पर ध्यान न दें, बेबुनियाद या असत्यापित कहानियां न फैलाएं और हम सब मिलकर इससे निपट लेंगे।

फिरोजपुर पाकिस्तानी ड्रोन के हमले में एक परिवार घायल

फिरोजपुर में एक पाकिस्तानी ड्रोन ने रिहायशी इलाके पर हमला किया। इसमें एक परिवार घायल हो गया। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। जम्मू कश्मीर के तीन सीमावर्ती जिलों के निवासियों को बंकरों और अन्य सुरक्षित घरों में स्थानांतरित किया गया। इसमें बारामूला, कुपवाड़ा और बांदीपोरा शामिल है।

भारत ने आईएमएफ में किया पाकिस्तान की फंडिंग का विरोध

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने विस्तारित निधि सुविधा ऋण कार्यक्रम की समीक्षा की।

आईएमएफ ने पाकिस्तान के लिए एक नए ऋण कार्यक्रम (1.3 बिलियन डॉलर) पर भी विचार किया। भारत ने पाकिस्तान के मामले में आईएमएफ कार्यक्रमों की प्रभावशीलता पर चिंता जताई। भारत सरकार ने कहा कि पाकिस्तान के खराब ट्रैक रिकॉर्ड को देखते हुए सीमा पार आतंकवाद के लिए फंडिंग में ऋण निधि के दुरुपयोग की संभावना जताई। भारत ने कहा कि सीमा पार आतंकवाद को प्रोत्साहित करना वैश्विक समुदाय को एक खतरनाक संदेश देता है। यह फंडिंग एजेंसियों और दानकताओं की प्रतिष्ठा को जोखिम में डालता है। वैश्विक मूल्यों का मजाक उड़ाता है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने भारत के बयानों और मतदान से उसके दूर रहने पर ध्यान दिया।

करतारपुर साहिब कॉरिडोर सेवा अनिश्चितकाल के लिए निलंबित

नई दिल्ली/हरियाणा वाटिका एजेंसी

पाकिस्तानी आतंकी ठिकानों पर भारतीय सेना के ऑपरेशन सिंदूर के बाद तनाव बढ़ गया है। लगातार तीसरे दिन आज विदेश मंत्रालय ने प्रेस वार्ता में विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री ने बताया कि भारत पाकिस्तानी घुसपैठ, ड्रोन से हमले और सीमा पर संघर्ष विराम उल्लंघन का माकूल जवाब दे रहा है। उन्होंने कहा कि करतारपुर साहिब कॉरिडोर सेवाएं अगले आदेश तक अनिश्चितकाल के लिए निलंबित कर दी गई हैं। बता दें कि करतारपुर कॉरिडोर पाकिस्तान में गुरुद्वारा दरबार साहिब को जोड़ता है। ये सिख धर्म के संस्थापक, गुरु नानक देव का अंतिम विश्राम स्थल है। पंजाब के गुरदासपुर जिले में डेरा बाबा नानक मंदिर से थोड़ी दूर स्थित यह धार्मिक आस्था का केंद्र वीजा-मुक्त है। 4.7 किलोमीटर लंबा कॉरिडोर भारतीय सीमा को पाकिस्तान में गुरुद्वारा दरबार साहिब से जोड़ता है। इसे 2019 में शुरू किया गया था। मिस्त्री ने पाकिस्तान के इस दावे को खारिज कर दिया कि भारत अपने ही क्षेत्र पर हमला कर रहा है। उन्होंने ननकाना साहिब गुरुद्वारे पर ड्रोन हमले के बारे में गलत सूचना फैलाने के लिए पाकिस्तान को आड़े हाथ लिया।

एलओसी पर 36 जगहों से की घुसपैठ की कोशिश

नई दिल्ली/हरियाणा वाटिका एजेंसी

पड़ोसी देश पाकिस्तान देश अपनी नापाक हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। पाकिस्तानी ने गुरुवार की रात हमास की तरह ड्रोन-मिसाइल से जम्मू-कश्मीर, राजस्थान, गुजरात और पंजाब में सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया। हालांकि, भारतीय डिफेंस सिस्टम ने पाकिस्तानी ड्रोन और मिसाइल हमले को नाकाम कर दिया। जवाबी कार्रवाई करते हुए पाकिस्तान के नौ शहरों में जबरदस्त हमला भी किया।

पाक सेना ने भारतीय सैन्य ठिकानों को बनाया निशाना

प्रेस कॉन्फ्रेंस में भारतीय सेना की कर्नल सोफिया कुरैशी ने बताया कि गुरुवार देर रात पाकिस्तान ने जम्मू एयरपोर्ट, यूनिवर्सिटी और सैन्य ठिकानों को ड्रोन और मिसाइल से निशाना बनाने की कोशिश की।

भारतीय डिफेंस सिस्टम ने काउंटर अटैक करते हुए ड्रोन और मिसाइल हमले को नाकाम किया। साथ ही पाकिस्तान की सर्विलांस रडार प्रणाली को पूरी तरह नष्ट भी कर दिया। जवाबी कार्रवाई में भारतीय सेना को भारी नुकसान हुआ है।

एलओसी पर 36 जगहों से की घुसपैठ की कोशिश

कर्नल कुरैशी ने बताया कि पाकिस्तान की ओर से सीमा पर भारी गोलीबारी कर 36 से ज्यादा जगहों पर घुसपैठ की कोशिश की गई। बीएसएफ ने घुसपैठियों को मार गिराया और घुसपैठ को नाकाम कर दिया। कर्नल कुरैशी प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि पाकिस्तान ने एलओसी पर रात भर भारी फायरिंग की, जिसमें कुछ जवान घायल हो गए हैं।

पाकिस्तान ने नागरिकों को बनाया ढाल

प्रेस कॉन्फ्रेंस में कर्नल सोफिया कुरैशी ने जानकारी दी कि पाकिस्तान ने 400 ड्रोन से हमला किया। कर्नल कुरैशी ने आगे बताया कि प्रारंभिक जांच में यह पता चला है कि पाकिस्तान ने तुर्किये में बने ड्रोन इस्तेमाल किए हैं। कर्नल सोफिया कुरैशी ने बताया कि जिस वक्त पाकिस्तान ने ड्रोन और मिसाइल हमला किया, उस वक्त पाकिस्तान ने अपना हवाई क्षेत्र बंद नहीं किया था।

दिल्ली में हवाई हमले के सायरन का हुआ परीक्षण

नई दिल्ली/हरियाणा वाटिका एजेंसी

ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव को देखते हुए नागरिक सुरक्षा निदेशालय ने शुक्रवार को तीन बजे आईटीओ के लोक निर्माण विभाग मुख्यालय पर स्थिति हवाई हमले के सायरन का परीक्षण किया। इस दौरान लोक निर्माण विभाग के मंत्री प्रवेश साहिब सिंह वर्मा मौजूद रहे। वर्मा ने कहा कि आज से दिल्ली में सायरन लगाने का काम शुरू हुआ है।

देश में खाद्यान्न की कोई कमी नहीं: शिवराज सिंह चौहान

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि, किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने वर्तमान परिस्थितियों के मद्देनजर शुक्रवार को मंत्रालय तथा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) और ग्रामीण विकास मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक के बाद मीडिया से चर्चा में शिवराज ने कहा कि अधिकारियों से फसल बुआई, खाद्यान्न, फल-सब्जी उत्पादन तथा उपलब्धता की जानकारी लेने के साथ मौजूदा परिस्थितियों में किसानों को कहीं-कोई दिक्कत नहीं आने देने के संबंध में दिशा-निर्देश दिए। देश में गेहूं, चावल व अन्य अनाज पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। बंपर उत्पादन हुआ है। किसानों से खरीद भी जारी है। यह संतोष की बात है कि हमारे पास अन्न के भंडार इस समय भरे हुए हैं। उन्होंने कहा कि आतंकवाद को पूरी तरह समाप्त करना हमारे देश का संकल्प है। आतंकवादियों को हम नहीं छोड़ेंगे, उनके ठिकाने, उनके अड्डे तबाह करने के लिए कड़ी कार्रवाई की गई है। चौहान ने बताया कि वर्ष 2023-24 में कुल खाद्यान्न उत्पादन 3322.98 लाख मीट्रिक टन था, जो 2024-25 में बढ़कर 3474.42 लाख मीट्रिक टन तक पहुंच गया है। चावल की भी कोई कमी नहीं है, पिछले साल के 1378.25 लाख मीट्रिक टन के मुकाबले इस साल 1464.02 लाख मीट्रिक टन उत्पादन हुआ है। गेहूं पिछले साल था 1132.92 लाख मीट्रिक टन, जो इस बार 1154.30 लाख मीट्रिक टन उत्पादन अनुमानित है, जिसमें और बढ़ोत्तरी की उम्मीद है। शिवराज सिंह ने बताया कि दालों का उत्पादन भी भरपूर हुआ है, जो 242.46 लाख मीट्रिक टन से बढ़कर 250.97 लाख मीट्रिक टन हो गया।

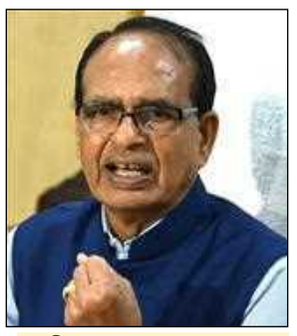

तिलहन का 428.98 लाख मीट्रिक टन उत्पादन

वहीं कुल तिलहन 396.69 लाख मीट्रिक टन से 428.98 लाख मीट्रिक टन उत्पादन हो गया है। फल-सब्जियों की भी चिंता नहीं है, बागवानी फसलों का उत्पादन भी पिछले साल के 3547 लाख मीट्रिक टन की तुलना में 3621 लाख मीट्रिक टन हो गया है। आलू पिछले वर्ष 570.53 लाख मीट्रिक टन था, जो इस बार 595.70 लाख मीट्रिक टन है।

नड्डा ने की सभी स्वास्थ्य केन्द्रों, स्वास्थ्य सुविधाओं की समीक्षा

नई दिल्ली/हरियाणा वाटिका एजेंसी

भारत-पाकिस्तान तनाव के बीच राजधानी नई दिल्ली में एक के बाद एक कई बैठकों का दौर जारी है। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा ने शुक्रवार को देश के सभी स्वास्थ्य केंद्रों और स्वास्थ्य बुनियादी सुविधाओं की समीक्षा की। निर्माण भवन में आयोजित बैठक में स्वास्थ्य मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने स्वास्थ्य सुविधाओं के बारे में पूरी जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि कंट्रोल सेंटर से पूरी निगरानी की जा रही है।

अधिकारियों ने बताया कि देश के अस्पताल किसी भी स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। उल्लेखनीय है कि भारत के ऑपरेशन सिंदूर से पाकिस्तान बौखला गया है। पाकिस्तान ने गुरुवार रात लगातार भारत के अलग-अलग शहरों में ड्रोन, मिसाइल, हवाई हमले किए, लेकिन भारत ने उसकी हर कोशिश नाकाम कर दी।

पीएम आवास पर हाईलेवल मीटिंग खत्म, ढाई घंटे से ज्यादा देर तक चली बैठक।

भारत-पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव में प्रवासी मजदूरों का पलायन शुरू

कठुआ/हरियाणा वाटिका एजेंसी

भारत-पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के चलते जम्मू कश्मीर में काम करने वाले प्रवासी मजदूरों का पलायन शुरू हो गया है। जम्मू संभाग के जिला कठुआ में स्थित घाटी, गोविंदसर, मरोली सहित अन्य औद्योगिक क्षेत्रों में काम करने वाले प्रवासी मजदूर ने घर वापसी शुरू कर दी है। बीते गुरुवार रात 8:00 बजे पाकिस्तान की ओर से किए गए हवाई हमले से पूरे क्षेत्र में खौफ का माहौल पैदा हो गया। हालांकि पाकिस्तान की ओर से किए गए मिसाइल और ड्रोन हमले को भारतीय सेना ने आसमान में ही डिफ्यूज कर दिया।

लेकिन उसका खौफ सभी को सताने लगा। कठुआ शहर और उसके आसपास अपरा तफरी का माहौल बन गया। कठुआ शहर में दुकानदारों ने जल्दी-जल्दी दुकान बंद करना शुरू कर दी।

इसी बीच पूरे क्षेत्र में ब्लैकआउट हो गया और आसमान में बम के धमाकों की आवाजें आने लगीं। तभी रात को ही सैकड़ो की तादाद में मजदूर परिवार सहित कठुआ के रेलवे स्टेशन पर पहुंच गए और जो भी गाड़ी दिल्ली की ओर जाने वाली दिखाई दी उसी में सवार होकर निकल गए। वहीं शुक्रवार सुबह से ही कठुआ के रेलवे स्टेशन पर

प्रवासी मजदूरों का तांता लग गया। टिकट काउंटर पर लंबी-लंबी लाइनें लग गईं, डर के माहौल से हर एक निकलने के प्रयास में था। प्रवासी मजदूरों ने बताया कि इस वक्त जम्मू कश्मीर में हालात खराब हो चुके हैं और उनके घर वालों के फोन आ रहे हैं कि जम्मू कश्मीर को छोड़कर जल्दी वापस आ जाए। इसी के चलते सभी घर की ओर वापसी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब हालात सामान्य हो जाएंगे तो उसके बाद फिर काम पर लौटेंगे। मजदूरों की वापसी से कई औद्योगिक इकाइयों के काम ठप पड़ गए जहां तक कि जम्मू पठानकोट सिक्स लेन के साथ-साथ दिल्ली कटरा एक्सप्रेसवे के निर्माण कार्यों पर भी ब्रक लग गई। हर एक इस वक्त जल्द से जल्द अपने घर वापस लौटना चाहता है। वहीं सरकार ने भी जम्मू कश्मीर में तीन स्पेशल ट्रेनों को शुरू किया है ताकि जो लोग जम्मू कश्मीर में फंसे हैं चाहे वे यात्री हो या औद्योगिक इकाइयों में काम करने वाले मजदूर, सभी सुरक्षित अपने-अपने घर पहुंच सके।

डूसू अध्यक्ष ने कुलपति से परीक्षा तिथियों को स्थगित करने की मांग की

नई दिल्ली/हरियाणा वाटिका एजेंसी

भारत और पाकिस्तान के बीच चल रहे तनाव पर शुक्रवार को दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ (डूसू) के अध्यक्ष रौनक खत्री ने दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. योगेश सिंह से परीक्षा तिथियों को स्थगित करने की मांग की। खत्री ने कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच अप्रत्याशित तनाव को देखते हुए देश भर के कई छात्र जो तैयारी के लिए छुट्टी पर घर गए थे। अब वह यहां आने से घबरा रहे है। सभी छात्रों की सुरक्षा और भलाई सुनिश्चित करने के लिए परीक्षा तिथियों को स्थगित कर देना ही बेहतर रहेगा। उन्होंने कहा कि दिल्ली विश्वविद्यालय में पढ़ने वाले छात्रों के माता-पिता चिंतित हैं। बच्चों की सुरक्षा भय के कारण अपने बच्चों को घर वापस बुला रहे हैं। खत्री ने बताया कि परीक्षाएं 13 मई से शुरू होने वाली हैं लेकिन मौजूदा स्थिति ने छात्रों और उनके परिवारों में चिंता पैदा कर दी है।

8 राज्यों के 29 एयरपोर्ट्स 10 मई तक बंद

नई दिल्ली। भारत और पाकिस्तान में बढ़ते तनाव के बीच एयरपोर्ट पर सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए गए हैं। हवाई क्षेत्र से संबंधित प्रतिबंधों के कारण कुछ उड़ानें प्रभावित हुई हैं, जबकि 8 राज्यों के 29 एयरपोर्ट्स को 10 मई तक यातायात के लिए बंद किया गया है। सुरक्षा के मद्देनजर जिन राज्यों के एयरपोर्ट को बंद किया गया है, उनमें जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, गुजरात, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश शामिल हैं। नागरिक उड्डयन सुरक्षा ब्यूरो की जारी एडवाइजरी के बाद विमानन कंपनियों ने शुक्रवार को यात्रियों को अपने-अपने हवाई अड्डों पर निर्धारित समय पर पहुंचने की सलाह दी है।

भारत-पाक तनाव पर अमेरिका की चिंता, ट्रंप ने जताई शांति की उम्मीद

वॉशिंगटन/हरियाणा वाटिका एजेंसी

भारत और पाकिस्तान के बीच लगातार बढ़ रहे तनाव को लेकर अमेरिका ने गहरी चिंता जताई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दोनों देशों से अपील की है कि वे जल्द से जल्द शांति की राह अपनाएं और सीमा पर बढ़ते तनाव को कम करें। व्हाइट हाउस की प्रवक्ता कैरोलिन लेविट ने शुक्रवार को एक प्रेस ब्रीफिंग में बताया कि राष्ट्रपति ट्रंप इस मुद्दे को लेकर बेहद सजग हैं और चाहते हैं कि परमाणु शक्ति संपन्न

ये दोनों पड़ोसी देश तनाव को जल्द से जल्द समाप्त करें। उन्होंने कहा, राष्ट्रपति ट्रंप चाहते हैं कि भारत और पाकिस्तान के बीच जारी संघर्ष कम हो और क्षेत्र में स्थिरता बहाल हो। प्रवक्ता कैरोलिन यह तब कहा जब उनसे अमेरिका की संभावित मध्यस्थता को लेकर सवाल पूछा गया। हालांकि उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि अमेरिका इस मामले में कोई औपचारिक भूमिका निभाने जा रहा है या नहीं, लेकिन यह जरूर कहा कि अमेरिका हालात पर करीबी नजर बनाए हुए है। उल्लेखनीय है कि हाल के दिनों में भारत और पाकिस्तान के बीच सीमा पर गोलीबारी और राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है, जिससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चिंता का माहौल बन गया है। अमेरिका के इस बयान को दोनों देशों के बीच कूटनीतिक संतुलन साधने की एक पहल के रूप में देखा जा रहा है।

पीएम ने गुजरात के सीएम से की बात, दिए दिशा-निर्देश

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत-पाकिस्तान तनाव के बीच शुक्रवार को गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल से सीमावर्ती राज्य के रूप में तैयारियों तथा सीमा पर तनाव की वर्तमान स्थिति को लेकर बातचीत की और उन्हें नागरिकों की सुरक्षा को लेकर जरूरी दिशा-निर्देश दिए।

भारत की कार्रवाई से पाकिस्तान बौखला गया है और नियंत्रण रेखा पर बार-बार संघर्ष विराम का उल्लंघन कर रहा

हर भारतीय महसूस कर रहा है कि शासन की ताकत क्या होती है: उपराष्ट्रपति

नई दिल्ली/हरियाणा वाटिका एजेंसी

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने पहलगाम में आतंकवादी घटना को अंजाम देने वालों के खिलाफ केंद्र सरकार की सख्त कार्रवाई की ओर संकेत करते हुए कहा कि आज के दिन हर भारतीय महसूस कर रहा है कि शासन की ताकत क्या होती है। उन्होंने कहा कि हम भारतीय हैं, भारतीयता हमारी पहचान है, राष्ट्रधर्म सर्वोपरि है, राष्ट्र प्रथम है। कोई भी हित व्यक्तिगत, राजनीतिक, आर्थिक राष्ट्र हित से ऊपर नहीं हो सकता। उपराष्ट्रपति ने शुक्रवार को हरियाणा

के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय द्वारा लिखित उनके जीवन पर आधारित पुस्तक जनता की कहानी -मेरी आत्मकथा का विमोचन किया। दिल्ली स्थित महाराष्ट्र सदन में आयोजित समारोह के दौरान उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय व उनकी धर्मपत्नी वसंथा बंडारू को शॉल भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम में पहलगाम में हुए आतंकी हमले में जान गंवाने वाले नागरिकों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए दो मिनट का मौन धारण रखा गया। इस अवसर पर जगदीप धनखड़ ने कहा कि भारत ने चुनौतियों को अवसरों में बदलने के तरीके ईजाद किए हैं, इसलिए आज भारत विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनकर उभरा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद पूरी दुनिया को भारत की ताकत और मजबूत सोच को दिखाया है। हमारी सेना ने भारतीयों की आन-बान और शान को ऊंचा करने का काम किया है। भारतीयता हमारी पहचान है और राष्ट्रवाद हमारे लिए सर्वोपरि है। इस अवसर पर राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने कहा कि चरित्र, समर्पण और दृढ़-विश्वास ही जीवन के तीन महत्वपूर्ण पहलू हैं। इन तीन पहलुओं पर कार्य करते हुए जीवन की हर चुनौतियों का सामना किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि इस पुस्तक में उनके जीवन के विस्तृत अनुभव संकलित किए गए हैं जो सदैव आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणादायी रहेंगे। पुस्तक में उनके व्यक्तिगत और राजनीतिक जीवन के महत्वपूर्ण क्षणों को समेटा गया है। उन्होंने कहा कि वे लेखक और कवि नहीं हैं लेकिन कोविडकाल के दौरान उन्हें मिले अनुभव ऑडियो रिकॉर्डिंग के माध्यम से पुस्तक में समेटे गए हैं।

किआ कैरेन्स क्लैविस लॉन्च: फैमिली कार में बोल्ड डिजाइन और हाईटेक कम्फर्ट का मेल

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो
नई दिल्ली, 09 मई। किआ इंडिया, एक अग्रणी मास-प्रीमियम कार निमार्ता कंपनी, ने अपने कैरेन्स पोर्टफोलियो में एक नया मॉडल कैरेन्स क्लैविस लॉन्च किया है। यह एक बड़ी, बोल्ड और बेहद स्पेशियस 3-रो कार है, जिसे आज के समय के आधुनिक और बड़े भारतीय परिवारों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। कैरेन्स क्लैविस एमपीवी और एसयूवी के बीच की दूरी को कम करती है और इसमें आराम, जगह और बोल्ड डिजाइन को आधुनिक तकनीक, सुरक्षा और भविष्यवादी लुक के साथ खूबसूरती से जोड़ा गया है।
क्लैविस नाम लैटिन शब्द क्लैविस औरिया से लिया गया है, जिसका अर्थ है गोल्डन की। यह नाम यादगार पारिवारिक रोमांच और हमेशा सहेज कर रखने वाली यादों का प्रतीक है। कैरेन्स क्लैविस के जरिए किआ एक ऐसी कार पेश कर रहा है जो नई पीढ़ी के परिवारों की आकांक्षाओं को दशार्ती है – जिसमें सूझबूझ से लिया गया डिजाइन, सोच-समझ कर दी गई खूबियाँ और वैश्विक स्तर की आधुनिक तकनीक शामिल हैं।
कैरेन्स के लॉन्च के बाद से ही किआ ने भारत में फैमिली कार सेगमेंट की परिभाषा बदल दी है। सिर्फ तीन वर्षों में 2 लाख से ज्यादा भारतीय परिवारों ने इस पर भरोसा जताया है। भारतीय परिवारों की जरूरतों को गहराई से समझते हुए – जहाँ हर यात्रा में पीढ़ियों के साझा अनुभव जुड़े होते हैं – कैरेन्स ने अपने स्पेस, आराम और भावनात्मक अपील से सबका दिल जीता है।
अब कैरेन्स क्लैविस उसी सफर की अगली कड़ी है। यह कार बदलती जीवनशैली और नई आकांक्षाओं को ध्यान में रखते हुए तैयार की गई है। इसमें 6 और 7-सीटर का आरामदायक विकल्प मौजूद है, जो बोल्ड डिजाइन, प्रीमियम स्पेस और एडवांस्ड टेक्नोलॉजी के साथ मिलकर आधुनिक भारतीय परिवारों को एक बेहतरीन और सुविधाजनक अनुभव देती है।
श्री ग्वांगगु ली, प्रबंध निदेशक और सीईओ, किआ इंडिया ने कहा, हम जो कुछ भी करते हैं, उसकी नींव नवाचार पर टिकी है झ जो उन्नत तकनीक और अनोखे डिजाइन से प्रेरित होता है। कैरेन्स क्लैविस का लॉन्च हमारी यात्रा में एक अहम पड़ाव है। यह हमारे प्रगतिशील, प्रीमियम और उद्देश्यपूर्ण दृष्टिकोण को दशार्ता है। हम अपने ग्राहकों की बदलती जरूरतों को बखूबी समझते हैं और कैरेन्स क्लैविस के जरिये हम सिर्फ एक गाड़ी नहीं, बल्कि ऐसा अनुभव दे रहे हैं जो सोच-समझकर डिजाइन किया गया है और जो रोजमर्रा की यात्रा को बेहतर बनाता है। हमने लगातार सीमाओं को चुनौती देते हुए स्मार्ट और डिजाइन-केंद्रित समाधान देने पर ध्यान केंद्रित किया है, जो परिवारों को सशक्त बनाते हैं और हर ड्राइव में आत्मविश्वास देते हैं।

डिजाइन: बड़ी, बोल्ड और स्मार्ट फैमिली कार
कैरेन्स क्लैविस का डिजाइन बोल्ड और आकर्षक है, जो खूबसूरती और स्पोर्टी अंदाज को एसयूवी जैसी मजबूती के साथ जोड़ता है। इसकी हाई-टेक खूबियाँ और आधुनिक इंजीनियरिंग आत्मविश्वास जगाती हैं। यह उन परिवारों के लिए आदर्श है, जो स्टाइल के साथ-साथ उपयोगिता भी चाहते हैं। इसका हर हिस्सा झ चाहे लाइन हो या सतह झ इसे मजबूत, आधुनिक और साहसिक बनाता है। यह कार उन लोगों के लिए है जो कहीं भी बेझिझक जाना चाहते हैं झ यह वर्सेटिलिटी और स्मार्ट इनोवेशन का शानदार मेल है।
एक्सटीरियर: दमदार मौजूदगी और फ्यूचरिस्टिक लुक
कैरेन्स क्लैविस का बाहरी लुक किआ के अपोजिट्स यूनाइटेड डिजाइन फिलॉसफी से प्रेरित है। इसमें क्लीन लाइन्स और आत्मविश्वास से भरा कैरेक्टर देखने को मिलता है। इसकी एसयूवी जैसी ऊँचाई और एयरोडायनैमिक सिल्हूट इसे फ्यूचरिस्टिक लुक और प्रैक्टिकल स्टाइल का बेहतरीन मेल बनाते हैं। प्रमुख फीचर्स में शामिल हैं झकिआ डिजिटल टाइगर फेस, आइस क्यूब एमएफआर एलईडी हेडलैम्प्स विद एलईडी डीआरएल, और स्टारमैप एलईडी कनेक्टेड टेललैम्प्स, जो पीछे से इसका एक खास और मॉडर्न लुक बनाते हैं।
इसके 43.66 सेमी (17) क्रिस्टल कट ड्यूल टोन अलॉय व्हील्स, साटन क्रोम फिनिश वाली मजबूती भरी स्किड प्लेट्स, साइड डोर मेटल गार्निश, और नया आइवरी सिल्वर ग्लॉस बॉडी कलर झ इन सबके साथ यह कार सड़क पर जबरदस्त मौजूदगी दिखाती है। चाहे रोजमर्रा की ड्राइव हो या अचानक कोई एडवेंचर ट्रिप, कैरेन्स क्लैविस हर सफर को खास बना देती है झ एसयूवी का स्टाइल और एक्सप्लोरेशन का जज्बा इसके डीएनए में है।
इंटीरियर: स्मार्ट लग्जरी झ हर सफर के लिए तैयार
कैरेन्स क्लैविस का इंटीरियर खासतौर पर आधुनिक भारतीय परिवारों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है, जो हर सीट पर भरपूर आराम और सुविधा देता है। तीसरी पंक्ति में भी पर्याप्त जगह है, जबकि दूसरी पंक्ति की सीटों में स्लाइड, रिक्लाइन और वन-टच इलेक्ट्रिक टंबल जैसी सुविधाएं मिलती हैं। सेगमेंट में पहली बार दिया गया वॉक-इन लीवर (बॉस मोड) केबिन में आसानी से जगह बनाता है। चाहे शहर में ड्राइव हो या लंबा सफर, हर पैसेंजर को पूरा आराम मिलता है।
इसका 67.62 सेमी (26.62 इंच) का ड्यूल पैनोरमिक डिस्प्ले पैनल इंफोटेनमेंट और ड्राइविंग से जुड़ी जानकारियों को साफ और आधुनिक अंदाज में दिखाता है, जिससे हर यात्रा और भी आसान और मजेदार बन जाती है।
कैरेन्स क्लैविस में 64 रंगों की एम्बिएंट लाइटिंग दी गई है, जिससे आप केबिन के माहौल को अपने मूड और स्टाइल के मुताबिक बदल सकते हैं। इसमें सीट-माउंटेड एयर प्यूरीफायर और रूफ-माउंटेड डिफ्यूज्ड एयर वेंट्स भी दिए गए हैं, जो पूरे केबिन में एकसमान और आरामदायक हवा का बहाव सुनिश्चित करते हैं।
तीसरी पंक्ति तक पहुंच को आसान बनाने के लिए पहली बार वन-टच इलेक्ट्रिक डबल फोल्डिंग सीट्स दी गई हैं। वहीं ड्यूल-पेन पैनोरमिक सनरूफ हर सफर को और भी खास बना देती है झ खुले आसमान के नजारे अब हर राइड का हिस्सा होंगे।
इसके इंटीरियर को और प्रीमियम बनाने के लिए कैरेन्स क्लैविस में सेगमेंट में पहली बार इंफोटेनमेंट और टेम्परेचर कंट्रोल के लिए सविच दिया गया है, जिससे आप आसानी से क्लाइमेट और म्यूजिक कंट्रोल के बीच स्विच कर सकते हैं। वेंटिलेटेड फ्रंट सीट्स और 4-वे पावर्ड ड्राइवर सीट लंबे सफर में भी आराम बनाए रखते हैं।
संगीत प्रेमियों के लिए इसमें बोस का प्रीमियम 8-स्पीकर साउंड सिस्टम है, जो बेहतरीन साउंड क्वालिटी के साथ हर यात्रा को खास बना देता है।
बेहतर सुविधा का नया अनुभव
कैरेन्स क्लैविस में कई ऐसी खूबियाँ हैं जो न सिर्फ आराम, बल्कि सुरक्षा और कामकाजी सुविधा को भी एक नई ऊँचाई देती हैं। इसकी पावर विंडो ऑटो अप/डाउन विद रिमोट कंट्रोल सुविधा से आप बाहर से ही सभी विंडोज को कंट्रोल कर सकते हैं इसके अलावा, इसमें 360-डिग्री कैमरा के साथ ब्लाइंड व्यू मॉनिटर (इश्ट) भी दिया गया है, जो क्लस्टर से जुड़कर आसपास की पूरी जानकारी देता है और ड्राइव को पहले से ज्यादा सुरक्षित बनाता है।
सेगमेंट में पहली बार रियर डोर्स में स्पॉट लाइट्स भी दी गई हैं, जो रात में अंदर-बाहर आना और भी आसान और आकर्षक बनाती हैं।
सुरक्षा और प्रदर्शन: उन्नत तकनीक के साथ आत्मविश्वास भरी ड्राइविंग
किआ कैरेन्स क्लैविस में सुरक्षा और नवाचार के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धता और भी मजबूत हुई है। इसमें कई उन्नत तकनीकों का समावेश है, जो हर सफर को पहले से ज्यादा स्मार्ट और सुरक्षित बनाती हैं। यह कार अपने सेगमेंट में सर्वश्रेष्ठ एडीएएस लेवल 2 तकनीक से लैस है, जिसमें 20 ऑटोनॉमस फीचर्स शामिल हैं। इनमें स्मार्ट क्रूज कंट्रोल (स्टॉप एंड गो फीचर के साथ), फॉरवर्ड कोलिजन अवॉइडेंस असिस्ट, डायरेक्ट ऑनकमिंग फ्रंट कोलिजन अवॉइडेंस असिस्ट, लेन कीपिंग असिस्ट, ब्लाइंड स्पॉट वॉर्निंग, क्लस्टर में ब्लाइंड व्यू मॉनिटर और रियर क्रॉस ट्रैफिक कोलिजन अवॉइडेंस असिस्ट जैसे फीचर्स शामिल हैं।
इसके साथ ही, कैरेन्स क्लैविस में सुरक्षा का एक मजबूत स्टैंडर्ड पैकेज भी दिया गया है, जिसमें छह एयरबैग, इलेक्ट्रॉनिक स्टेबिलिटी कंट्रोल, रियर ऑक्यूपेंट अलर्ट जैसी कुल 18 आधुनिक सुविधाएँ शामिल हैं। यह कार सुनिश्चित करती है कि हर पारिवारिक यात्रा न केवल आरामदायक बल्कि हर दिशा से सुरक्षित भी हो।
कैरेन्स क्लैविस को तीन दमदार पावरट्रेन विकल्पों में पेश किया गया है – स्मार्टस्ट्रीम ॠ1.5 पेट्रोल, स्मार्टस्ट्रीम ॠ1.5 टर्बो-ॠऊ पेट्रोल, और ऊ1.5 डीजल इंजन। अब स्मार्टस्ट्रीम ॠ1.5 टर्बो वेरिएंट में एक नया मैनुअल ट्रांसमिशन विकल्प भी जोड़ा गया है, जो ड्राइविंग पर अधिक नियंत्रण और रोमांचक अनुभव देता है।

महाराणा प्रताप मातृभूमि भारत के महान उपासक एवं भारत एवं भारतीयता के सम्पोषक थे : डा. श्रीप्रकाश मिश्र

हरियाणा वाटिका/एकजोत
कुरुक्षेत्र, 09 मई। अदम्य साहस, समर्पण, बलिदान, स्वाभिमान, देशभक्ति के प्रतीक वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप का संपूर्ण जीवन मातृभूमि भारत की एकता एवं अखंडता के लिए समर्पित था। महाराणा प्रताप एक व्यक्ति नहीं, एक विचारधारा है। महाराणा प्रताप व्यक्तित्व ऐसा है कि उन्होंने मृत्यु की नाद पर जीवन को थिरकना सिखाया और उन्होंने वीरता के प्रतिमानों को कई नए आयाम दिए। महाराणा प्रताप का संघर्ष सदैव प्रेरणाप्रद रहेगा। महाराणा प्रताप के समक्ष दो रास्ते थे, एक अन्य शासकों की भाँति स्वाभिमान का समर्पण कर शाही जिंदगी जीना और दूसरा संघर्ष पूर्वक जीवन,जो उन्होंने जीया। उनका जीवन आज प्रत्येक देशवासी के लिए प्रेरणा का पुंज है। यह विचार महाराणा प्रताप की जयंती के उपलक्ष्य में मातृभूमि शिक्षा मंदिर द्वारा आयोजित शौर्य संवाद कार्यक्रम में मातृभूमि सेवा मिशन के संस्थापक डा. श्रीप्रकाश मिश्र ने व्यक्त किये। कार्यक्रम का शुभारम्भ भारतमाता एवं महाराणा प्रताप के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलन, माल्यार्पण एवं पुष्पार्चन कर हुआ। मातृभूमि शिक्षा मंदिर के विद्यार्थियों ने महाराणा प्रताप के जीवन से सम्बन्धित अनेक प्रेरक प्रसंग प्रस्तुत किये।

डीएलएसए द्वारा एंटी टीसिंग पर चलाया जागरूकता अभियान

हरियाणा वाटिका/एकजोत
कुरुक्षेत्र, 09 मई। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं सीजेएम नीतिका भारद्वाज ने कहा कि जिला एवं सत्र न्यायधीश दिनेश कुमार के मार्गदर्शन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा एंटी टीसिंग पर जागरूकता अभियान चलाए गए है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं सीजेएम नीतिका भारद्वाज ने कहा कि राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय हथीरा में यह जागरुकता अभियान चलाया गया और विद्यार्थियों को छेड़छाड़ को रोकने और बेटी को सम्मान देने के लिए जागरूक किया गया। साथ ही उन्हें हेल्पलाइन नंबर 1091 के बारे में भी विस्तृत जानकारी दी गई।

स्व. शशि प्रभा गांधी के नेत्रदान से 2 लोगों को मिलेगी रोशनी

हरियाणा वाटिका/एकजोत
कुरुक्षेत्र, 09 मई। मोहन नगर निवासी स्वर्गीय शशि प्रभा गांधी के नेत्रदान से 2 नेत्रहीनों को रोशनी मिलेगी। सामाजिक संस्था हम फाउंडेशन के प्रयास से यह नेत्रदान करवाया गया। स्व. शशि प्रभा गांधी के पुत्र सौरभ गांधी एवं पुत्रवधु धीरज गांधी ने बताया कि उनके परिवार की इच्छा थी कि उनकी माता की आंखें किसी नेत्रहीन के काम आए। इसी इच्छा के अनुसार ही आज उनका नेत्रदान करवाया गया। हम फाउंडेशन के संयोजक रामकिशन गुलाटी ने कहा कि हमारे देश में नेत्रों की जरूरतों के हिसाब से नेत्रदानी बहुत कम है। हमे नेत्रदान न करने के अंधविश्वास से बाहर निकलना चाहिए। हमारे इस दान से दो नेत्रहीनों को रोशनी मिल सकती है। मृत्युपरांत शरीर मिट्टी बन जाता है, लेकिन अगर ये किसी के काम आ जाए, तो उससे अच्छा कार्य कोई नहीं है। स्वर्गीय शशि प्रभा के परिवारवालों को नेत्रदान करवाना बाकी समाज के लिए प्रेरणा है व अन्य लोगों को भी उनका अनुसरण करना चाहिए। संस्था का प्रयास है कि नेत्रदान के प्रति समाज में जागरूकता आए। आज के नेत्रदान में समाजसेवी संतोष गुलाटी का विशेष योगदान रहा।

केयू हॉस्टल में विद्यार्थियों को मिली आटोमेटिक वॉशिंग मशीन की सुविधा

विद्यार्थियों को सुविधा प्रदान करना केयू की प्राथमिकता: कुलपति

हरियाणा वाटिका/एकजोत
कुरुक्षेत्र, 09 मई। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के छात्रावासों में रह रहे विद्यार्थियों को आटोमेटिक वॉशिंग मशीन की सुविधा मिल चुकी है जिससे विद्यार्थियों को स्वयं कपडे. धोने या बाहर से कपड़े धुलवाने की उनकी समस्या का निदान मिला है। इस सुविधा के शुरू होने पर कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सोमनाथ सचदेवा ने कहा है कि विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को सुविधाएं प्रदान करना कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय की प्राथमिकता है। विश्वविद्यालय ने विद्यार्थियों के हित में सदैव सकारात्मक निर्णय लिए हैं।
इसी कड़ी में केयू एलुमनी एसोसिएशन व हायर स्मार्ट सॉल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली के साथ हुए समझौते के अनुसार विश्वविद्यालय के पुरुष एवं महिला छात्रावासों में रह रहे छात्र-छात्राओं के लिए ऑटोमेटिक वॉशिंग मशीन की सुविधा शुरू हो चुकी है। कुवि कुलपति प्रोफेसर सोमनाथ सचदेवा ने बताया कि केयू छात्रावासों में जीरो कोस्ट पर स्थापित 70 आधुनिक वॉशिंग मशीनों का विद्यार्थियों ने स्मार्ट एप के माध्यम से प्रयोग करना भी शुरू कर दिया है। कुलपति प्रोफेसर सोमनाथ सचदेवा ने कहा कि इस सुविधा का लाभ मिलने से विद्यार्थियों के समय, श्रम एवं धन की बचत हुई है तथा इससे विद्यार्थियों को पढ़ने के लिए पर्याप्त समय भी मिल सकेगा। लोक सम्पर्क विभाग के निदेशक प्रो. महासिंह पूनिया ने बताया कि कम्पनी द्वारा 50 से अधिक विश्वविद्यालय व एनआईटी, संस्थानों में यह अत्याधुनिक वॉशिंग मशीनें लगाई जा चुकी है तथा कम्पनी द्वारा इन आटोमेटिक मशीन की समय-समय पर रखरखाव व मुरम्मत की जाएगी।

गुरुग्राम में मॉडल स्कूलों के बुनियादी ढांचे का नवीनीकरण पूरा

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो
गुरुग्राम, 09 मई। समावेशी और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की दिशा में एक अहम कदम उठाते हुए, जनरल इंश्योरेंस कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया ने अपनी सी.एस.आर सहयोगी संस्था एननोबल सोशल इनोवेशन फाउंडेशन के साथ मिलकर गुरुग्राम, हरियाणा के पांच सरकारी स्कूलों का बुनियादी ढांचा पूरी तरह से नया रूप दिया है। इस पहल से 4600 से अधिक छात्र और 140 से अधिक शिक्षक लाभान्वित होंगे, जिन्हें अब सुरक्षित, रंगीन और बच्चों के अनुकूल शिक्षा वातावरण मिलेगा।
एननोबल के लिए के लिए यह परियोजना प्रत्यक्ष लाभार्थियों की दृष्टि से अत्यंत महत्त्वपूर्ण रही है, जो सरकारी विद्यालय प्रणाली में व्यापक स्तर पर परिवर्तन लाने की उसकी क्षमता को रेखांकित करती है।
इस परियोजना के तहत जिन पाँच स्कूलों का कायाकल्प हुआ है, वे हैं:
गवर्नमेंट मॉडल संस्कृत स्कूल, भीमनगर
गवर्नमेंट सीनियर सेकेंडरी गर्ल्स स्कूल, कासन
गवर्नमेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल, नवादा-फतेहपुर
गवर्नमेंट प्राइमरी स्कूल, इस्लामपुर
GMSPS, फाजिलपुर झाड़सा
इन स्कूलों में पहले जर्जर इमारतें, खराब शौचालय, टूटी हुई फर्श, असुरक्षित कक्षाएं और पीने के साफ पानी, रोशनी और फर्नीचर जैसी बुनियादी सुविधाओं की कमी थी। बच्चों को स्कूल में खुशी और सम्मान का अनुभव नहीं होता था।
एननोबल की मदद से किए गए बदलाव
एननोबल ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और यूनिसेफ के दिशा-निदेशों से प्रेरित चाइल्ड-फ्रेंडली मॉडल स्कूल फ्रेमवर्क के तहत छह मुख्य पहलुओं पर काम किया: समावेशिता, सुरक्षा, स्वास्थ्य व स्वच्छता, प्रभावी शिक्षा, लैंगिक संवेदनशीलता और समुदाय की भागीदारी।

पिज्जा और बहुत कुछ! पिज्जा विंग्स अब पेश करता है भुक्खड़ का ढाबा और द कैलजोंज एंड टाकोज

लजीज इंडियन क्विज़िन और चीजी, स्पाईसी कैलजोंज के साथ ताजा, स्वादिष्ट पिज्जा का मजा लें

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो
पानीपत, 09 मई। होमग्रोन एवं भारत के सबसे तेजी से बढ़ते हुए क्यू एस आर ब्रांड्स में से एक, पिज्जा विंग्स ने भारतीय व्यंजनों और लजीज कैलजोंज एंड टाकोज के साथ अपने उत्पादों को विस्तृत किया है। इस ब्रांड ने पानीपत शहर में भुक्खड़ का ढाबा और द कैलजोंज एंड टाकोज के क्लाउड किचन लॉन्च किए हैं, जहाँ कई तरह की इंडियन ग्रेवीज, पराठे, बिरयानी के साथ टाकोज, कैलजोंज आदि भी मिलेंगे। इस लॉन्च के साथ टियर 2 और टियर 3 शहरों में इस ब्रांड की स्थिति मजबूत हुई है, तथा ब्रांड की फूड इनोवेशन, कस्टमर एक्सेसिबिलिटी की प्रतिबद्धता को बल मिला है। पिज्जा विंग्स ब्रांड भारतीयों की पसंद के अनुरूप हाईपर-लोकलाईज्ड मेन्यू पेश करेगा।भुक्खड़ का ढाबा उत्तर भारत के डाईनिंग को डिजिटल युग में ला रहा है। यह कई तरह की करीज, कबाब, पराठे और देसी व्यंजनों की होम डिलीवरी बहुत तेजी से करता है। द कैलजोंज एंड टाकोज स्वादिष्ट ग्लोबल स्ट्रीट फूड पेश करता है, जिसमें स्टफ्ड कैलजोंज से लेकर फ्यूजन टाकोज और बोल्ड सॉस एवं लजीज साईड्स शामिल हैं। शॉप 12, एंजेल मॉल, सेक्टर 11 में स्थित ये दोनों ब्रांड स्विगी, बोल्ट, जोमैटो और क्विकर ऐप (10 से 15 मिनट के अंदर शीघ्र डिलीवरी के लिए) के माध्यम से डिलीवरी पर उपलब्ध हैं।पिज्जा विंग्स के सीईओ, आदित्य धांडा ने कहा, हम 2014 से छोटे शहरों में बेहतरीन कुलिनरी अनुभव प्रदान कर रहे हैं। टियर 2 और टियर 3 शहरों में आकर्षक, किफायती और विश्वसनीय फूड विकल्प बहुत पसंद किए जाते हैं।
भुक्खड़ का ढाबा और द कैलजोंज एंड टाकोज के लॉन्च के साथ हम ऐसे अनुभव पेश कर रहे हैं, जिनमें सुविधा के साथ बेहतरीन स्वाद भी हो। हम देश के हर शहर में भारतीय व्यंजनों के साथ ग्लोबल स्ट्रीट फूड प्रदान करते हुए विस्तृत और उच्च गुणवत्ता का फूड अनुभव सुनिश्चित करना चाहते हैं। इससे नॉन-मेट्रो शहरों में हमारी स्थिति तो मजबूत होगी ही, बल्कि यह एक मल्टी-क्विजीन पॉवरहाउस बनाने की ओर हमारा एक साहसी कदम भी होगा, जो पूरे भारत में लजीज स्वाद की मांग को पूरा करेगा। क्षेत्रीय व्यंजनों और ग्लोबल स्ट्रीट फूड की पसंद बढ़ने के साथ पिज्जा विंग्स ने क्लाउड फर्स्ट ब्रांड्स द्वारा इस बढ़ती मांग को पूरा किया है। यह लॉन्च बोल्ड, हाई-क्वालिटी और डिलीवरी-ऑप्टिमाईज्ड फूड अनुभव देश के भोजन व स्वाद प्रेमियों तक पहुँचाने के रणनीतिक कदम की ओर इशारा करता है। इस ब्रांड के ताजा सामग्री और बेहतरीन स्वाद के वादे को अब, भुक्खड़ का ढाबा और द कैलजोंज एंड टाकोज के साथ ज्यादा तेजी, सुविधा और विविधता का इजाफा मिलेगा। प्रारंभिक चरण में दोनों ब्रांड्स चंडीगढ़, पंचकुला, लखनऊ, लुधियाना, मेरठ, पटना, बरेली, जलंधर, पानीपत, पटियाला, रोहतक में उपलब्ध होंगे तथा अगले 3 महीनों में 60 क्लाउड किचंस खोलने का लक्ष्य है। देश में 60 स्टोर्स के साथ पिज्जा विंग्स का उद्देश्य 2025 के अंत तक 100 आउटलेट्स तक अपना विस्तार करना है।

एचएमएसआई ने सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान का आयोजन

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो
फरीदाबाद, 09 मई। सुरक्षित सड़कों और जिम्मेदार वाहन चलाने की सोच को आगे बढ़ाते हुए, होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया ने फरीदाबाद, हरियाणा में एक विशेष सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। इस पहल में मॉडर्न स्कूल के 2400 से अधिक छात्रों और स्टाफ सदस्यों ने हिस्सा लिया, जहां इंटरैक्टिव सत्रों और व्यावहारिक शिक्षण गतिविधियों के माध्यम से सड़क सुरक्षा के बारे में सीखा गया। यह अभियान एचएमएसआई के उस व्यापक प्रयास का हिस्सा है जिसका उद्देश्य प्रतिभागियों में सुरक्षा सर्वोपरि की मानसिकता विकसित करना है – शिक्षा और अनुभव के माध्यम से। इस अभियान का फोकस व्यवहार परिवर्तन को प्रोत्साहित करना था, जिसमें प्रतिभागियों को सड़क सुरक्षा की मूल बातों से रोचक और सहभागी ढंग से परिचित कराया गया।भारत सरकार के सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय की 2022 की रिपोर्ट के अनुसार, हरियाणा में कुल 10,429 सड़क दुर्घटनाएं, 4,915 मौतें और 8,519 घायल रिपोर्ट किए गए। यह आंकड़े न केवल लापरवाही की गंभीरता को दशार्ते हैं, बल्कि यह भी स्पष्ट करते हैं कि देशभर में सक्रिय जागरूकता अभियानों की कितनी आवश्यकता है। फरीदाबाद में हुए इस अभियान का मुख्य उद्देश्य युवा विद्यार्थियों में सुरक्षित वाहन चलाने की आदतें विकसित करना था। इसमें सड़क सुरक्षा का सिद्धांत, हेलमेट जागरूकता गतिविधियाँ, स्थिर प्रदर्शन, खेल और प्रश्नोत्तरी जैसी कई इंटरैक्टिव गतिविधियाँ शामिल थीं। विद्यार्थियों ने ट्रैफिक संकेतों की जानकारी और छोटे व्यवहारिक बदलावों से कैसे बड़ा असर पड़ता है जैसे विषयों पर शिक्षाप्रद सत्रों में भाग लिया। देशभर में एचएमएसआई ऐसे अभियानों के माध्यम से युवाओं में जिम्मेदार व्यवहार और बेहतर निर्णय क्षमता विकसित कर रहा है। एचएमएसआई राज्यों में लगातार इस प्रकार के अभियान चला रहा है, जिनमें स्कूलों और कॉलेजों से बड़ी संख्या में सहभाग सुनिश्चित किया जा रहा है। यह पहल लोगों को वह जानकारी प्रदान करती है जो सड़क पर जोखिमों से बचने में सहायक हो सकती है।

महान योद्धा महाराणा प्रताप ने बताई थी वीरता की नई परिभाषा : रेखा राघव

हरियाणा वाटिका/मनोज मलिक
भिवानी, 09 मई। पूर्व पार्षद एवं भाजपा नेत्री रेखा राघव ने कहा कि महाराणा प्रताप ऐसे योद्धा हुए, जिन्होंने वीरता की नई परिभाषा लिखी थी।
वीर योद्धा महाराणा प्रताप ने अपना स्वाभिमान बचाने के चलते मुगल शासकों के समक्ष कभी हार नहीं मानी। रेखा राघव शुक्रवार को स्थानीय राजपूत धर्मशाला में महाराणा प्रताप की जयंती पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रही थी। उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप का जन्म महाराजा उदयसिंह एवं माता राणी जीवत कंवर के घर में हुआ था। उन्हें बचपन और युवावस्था में कीका नाम से भी पुकारा जाता था। ये नाम उन्हें भीलों से मिला था, जिनकी संगत में उन्होंने शुरूआती दिन बिताए थे। महाराणा प्रताप के पास चेतक नाम का एक घोड़ा था जो उन्हें सबसे प्रिय था। 1576 में हुए जबरदस्त युद्ध में करीब 20 हजार सैनिकों के साथ महाराणा प्रताप ने 80 हजार मुगल सैनिकों का सामना किया। इस युद्ध में प्रताप का घोड़ा चेतक जख्मी हो गया था। इस युद्ध के बाद मेवाड़, चित्तौड़, गोगुंडा, कुंभलगढ़ और उदयपुर पर मुगलों का कब्जा हो गया था, लेकिन महाराणा ने कभी भी स्वाभिमान को नहीं छोड़ा। उन्होंने मुगल सम्राट अकबर की अधीनता स्वीकार नहीं की और कई सालों तक संघर्ष किया। 1596 में शिकार खेलते समय उन्हें चोट लगी जिससे वह कभी उबर नहीं पाए। 19 जनवरी 1597 को सिर्फ 57 वर्ष आयु में चावड़ में उनका देहांत हो गया। उन्होंने कहा कि युवाओं को महाराणा प्रताप जैसे महापुरूषों के जीवन से संघर्ष एवं बलिदान की प्रेरणा लेनी चाहिए, जिन्होंने अपने देश व स्वाभिमान के चलते किसी के समक्ष हार नहीं मानी तथा पूरा जीवन संघर्ष में बिता दिया।

भारत-पाकिस्तान तनाव के बीच पुलिस प्रशासन की एडवाइजरी जारी, आगामी आदेशों तक स्टेशन नहीं छोड़ने के निर्देश: डीएसपी

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

लोहारू, 09 मई। भारत-पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव को लेकर पूरे देश को अलर्ट किया गया है। इसी बीच लोहारू पुलिस प्रशासन द्वारा भी आपात स्थितियों से निपटने की तैयारियां तेज हो गई हैं। इसके तहत पब्लिक एड्रेस सिस्टम को एक्टिव किया जाएगा। पुलिस प्रशासन ने कर्मचारियों व शिक्षण संस्थानों के लिए आवश्यक एडवाइजरी जारी की है। डीसएपी भारत भूषण ने बताया कि भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारतीय सेना की कार्रवाई के बदले पाकिस्तान लगातार सीमा पर सीजफायर का उल्लंघन कर रहा है। ऐसे में भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव जैसे हालात बन गए हैं। इन हालातों को देखते हुए पुलिस कप्तान के निदेर्शानुसार एडवाइजरी जारी की गई है। उन्होंने बताया कि इसके लिए पब्लिक एड्रेस सिस्टम एक्टिव करने की योजना बनाई गई है। इससे लोगों को कोई भी आपात स्थिति होने पर सूचित कर उन्हें सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया जा सकेगा। उन्होंने बताया कि पुलिस कर्मचारियों की छुट्टियों का रद्द कर दिया गया है। सभी कर्मचारियों को आगामी आदेशों तक अपने स्टेशन नहीं छोड़ने के निर्देश दिए गए हैं। वहीं स्कूलों को भी निर्देश दिए गए हैं स्कूल अपने विजिटर रजिस्टर को मेंटेन करें और संदिग्ध होने की सूचना तुरंत प्रभाव से प्रशासन को दी जाए। उन्होंने बताया कि खाद्य पदार्थों की जमाखोरी करने वालों पर कड़ी नजर रखी जा रही है। उन्होंने अपील की है कि इस संकट की घड़ी में कोई भी व्यापारी किसी प्रकार के खाद्य पदार्थों की जमाखोरी नहीं करेगा। उन्होंने सोशल मीडिया से भी अपील करते हुए कहा कि वे किसी भी प्रकार सेना के मूवमेंट की वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर ना करे इससे दुश्मन देश को हमारी सैनी की मूवमेंट की सूचना मिल सकती है।

कर्ण सिंह गोठड़ा को एमपीएसीएस का चुना गया प्रधान, कुलबीर सिंह बने उप प्रधान

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

लोहारू, 09 मई। शुक्रवार को एमपीएसीएस यानी दी लोहारू बहु-उद्देश्य प्राथमिक कृषि सहकारी समिति का चुनाव हुआ जिसमें कर्ण सिंह गोठड़ा को चुनाव के माध्यम से प्रधान व कुलबीर सिंह को सर्वसम्मति से उप प्रधान चुना गया है। चुनाव प्रक्रिया के बाद समिति के सदस्यों ने प्रधान व उपप्रधान को सम्मान किया। नव निर्वाचित प्रधान कर्ण सिंह गोठड़ा ने बताया कि एमपीएसीएस का नियमानुसार चुनाव संपन्न हुआ है। इस चुनाव में कर्ण सिंह गोठड़ा को प्रधान चुना गया है वहीं कुलबीर सिंह को सर्वसम्मति से उप प्रधान नियुक्त किया है। एमपीएसीएस की इस चुनाव प्रक्रिया में कर्ण सिंह गोठड़ा को 10 में से 8 वोट मिले जबकि उनके प्रतिद्वंदी को मात्र दो वोट मिले हैं। उन्होंने बताया कि उनको जिस प्रकार की जिम्मेवारी मिली है उसका वे बखूबी निर्वहन करेंगे और सभी सदस्यों को साथ लेकर चला जाएगा। इस मौके पर उमेद सिंह विकास अधिकारी, भूप सिंह छिल्लर इन्स्पेक्टर, महिपाल सिंह प्रबंधक, जगदीश जांगिड़, मंजीत सिंह, कुलबीर सिंह, सुशील कुमार,महेंद्र सिंह महला, रणधीर सिंह, राजबीर सिंह आदि उपस्थित रहे। सभी सदस्यों ने प्रधान व उपप्रधान का जोरदार स्वागत किया।

जिला बार सभागार अधिवक्ताओं ने मनाई महाराणा प्रताप जयंती

हरियाणा
वाटिका/मनोज मलिक

भिवानी, 09 मई। जिला बार सभागार में जिला बार एसोसिएशन के प्रधान संदीप तंवर की अगुवाई में महाराणा प्रताप जयंती बड़े ही धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। इस दौरान सभी बार अधिवक्ताओं ने मिलकर महाराणा प्रताप की प्रतिमा पर पुष्पार्पित कर उन्हें नमन किया।

जिला बार एसोसिएशन प्रधान संदीप तंवर व सचिव विनोद भारद्वाज ने संयुक्त रूप से महाराणा प्रताप के जीवन परिचय पर प्रकाश डालते हुए कहा कि महाराणा प्रताप ने मुगल सम्राट अकबर की अधीनता स्वीकार करने से इनकार कर दिया, जबकि अन्य कई राजपूत शासकों ने मुगलों से संधि कर ली थी। अकबर ने कई दूतों के माध्यम से प्रताप को समझाने का प्रयास किया, परंतु प्रताप अपने स्वाभिमान पर अडिग रहे। इसका परिणाम 18 जून 1576 को हल्दीघाटी के युद्ध के रूप में सामने आया, जहाँ प्रताप की सेना और अकबर के सेनापति राजा मानसिंह के नेतृत्व में मुगल सेना आमने-सामने हुई। उन्होंने कहा कि इस युद्ध में महाराणा प्रताप की सेना में लगभग 3000 घुड़सवार और 400 भील धनुधार्री थे, जबकि मुगल सेना में लगभग 10,000 सैनिक थे। तीव्र युद्ध के बाद प्रताप घायल हो गए, लेकिन वे युद्धभूमि से सुरक्षित निकलने में सफल रहे। इस युद्ध में उनके प्रिय घोड़े चेतक ने भी वीरगति प्राप्त की। यद्यपि यह युद्ध निर्णायक नहीं रहा, परंतु यह प्रताप की अदम्य साहस और स्वाभिमान का प्रतीक बन गया। इस अवसर पर जोगेंद्र तंवर पूर्व प्रधान, राजेश तंवर, सुरेंद्र, संजीव तंवर, संजय सोनी, पंकज शर्मा, सुमित जांगड़ा, शमशेर दहिया, मुकेश चौहान, शंकर शर्मा, देवकांत शर्मा, राजीव गौड़, देवेंद्र तंवर , विक्रम चौहान, सुरेंद्र शेखावत, मनेंद्र तंवर, कांति कौशिक, प्रवीण अत्री, सुमित तंवर आदि अधिवक्ता मौजूद थे।

10 मई को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत स्थगित

हरियाणा वाटिका/मनोज मलिक

भिवानी, 09 मई। जिला में 10 मई को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत पाकिस्तान के साथ बढ़ते तनाव और सुरक्षा के चलते आगामी आदेशों तक स्थगित कर दी गई है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी पवन कुमार ने ये जानकारी देते हुए बताया कि हरियाणा राज्य कानूनी सेवा प्राधिकरण के निदेर्शानुसार राष्ट्रीय लोक अदालत 10 मई को आयोजित की जानी थी, लेकिन यह राष्ट्रीय लोक अदालत पाकिस्तान के साथ बढ़ते तनाव और सुरक्षा की दृष्टिगत आगामी आदेशों तक स्थगित कर दी गई है।

भारतीय सेना द्वारा पाकिस्तान पर किए जवाबी हमले का मुस्लिम समुदाय ने किया समर्थन

पाकिस्तान को उसी की भाषा में समझाने का है समय : जोरावर अली

हरियाणा वाटिका/मनोज मलिक

भिवानी, 09 मई। बीते 22 अप्रैल को पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा वहां के पर्यटकों की हत्या का बदला लेने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय सेना द्वारा पाकिस्तान पर किए गए जवाबी हमले का भिवानी के मुस्लिम समुदाय के लोगों ने इसे देश का आतंकवादी विरोधी बड़ा कदम बताया है। मस्जिद कमेटी प्रधान जोरावर अली ने कहा कि पाकिस्तान बार-बार भारत में आतंकवादी गतिविधि को बढ़ावा देकर डर का माहौल पैदा करना चाहता है, जिसका हर बार भारत देश ने मुंहतोड़ जवाब दिया है तथा अबकी बार भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय सेना ने इस आतंकवादी गतिविधि का बदला लेते हुए पाकिस्तान को बता दिया है कि अब देश में आतंकवादी गतिविधियों को

बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना के इस जाबांजी कदम का मुस्लिम समुदाय के लोग समर्थन करते है तथा भारतीय सेना के लिए कुशल व हिफाजत के लिए दुआएं करते है। उन्होंने प्रधानमंत्री और गृहमंत्री का भी आभार जताया तथा कहा कि पाकिस्तान को उसी की भाषा में समझाने का यह सही वक्त है। इस अवसर पर हफीजुल्लाह, हनीफ अली, अब्दुल सत्तार, ताजुद्दीन, तैयब हुसैन, नसीरुद्दीन, नसीब खान, सुमित खान, यासीन खान, मुनीर खान आदि मौजूद रहे।

अवैध कॉलोनियों में ना करें कोई निर्माण, विभाग द्वारा की जाएगी कार्रवाई: डीटीपी

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

करनाल, 09 मई। जिला नगर योजनाकार सतीश कुमार ने बताया कि गत दिवस इंद्री में 2 अवैध कॉलोनियों के विरूद्ध तोडफोड की कार्रवाई की गई। उन्होंने बताया कि पहली अवैध कॉलोनी मुरादगढ रोड पर इंद्रगढ गांव पर स्थित जिसमें सभी कच्ची सड़कों एवं 2 डी.पी.सी. के के विरूद्ध तोडफोड की जो कि लगभग 4 एकड़ में स्थित। इसी प्रकार से दूसरी अवैध कॉलोनी जो कि मुरादगढ रोड पर मटक माजरी गांव में जोकि 4 एकड़ में स्थित है। जिसमें सभी कच्ची सडकों के विरूद्ध तोडफोड की कार्यवाही की गई।

जिला नगर योजनाकार ने लोगों से अपील की कि कोई भी व्यक्ति अवैध कॉलोनी में कोई निर्माण नहीं करें अन्यथा कार्यालय द्वारा तोडफोड की कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि अवैध कॉलोनियों व अवैध निमार्णों के विरुद्ध किसी प्रकार की कोताही नहीं बरती जाएगी व तोडफोड की कार्यवाही जारी रहेगी तथा दोषियों के विरुद्ध मुकदमे दर्ज करवाये जायेंगे।

चीखती रही पत्नी, नहीं रुकी ट्रेन; सुबह पति की लाश ने खोल दी रेलवे की संवेदनहीनता की पोल"

हरियाणा वाटिका/एकजोत

शाहाबाद मारकंडा, 09 मई। शुक्रवार सुबह रेलवे की बेरुखी और कर्मचारियों की लापरवाही ने एक परिवार की खुशियां छीन लीं। एक महिला बार-बार ट्रेन रुकवाने की गुहार लगाती रही, आंसुओं से भीगी अपनी पुकार में मदद मांगती रही, लेकिन ट्रेन में मौजूद किसी टी.टी. या कर्मचारी को उस पर दया नहीं आई। सुबह उसी महिला के पति की लाश रेलवे ट्रैक पर मिली। रांची निवासी बद्दो कुमारी अपने पति धर्मेंद्र व तीन बेटों शिवम, सत्यम और सूरज के साथ चंडीगढ़ से अंबाला बस से पहुंची थी। वहां से उन्होंने रांची जाने के लिए मूरी एक्सप्रेस पकड़ी, जो रात करीब 2:50 बजे अंबाला कैंट से रवाना हुई। ट्रेन कुछ ही दूरी तय कर पाई थी कि धर्मेंद्र अचानक चलती ट्रेन से गिर पड़ा। बद्दो कुमारी के अनुसार, जैसे ही उन्हें यह महसूस हुआ, उन्होंने शोर मचा कर टी.टी. व अन्य कर्मचारियों को घटना से अवगत कराया। ट्रेन में मौजूद 3 टी.टी. और अन्य रेलवे स्टाफ ने उसकी बात को गंभीरता से नहीं लिया और ट्रेन को रोकना आवश्यक नहीं समझा। किसी तरह वह अपने बच्चों के साथ शाहाबाद रेलवे स्टेशन पर उतरी और स्टेशन मास्टर रणबीर सिंह को पूरी बात बताई। स्टेशन मास्टर रणबीर सिंह ने मानवीय संवेदनशीलता दिखाते हुए तुरंत उच्चाधिकारियों को सूचित किया और अंबाला सहित विभिन्न स्टेशनों से संपर्क किया। साथ ही सड़क दुर्घटनाओं में मदद करने वाली संस्था ह्यहैल्पर्सह्ल के प्रधान तिलक राज अग्रवाल से संपर्क किया गया। तिलक राज अग्रवाल मौके पर पहुंचे और धर्मेंद्र की खोज शुरू करवाई। घंटों की तलाश के बाद सुबह गांव मच्छौंडा के पास रेलवे ट्रैक पर धर्मेंद्र का शव मिला। बद्दो कुमारी व बच्चों को हैल्पर्स की एंबुलेंस से घटनास्थल पहुंचाया गया, जहां शव की शिनाख्त की गई। बाद में उन्हें रेलवे थाना अंबाला कैंट ले जाया गया। इस हृदय विदारक घटना ने रेलवे प्रशासन की असंवेदनशीलता को उजागर कर दिया है। जहां एक तरफ टी.टी. और कर्मचारी लापरवाह दिखे, वहीं स्टेशन मास्टर रणबीर सिंह और समाजसेवी तिलक राज अग्रवाल ने इंसानियत की मिसाल पेश की। अब परिजन और स्थानीय नागरिक रेलवे से जिम्मेदार अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

श्रीकृष्ण आयुष विश्वविद्यालय के योगोत्सव कार्यक्रम में एक हजार साधकों ने किया योग

योग हमारी सभ्यता की अमूल्य धरोहर, सभी को अपनाना चाहिए: माफी ढांडा

हरियाणा वाटिका/एकजोत

कुरुक्षेत्र, 09 मई। धर्म, सेवा और योग की पावन भूमि कुरुक्षेत्र से आज श्रीकृष्ण आयुष विश्वविद्यालय ने पूरे विश्व को स्वास्थ्य, संतुलन और समरसता का संदेश दिया। मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान के तत्वावधान में ब्रह्मसरोवर तीर्थ के पुरुषोत्तमपुरा बाग में आयोजित 43वें काउंटडाउन योगोत्सव कार्यक्रम में एक हजार से अधिक साधकों ने सामूहिक योगाभ्यास कर भारत की सांस्कृतिक और आयुष परंपरा को जीवित किया। कार्यक्रम की शुरूआत प्रातः 7 बजे कुलपति प्रो. वैद्य करतार सिंह धीमान के नेतृत्व में हुई। मुख्य मंच पर नगर परिषद थानेसर की चेयरपर्सन माफी ढांडा, पूर्व चेयरपर्सन उमा सुधा, आयुर्वेद अध्ययन एवं अनुसंधान संस्थान के प्राचार्य देवेंद्र खुराना समेत अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। कार्यक्रम में 15 से अधिक योग संस्थाओं, सामाजिक संगठनों और विभिन्न स्कूलों के विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रो. शीतल सिंगला के निर्देशन में योग शिक्षक योगेंद्र

कुमार ने योग प्रोटोकॉल का अभ्यास करवाया, जबकि संचालन की जिम्मेदारी सहायक कुलसचिव अतुल गोयल ने निभाई। इस अवसर पर नगर परिषद की चेयरपर्सन माफी ढांडा ने कहा कि योग केवल व्यायाम नहीं, बल्कि जीवन को संतुलित करने की भारतीय कला है,जिसे पूरी दुनिया अपनाने लगी है। यह हमारी सभ्यता की अमूल्य धरोहर है। उन्होंने खास तौर पर महिलाओं व युवाओं से योग अपनाने की अपील की। नगर परिषद की पूर्व चेयरपर्सन उमा सुधा ने अपने निजी अनुभव साझा करते हुए बताया कि वे प्रतिदिन योग करती हैं, जिससे उन्हें मानसिक शांति और ऊर्जा मिलती है। उन्होंने कहा कि योग अब एक विकल्प नहीं, जीवनशैली बनना चाहिए। कुलपति प्रो. धीमान ने अपने प्रेरक संबोधन में कहा कि यह वही पावन भूमि है जहां श्रीकृष्ण ने गीता का उपदेश दिया था। आज उसी भूमि से हम योग के माध्यम से पूरी दुनिया को शांति और स्वास्थ्य का संदेश दे रहे हैं। यह कार्यक्रम भारत की शक्तिशाली और आत्मनिर्भर संस्कृति का प्रतीक है। इस अवसर पर केडीबी के मानद सचिव उपेंद्र सिंघल, हरियाणा योग आयोग के मेंबर मनीष कुकरेजा, विद्या भारती से अशोक रोशा,भारती योग संस्थान से ओमप्रकाश व गुलशन ग्रोवर, पतंजलि महिला समिति से डॉ. निरुपमा भट्टी, योग भारती से जगतार सिंह, रणजीत, जयराम, ऋषिपाल मथाना, एमके मुदगिल, गुरुकुल से आचार्य दीपक व संजय, शिक्षा विभाग से हरीश कुमार व जसबीर सिंह, भारत विकास परिषद से विजयंत बिंदल, आर्ट आफ लिविंग से अक्षय समेत अन्य मौजूद रहे।

इन संस्थाओं का रहा सहयोग

इस सफल आयोजन में हरियाणा योग आयोग, जिला आयुष विभाग, जिला शिक्षा विभाग, कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड, स्टेट बैंक आफ इंडिया, भारत विकास परिषद, विद्या भारती, भारतीय योग संस्थान, योग भारती, आर्ट आफ लिविंग, पतंजलि योग समिति, स्वदेशी जागरण मंच, आरोग्य भारती, जयराम गुरुकुल, गीता निकेतन, श्रीमद भगवद गीता स्कूल, संस्कृति मॉडल स्कूल थानेसर, राजकीय कन्या विद्यालय व नाथ पब्लिक स्कूल समेत कई संस्थाओं ने सहयोग किया।

सतलुज स्कूल में मातृ दिवस समारोह धूमधाम से आयोजित

हरियाणा वाटिका/एकजोत

शाहाबाद मारकंडा, 09 मई। सतलुज सीनियर सेकेंडरी स्कूल में मातृ दिवस के उपलक्ष्य में एक भावनात्मक और रंगारंग समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत स्कूल के प्रधानाचार्य डॉ. आर.एस. घुम्मन के प्रेरणादायक संबोधन से हुई। उन्होंने कहा कि माँ बच्चों की पहली शिक्षक होती है और उनके भविष्य की निमार्ता भी। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने नाटक, गायन, भाषण व कविताओं के माध्यम से मां के प्रति अपने प्रेम और सम्मान को व्यक्त किया। यह संपूर्ण आयोजन लिली हाउस की इंचार्ज दिनेश कुमारी की देखरेख में हुआ और मंच संचालन कक्षा 12वीं की छात्रा नीतिका ने किया। इस अवसर पर नर्सरी से पांचवीं कक्षा तक के छात्रों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। नर्सरी से दूसरी कक्षा तक के बच्चों ने अपनी माताओं के लिए सुंदर ग्रीटिंग काड्र्स बनाए। वहीं तीसरी से पांचवीं कक्षा तक कार्ड मेकिंग प्रतियोगिता करवाई गई। प्रतियोगिता में कक्षा तीसरी से मंसीरत, भूमिका, राघव आदि को पुरस्कार मिले। कक्षा चौथी में एंजल, टशनदीप, अश्विन, हार्मन आदि विजेता रहे। पांचवीं में आरव, परीक्षित, परिधि, कशिश आदि ने सम्मान प्राप्त किया। निर्णायक मंडल में वनिता, कमलजीत कौर और राजेंद्र कौर ने भूमिका निभाई।समारोह में राष्ट्रीय शिक्षा समिति टोहाना के अध्यक्ष वीरेंद्र कौशल, एडमिनिस्ट्रेटर मनोज भसीन, ममता जैन, उषा गाबा सहित अनेक शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम ने सभी में मातृत्व के प्रति सम्मान और भावनात्मक जुड़ाव को और गहराया।

विश्वास स्कूल में बुके मेकिंग प्रतियोगिता व रेड क्रॉस दिवस आयोजित

हरियाणा वाटिका/एकजोत

शाहाबाद मारकंडा, 09 मई। विश्वास पब्लिक स्कूल, सीनियर विंग में आज ह्यबुके मेकिंग प्रतियोगिताह्ल एवं ह्यरेड क्रॉस दिवसह्ल के उपलक्ष्य में विविध गतिविधियों का आयोजन किया गया। कक्षा 9वीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों ने बड़ी संख्या में भाग लिया और अपनी रचनात्मकता का सुंदर प्रदर्शन किया। फूलों का गुलदस्ता प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने अपनी माताओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए अत्यंत सुंदर और कलात्मक बुके तैयार किए। छात्रों ने रंगीन कागजों से फूल-पत्तियां बनाकर उन्हें रचनात्मक ढंग से सजाया। कुछ छात्रों ने अपने गुलदस्तों पर माता का चित्र भी अंकित किया, जिससे उनकी भावनात्मक जुड़ाव स्पष्ट झलकती थी। सभी बुके इतने आकर्षक थे कि दर्शक उनकी कला देखकर हैरान रह गए। इसी क्रम में प्रातःकालीन सभा में ह्यरेड क्रॉस दिवसह्ल के उपलक्ष्य में एक लघु नाटिका प्रस्तुत की गई। इस नाटक के माध्यम से छात्रों ने यह संदेश दिया कि किसी घायल व्यक्ति को कैसे प्राथमिक उपचार दिया जाना चाहिए। छात्रों ने बताया कि ऐसे समय में रोगी को सुरक्षित स्थान पर ले जाकर तुरंत सहायता प्रदान करनी चाहिए और जरूरत पड़ने पर अस्पताल पहुंचाना चाहिए। इस अवसर पर प्रधानाचार्य स्नेह राजपाल ने सभी विद्यार्थियों की सराहना करते हुए कहा कि माता का सम्मान हमारा नैतिक कर्तव्य है, क्योंकि वही जीवन की प्रथम गुरु होती हैं।

सभी अधिकारी व कर्मचारी अपने हेडक्वार्टर पर उपस्थित रहकर आपात स्थिति से निपटने के लिए रहें तैयार : एसडीएम मनोज दलाल

एसडीएम ने लोहारू के सरकारी अस्पताल, 132 केवी पावर सब स्टेशन सहित सरकारी संस्थाओं का किया निरीक्षण

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

लोहारू, 09 मई। भारत-पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के चलते सुरक्षा व मूलभूत सुविधाओं के मद्देनजर एसडीएम मनोज दलाल ने शुक्रवार को स्थानीय अस्पताल, बिजली की आपूर्ति के लिए 132 केवी तथा 33 केवी पावर सब स्टेशन, चौधरी बंशीलाल राजकीय महाविद्यालय व सावित्रीबाई फुले राजकीय कन्या महाविद्यालय का दौरा कर उनका निरीक्षण किया। एसडीएम ने एसएमओ डॉ. गौरव चतुर्वेदी से अस्पताल में उपलब्ध दवाइयों, बेड तथा चिकित्सा से संबंधित जानकारी ली। उन्होंने अस्पताल के चिकित्सा अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे अपना हेडक्वार्टर मेंटेन रखें और किसी भी आपातकाल की स्थिति से निपटने के लिए तैयार रहे। एसडीएम ने 132 केवी तथा

33 केवी बिजली सब स्टेशन का भी निरीक्षण किया और सुरक्षा की जानकारी ली। उन्होंने चौधरी बंसीलाल राजकीय महाविद्यालय तथा सावित्रीबाई फुले राजकीय कन्या महाविद्यालय में उपलब्ध आवश्यक उपकरण,भवन और अन्य सुविधाओं की जानकारी ली। एसडीएम ने कहा कि सरकार के मुख्य सचिव द्वारा सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को अपने मुख्यालयों/स्टेशनों पर रहने का निर्देश दिया है। बिना अनुमति के कोई भी अपना स्टेशन नहीं छोड़ेगा।

उन्होंने आमजन से कहा है कि वे सावधान रहे, घबराए नहीं। किसी भी अफवाह पर ध्यान न दे। सोशल मीडिया जैसे व्हाट्सएप, ट्विटर,फेसबुक आदि पर फैली खबरों की पुष्टि करे। बिना पुष्टि किसी भी खबर को फॉरवर्ड न करे। उन्होंने कहा कि घबराएं नहीं, सतर्क रहें, संगठित रहें और सकारात्मक रहें।

एसडीएम ने कहा है कि घर में सबसे सुरक्षित कमरा पहचानें जहां खिड़कियां न हों बाहर हों तो पास के मजबूत ढांचे या निचली जगह में लेट जाएं। तत्काल रिकॉर्डिंग या वीडियो बनाने के लिए बाहर न दौड़ें।

बॉक्सः इमरजेंसी किट तैयार रखें:

एसडीएम ने कहा कि पहचान पत्र, जरूरी दवाइयां, पानी, सूखा खाना, मोबाइल चार्जर, फ्लैशलाइट एक किट बैग में रखें जो तुरंत उठाकर निकला जा सके। उन्होंने कहा कि अफवाहों से बचें, केवल आधिकारिक सूचना पर भरोसा करें। सरकारी ऐप और विश्वसनीय स्रोतों से ही अपडेट लें। सोशल मीडिया जैसे पर फैली खबरों की पुष्टि करें। उन्होंने कहा कि आप सभी मानसिक संतुलन बनाए रखे। पूजा, प्रार्थना या ध्यान करें। बच्चों से डर की बात नहीं, दिनचर्या बनाए रखें। समुदाय के साथ जुड़ें। पड़ोसियों से संपर्क रखें, बुजुर्गों की सहायता करें। कोई भी संदिग्ध चीज दिखे तो पुलिस को सूचित करें, न कि सोशल मीडिया पर डालें। किसी भी खबर का फैक्ट-चेक वेबसाइट से सत्यापन करें। उन्होंने कहा कि हमें यह याद रखना है कि हिम्मत शोर नहीं करती, तैयारी करती है। अपने भीतर डर को जगह न दें, बस तैयारी रखें। रोज जीवन की एक चीज पर ध्यान दें जो आपको खुशी देती हो। जैसे संगीत, खाना बनाना, किताबें, या बच्चों के साथ समय।

संपादक की कलम से

युद्ध जैसे हालात में सरकार से अपेक्षा

मंगलवार की आधी रात को पाकिस्तान पर किए गए ऑपरेशन सिंदूर के बाद सीमा पर स्थित जम्मू-कश्मीर के पुंछ में पाकिस्तान की तरफ से भयंकर गोली बारी शुरू की गई, जिसमें कम से कम 16 लोगों के मारे जाने की खबर है, साथ ही लांस नायक दिनेश कुमार शहीद भी हुए हैं। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक पाकिस्तान ने इसके अलावा भारत के अवंतीपुरा, श्रीनगर, जम्मू, पठानकोट, अमृतसर, कपूरथला, जालंधर, लुधियाना, आदमपुर, बठिंडा, चंडीगढ़, नल, फलौदी, उत्तरलाई और भुज सहित उत्तरी और पश्चिमी भारत में कई सैन्य ठिकानों पर हमला करने की कोशिश की। हालांकि पाकिस्तान के इन हमलों को एकीकृत काउंटर यूएएस ग्रिड और एयर डिफेंस सिस्टम ने बेअसर कर दिया। भारत के रक्षा मंत्रालय के बयान में कहा गया कि पाकिस्तानी ड्रोनों के मलबे अब कई स्थानों से बरामद किए जा रहे हैं जो इस बात को साबित करते हैं कि पाकिस्तान ने हमला किया था।

जाहिर है हमारी सेना और मजबूत रक्षा तंत्र ने इस तरह देश की रखवाली की कि व्यापक तौर पर नागरिकों को पाकिस्तान की तरफ से हुए हमलों का पता ही नहीं चला। इस साहसिक कृत्य के लिए सेना की जितनी सराहना की जाए, कम है। इस समय सारा देश यही कर भी रहा है। गुरुवार को जब सरकार ने सभी दलों की बैठक फिर से बुलाई, तब भी तमाम दलों ने एकजुटता का भरोसा सरकार को दिलाया।

युद्ध के मुहाने पर खड़े इस कठिन दौर से गुजरते हुए भारत का हर विपक्षी दल और नागरिक अपने परस्पर विरोधों को भुलाकर सरकार और सेना के साथ खड़ा है लेकिन यह बेहद दुखद और आश्चर्यजनक बात है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जो देश का नेतृत्व करते हैं, इस विषय पर गुरुवार को दिल्ली में बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में पुनः अनुपस्थित रहे। 'पुनः' शब्द का इस्तेमाल इसलिये किया जा रहा है क्योंकि पहलगाम हमले के बाद 24 अप्रैल को बुलाई गई ऐसी ही बैठक में मोदी नहीं आये थे। हालांकि उन्होंने आतंकवादियों को धरती के आखिरी छोर से भी पकड़ लाने का वादा देश से किया था। सेना ने संयुक्त ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम देकर पाकिस्तान व पाक अधिकृत कश्मीर (पीओके) में दहशतगर्दों द्वारा चलाये जा रहे आतंकी कैंपों को उड़ा दिया। लेकिन इस दौरान सरकार को कम से कम सीमावर्ती इलाकों से नागरिकों को सुरक्षित जगहों पर ले जाने का इंतजाम कर लेना चाहिए था। अगर ऐसा होता तो शायद पुंछ में जो नुकसान हुआ, वह न होता। पुंछ इलाके में मारे गये नागरिक ज्यादातर किसान हैं। एक तरह से देखें तो ये सर्जिकल स्ट्राइक हो या सीमा के आर-पार की बम वर्षा के कारण लगभग युद्ध की स्थिति है।

ऐसे में सर्वदलीय बैठक में प्रधानमंत्री का न आना यह बतलाता है कि वे लोगों से मिल रहे जनसमर्थन के कारण विपक्ष ही नहीं, नागरिकों व यहां तक कि संसद को भी काफी हल्के में ले रहे हैं। याद हो कि 22 अप्रैल को हुए बैसरन कांड के वक्त मोदी सऊदी अरब के दौरे पर थे जिसे छोड़कर वे भारत लौटे थे। इससे यह महसूस किया गया था कि वे स्थिति की गम्भीरता को देखते हुए लौटे हैं। इसके विपरीत उन्होंने न तो राष्ट्र के नाम संदेश दिया और न ही कोई ऐसा बड़ा कदम उठाया जिससे महसूस हो कि वे किसी बड़े फैसले को लेने या उसे क्रियान्वित करने के लिये उद्धत हैं। वे बिहार चले गये जहां उन्होंने वहां के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ एक रैली की। यहां इस साल के अंत तक विधानसभा के चुनाव होने हैं। मंच पर उनकी और नीतीश बाबू के बीच होती हंसी-ठिठौली की तस्वीरें व वीडियो लोगों को चकित करते रहे। उन्होंने सर्वदलीय बैठक में हिस्सा नहीं लिया और न ही सरकार ने संसद का विशेष सत्र बुलाया जिसकी सम्पूर्ण विपक्ष मांग कर रहा था। जनता को भी इसकी अपेक्षा थी।

मोदी वही कहानी दोहराते नजर आ रहे हैं- न तो सर्वदलीय बैठक में जाना, न राष्ट्र के नाम संदेश प्रसारित करना और न ही संसद का विशेष अधिवेशन बुलाने की पेशकश को सुनना। गुरुवार की बैठक में शामिल लगभग सभी दलों ने एक बार फिर से इस बात की घोषणा की कि वे पूरी तरह से सरकार के साथ हैं और वह जो भी कदम उठाये, वे उसका समर्थन करते हैं। सेना से जुड़ी गोपनीय बातों का जिक्र नहीं करना है, इसलिए बैठक से बाहर आकर किसी नेता ने कोई ऐसा बयान नहीं दिया, जिससे असुविधा हो। अलबत्ता मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि प्रधानमंत्री नहीं आए, हालांकि हम अभी इस बात के लिए उनकी आलोचना नहीं करेंगे, क्योंकि यह वक्त आलोचना का नहीं है।

पहल

हमने कभी किसी को नहीं मारा,
करते हैं प्रतिघात जब नहीं कोई चारा,
सभी धर्मों का किया हमने सम्मान,
नहीं हाथ पैर हाथ धरे बैठे जब हुआ अपमान,
जिन्होंने धर्म पूछ कर मारी गोली,
उनकी पोल विश्व के सामने खोली,
हम भी अपनी सुरक्षा का दम भरते,
हम कभी पहल नहीं करते।
घर में घुसकर मारने की थी मजबूरी,
देख अपनों को दुखी की ख्वाहिश पूरी,
बौखलाए हो तुम और घमंड है सवार,
हम भी तो हैं मजबूत नहीं लाचार,
अपनी जनता की सुरक्षा को रोकेंगे बार-बार,
समूल नष्ट करेंगे आंतक का आधार,
हम आम जनता के हक में चलते,
हम कभी पहल नहीं करते।
बहुत पी लिया अब सब्र का घूँट,
आ गया सबके सामने उनका झूठ,
ईश्वर का नाम लेकर गुमराह करते अधर्मी,
पाप का करते काम ऐसे बेशर्मी,
गोला बारूद से नहीं होता जनता का उपकार,
भूखे पेट लोगों पर कर रहे अत्याचार,
भलाई का काम करने वाले उनको खलते,
हम कभी पहल नहीं करते।
एक ही उनका मकसद करना स्वार्थ सिद्धि,
आंतक फैला धरती पर अराजकता में वृद्धि,
समाज में इन्होंने पंथ को किया बदनाम,
मिलजुल करो खत्म यही इनको इनाम,
करते ईर्ष्या देख कर किसी की तरक्की,
एकता और शांति को देख होती हक्की बक्की,
गलत दिशा हमारे कदम कभी नहीं चलते,
हम कभी पहल नहीं करते।

चुप्पी को कभी कमजोरी न समझ,
फूटेगा गुस्सा टटोलेंगे नब्ज,
यह एक हाथ से बजी हुई नहीं ताली,
नफरत की यह आंधियां तुमने ही पाली,
लगाई जो आज अब आग से बुझायेंगे,
हमें है पता तुम हथकंडे अपनाएंगे,
सीखा नहीं उठना बिना पैर चलते,
हम कभी पहल नहीं करते।

डॉ. विनोद कुमार शर्मा,
चंडीगढ़।

ईश्वर की सर्वश्रेष्ठ कृति है मां

रमेश सर्राफ धमोरा

मां एक ऐसा शब्द है जिसमें पूरा ब्रम्हांड समा जाए। जब हम मां बोलने के लिए मुंह खोलते हैं तो शब्द के उच्चारण के साथ ही पूरा मुंह भर जाता है। मां ममता की मूरत होती है। पूरी दुनिया के सभी धर्मों नेमां के रिश्ते को सबसे पवित्र माना गया है। अपने बच्चों के प्रति मां का प्यार, दुलार, समर्पण और त्याग अनमोल होता है। मां को सम्मान देने के लिए पूरी दुनिया में मई माह के दूसरे रविवार को मातृत्व दिवस (मदर डे) के रूप में मनाया जाता है। ऐसे में इस साल 11 मई को मातृ दिवस मनाया जाएगा। एना जार्विस नामक अमेरिकन महिला ने अपनी समाजसेविका मां की स्मृति में 1908 में पहली बार मदर्स डे मनाया था। जिन्होंने महिलाओं के लिए काफी कार्य किए थे।

मां को संस्कृत में मातरः कहते है। मां ईश्वर की सर्वश्रेष्ठ कृति है जिसके माध्यम से परमेश्वर अपने अंश द्वारा अपनी शक्ति का संचार और विस्तार करता है। पुराणों के अनुसार मां का अर्थ लक्ष्मी है। जिस प्रकार मां लक्ष्मी सृष्टि का पालन करती है उसी प्रकार मां भी शिशु का पालन करती है। इस प्रकार मां को लक्ष्मी का स्वरूप माना गया। एक मत यह है कि इस सृष्टि का आरंभ मनु और शतरूपा नामक स्त्री-पुरुष के समागम से हुआ। मनु के नाम पर ही उनकी संतान को मनुज या मानव कहा गया। मनु की संतान को जिसने जन्म दिया उसे मां कहा गया। और इस प्रकार मां शब्द की उत्पत्ति हुई।

दुनिया में मां की तुलना भगवान से की जाती है। भारत में गंगा नदी को पवित्र मान कर मां का दर्जा दिया जाता है जो इस बात का संकेत है कि मां अपने आप में एक उपाधि है। कई धार्मिक ग्रंथो में जननी की महिमा का बखान मिलता है। मां होने का अर्थ है उत्तरदायित्व और निस्वार्थता से पूरी तरह से अभिभूत होना। मातृत्व का मतलब है रातों की नींद हराम करना। मां भगवान की सबसे श्रेष्ठ रचना है। उसके जितना त्याग और प्यार कोई नहीं कर सकता है। मां विश्व की जननी है उसके बिना संसार की कल्पना भी नहीं की जा सकती है। मां ही हमारी जन्मदाता होती है और वही हमारी सबसे पहली गुरु होती है। इसीलिए हम धरती को भी धरती माता कहते हैं। जो अपने उपर हम सब का वजन उठाती है।

अंतरराष्ट्रीय मातृत्व दिवस माताओं एवं मातृत्व का सम्मान करने वाला दिन होता है। एक मां सभी की जगह ले सकती है। लेकिन उनकी जगह कोई और नहीं ले सकता है। मां अपने बच्चों की हर प्रकार से रक्षा और उनकी देखभाल करती है। इसलिए मां को ईश्वर का दूसरा रूप कहा जाता है। मां वह शख्स होती है जो नो माह तक अपने बच्चे को कोख में रखकर जन्म देती है। उसके बाद उसका लालन-पालन करती है। कुछ भी हो जाए लेकिन एक मां का अपने बच्चों के प्रति स्नेह कभी कम नहीं होता है। वह खुद से भी ज्यादा अपने बच्चों के सुख सुविधाओं को लेकर चिंतित रहती है। मां अपनी संतान की रक्षा के लिए बड़ी से बड़ी विपत्तियों का सामना करने का साहस रखती है। देखा जाए तो मातृ दिवस का इतिहास सदियों पुराना एवं प्राचीन है। यूनान में परमेश्वर की मां को सम्मानित करने के लिए यह दिवस मनाया जाता था। 16वीं सदी में इंग्लैंड का ईसाई समुदाय ईशु की मां मदर मेरी को सम्मानित करने के लिए इस दिवस को त्योहार के रूप में मनाये जाने की शुरूवात हुई। ह्यमदर्स डेह्व मनाने का मूल कारण समस्त माताओं को सम्मान देना और एक शिशु के उत्थान में उसकी महान भूमिका को सलाम करना है।

मातृत्व दिवस को आधिकारिक बनाने का निर्णय पूर्व अमरीकी राष्ट्रपति वूडरो विलसन ने आठ मई 1914 को लिया था। राष्ट्रपति वुडरो विल्सन ने मई के दूसरे रविवार को मदर्स डे मनाने और मां के सम्मान में एक दिन के अवकाश की सार्वजनिक घोषणा की थी। वे समझ रहे थे कि सम्मान, श्रद्धा के साथ माताओं का सशक्तिकरण होना चाहिए। जिससे मातृत्व शक्ति के प्रभाव से युद्धों की विभीषिका रुके। तत्पश्चात हर वर्ष मई के दूसरे रविवार को मदर्स डे मनाया जाता है। वर्तमान में ये भारत के साथ यूके, चीन, यूएस, मेक्सिको, डेनमार्क, इटली, फिनलैण्ड, तुर्की, ऑस्ट्रेलिया, कैनेडा, जापान, बेल्जियम सहित कई देशों में मनाया जाता है। हर साल माताओं के प्रति अपने आदर और सम्मान को व्यक्त करने के लिए यह दिवस मनाया जाता है।

हमारे देश में गाय को भी गौमाता कह कर पुकारते हैं जो हमें अपने अपना दूध पिला कर बड़ा करती है। मां हमारे जीवन की सबसे प्रमुख हस्ती होती है जो बिना कुछ पाने की उम्मीद किए सिर्फ देती ही रहती है। मां का प्यार निस्वार्थ होता है जो हम अपने पूरे जीवन में किसी और से प्राप्त नहीं कर सकते हैं। मां बच्चे की पहली गुरु होती है।

भारतीय संस्कृति तथा कुछ ग्रंथों के अनुसार मां शब्द की उत्पत्ति गोवंश से हुई। गाय का बछड़ा जब जन्म लेता है तो उसके सर्वप्रथम रंभानें में जो स्वर निकालता है वह मां होता है। यानी कि बछड़ा अपनी जन्मदात्री को मां के नाम से पुकारता है। इस प्रकार जन्म देने वाली को मां कहकर पुकारा जाने लगा। शास्त्रों के अनुसार सर्वप्रथम बछड़े ने ही अपनी मां गाय को रंभाकर मां पुकारा और वहीं से इस शब्द की उत्पत्ति हुई।

जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी।

वाल्मीकि रामायण के इस श्लोक में आचार्य वाल्मीकि कहते हैं कि माता और मातृभूमि का स्थान स्वर्ग से भी ऊपर होता है और उनके चरणों में ही वैकुंठ धाम है।

नास्ति मातृसमा छाया, नास्ति मातृसमा गतिः।
नास्ति मातृसमं त्राण, नास्ति मातृसमा प्रिया।।

यह श्लोक जीवन में माता के महत्व को बताता है। इस श्लोक में कहा गया है माता के समान कोई छाया नहीं है और न ही उनके समान कोई सहारा है। न तो दुनिया में मां के समान कोई रक्षक नहीं और उनके समान कोई प्रिय वस्तु भी नहीं है। महाभारत में एक प्रसंग के दौरान जब यक्ष धर्मराज युधिष्ठर से सवाल पूछते हैं कि भूमि से भारी कौन है। तब युधिष्ठर कहते हैं कि माता इस भूमि से कहीं अधिक भारी होती हैं। अर्थात संसार में माता का स्थान सबसे अधिक गौरवपूर्ण है।

दुनिया में हर शब्द का अर्थ समझा और समझाया जा सकता है। लेकिन मां शब्द का अर्थ समझना और समझाना दोनों ही लगभग नामुमकिन है। मां शब्द का अर्थ समझाना इसलिए नामुमकिन है क्योंकि मां के प्यार को मां के बलिदान को शब्दों में नहीं समझाया जा सकता। इसे सिर्फ अनुभव किया जा सकता है। मां के दिल में जितना प्यार अपने बच्चों के लिए होता है। अगर मां के सभी बच्चे कोशिश भी करें तो उसका कुछ अंश भी अदा नहीं कर सकते।

मां शब्द की उत्पत्ति और अर्थ के बारे में कई मत हैं। विभिन्न शैलियों ने मां शब्द की व्याख्या की है। ये एक अक्षर वाला मां संबोधन पूरे ब्रह्मांड में सबसे ताकतवर शब्द माना जाता है। मां सिर्फ शब्द नहीं बल्कि एक भावना है। इसका वर्णन शब्दों मे करना नामुमकिन है। मां वो है जो न सिर्फ हमे जन्म देती है बल्कि हमे जीना भी सिखाती है। मां शब्द का अर्थ है निस्वार्थ प्यार और बलिदान। मां भगवान् का जीता जागता स्वरूप है। मां खुले दिल से अपने बच्चो का भरपूर ख्याल रखती है। मां वो होती है जो खुद भूखी सो जाए पर अपने बच्चो को भूखा रहने नहीं देती। उसे खुद कितनी भी तकलीफ हो वो जताती नहीं और ऐसे मे भी सिर्फ अपने बच्चो की ही सलामती की दुआ करती है। मां की ममता समुद्र से भी गहरी है।

आलेखः-
रमेश सर्राफ धमोरा
(लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

भारत पहले सिंधु नदी के जल पर देश के वास्तविक नियंत्रण की तैयारी करे

- अंजन रॉय

ऐसी कोई भी सुविचारित योजना बहुत बड़ा अंतर ला सकती थी। सिर्फ पाकिस्तान को दंडित करने के लिए नहीं, क्योंकि यह इस रणनीतिक सोच का केवल एक छोटा सा हिस्सा हो सकता है। ये पानी उत्तरी भागों में कृषि और खेती की गतिविधियों के साथ-साथ घरों में अच्छे पेयजल की आपूर्ति के लिए भी बहुत बड़ा अंतर ला सकते थे।

पानी में आसानी से आग लग सकती है। जब सिंधु नदी के जल की बात आती है, तो हम देख रहे हैं कि यह कितना ज्वलनशील हो सकता है - कम से कम अभी के लिए, मौखिक रूप से ही सही, विशेषकर भारत द्वारा सिंधु जलसंधि को निलंबित करने के बाद।

यह एक व्यापक सशस्त्र संघर्ष का केंद्र भी बन सकता है। लेकिन इसके साथ ही कुछ गंभीर विचार भी हैं। एक व्यापक या लंबे समय तक चलने वाले युद्ध से बचना भारत के हित में है, क्योंकि इससे भारत की आर्थिक वृद्धि पटरी से उतर सकती है। युद्ध से उच्च राजकोषीय घाटा, या आर्थिक नीति की बाध्यताओं से ध्यान भटकाना, विकास प्रक्रिया को बहुत नुकसान पहुंचा सकता है।भारत के लिए पाकिस्तान को दंडित करने का सबसे अच्छा तरीका यह होगा कि वह देश को आर्थिक रूप से भूखा रखे और उसके अंतिम आर्थिक दिवालियापन की ओर बढ़ाये, ताकि नागरिक जीवन पर सेना की पकड़ ढीली हो जाये। सिंधु जल संधि की बात करें तो जल संधि को स्थगित रखना अच्छी बात थी, लेकिन वास्तव में इसे लागू करना मुश्किल हो सकता है। और यहीं कहानी की असली कहानी है। अब ऐसी खबरें हैं कि भारत बगलिहार बांध का उपयोग करके चिनाब नदी के प्रवाह को रोकने का प्रस्ताव रखता है। चिनाब एक पश्चिमी नदी है और संधि के तहत भारत केवल कुछ सीमित तरीकों से इसका उपयोग कर सकता है। यह एक रन-ऑफ-द-रिवर परियोजना है, जिसका अर्थ है कि केवल सीमित उपयोग। बगलिहार में 900 मेगावाट क्षमता का पनबिजली स्टेशन है। लेकिन इसकी भंडारण क्षमता सीमित है। ट्रे को अलग रखना और इसके पानी को मोड़ना वास्तव में पाकिस्तान की नस को काटना हो सकता है। देश अपने अस्तित्व के लिए इन पानी के उपयोग पर पूरी तरह से निर्भर है। लेकिन यह निर्णय आतंकवादी राज्य को तभी नुकसान पहुंचा सकता है जब पाकिस्तान में पानी का प्रवाह वास्तव में रुक जाये। इसका मतलब है कि भारत के पास इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए वास्तविक बुनियादी ढांचा और साधन होने चाहिए।

सिंधु जल प्रणाली की पश्चिमी नदियां, साथ ही भारत से होकर बहने वाली पूर्वी नदियां, गर्मियों के महीनों में भारी मात्रा में पानी प्राप्त करती हैं, जब ग्लेशियर और हिमालय के ऊपरी हिस्से पर अधिक तापमान होने लगता है। हिमालय की पिघलती बर्फ नदियों में लाखों क्यूसेक पानी छोड़ती है। भौगोलिक रूप से हिमालय को दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा शीतल जल भंडार माना जाता है, अन्य दो हैं दोनों ध्रुवीय क्षेत्र, उत्तरी ध्रुव और अंटार्कटिका। सर्दियों के महीनों में गिरने वाली और जमने वाली बर्फ, उपमहाद्वीप में इन गर्म महीनों में पिघलने लगती है।

सिंधु जल प्रणाली में छह नदियां हैं, पूर्वी नदियां, ब्यास, सतलुज और रावी ये भारत की ओर जाती हैं। सिंधु, झेलम और चिनाब पाकिस्तान के हिस्से में आती हैं। पश्चिमी नदियों को पिघलते हिमालय से भारी मात्रा में पानी मिलता है। लेकिन इन नदियों के ऊपरी इलाकों में पूरे मौसम में बढ़ते पानी को संग्रहित करने के लिए बहुत कम बुनियादी ढांचा उपलब्ध है। उन्हें रोके रखने से विनाशकारी बाढ़ आ सकती है और झरने के प्रवाह के विभिन्न स्तरों पर दबाव पड़ सकता है। इसके लिए बड़े पैमाने पर बुनियादी ढांचे के निर्माण की आवश्यकता होगी, जिसके लिए हाइड्रोलॉजिकल क्षमता और इंजीनियरिंग कौशल की आवश्यकता होगी।

हिंद की सेना का जवाब कि, 'हां तुम एक विफल राष्ट्र हो!'

- वर्षा भम्भाणी मिर्जा

पिछले दिनों पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान के आर्मी चीफ जनरल आसिम मुनीर का द्वि-राष्ट्रवाद के सिद्धांत का उल्लेख भी यही बताता है कि कैसे एक विफल राष्ट्र को जब-तब अपने किए-धरे को उचित बताने की नाकाम कोशिश करनी पड़ती है। इससे पहले मुनीर ने एक अन्य कार्यक्रम में कश्मीर को पाकिस्तान के 'गले की नस' बताया था।पाकिस्तान एक विफल राष्ट्र है क्योंकि इसका जन्म ही नफरत की बुनियाद पर हुआ है। अंग्रेजों से आजाद होते ही भारत का बंटवारा हुआ और मानवता ने जिस वीभत्स मंजर को देखा, उसकी मिसाल कम मिलती हैं। कई कलाकार, लेखक और पॉलिटिशियन मजहब के आधार पर बंटे पाकिस्तान में चले तो गए लेकिन उम्र भर सिर्फ हिंदुस्तान को ही याद करते रहे, अपने दोस्तों से मिलने के लिए तड़पते रहे जैसे उन्हें यह अहसास हो गया था कि गलती हो चुकी है और समय का पहिया अब पीछे नहीं खींचा जा सकता। जो लिख सकते थे, उनके शब्दों में यह दर्द बयां हुआ और बाकी अपने दिलों में इस टीस के साथ जिंदा रहे। मशहूर और बेहतरीन कहानीकार सआदत अली हसन 'मंटो'(दो दिन बाद उनकी सालगिरह है) उन्हीं में से एक थे। उन्होंने विभाजन के समय हुए दंगों की त्रासदी को भीतर तक उतारा और फिर पन्नों पर। 'टोबा टेकसिंह' और 'खोल दो' उनकी ऐसी ही महान रचनाएं हैं। मंटो दोस्तों को अक्सर लिखा करते थे कि, च्यार मुझे वापस बुला लो!ज उन्होंने खुदकुशी की कोशिश भी की थी।वे बहुत कम (43 साल) जी पाए। जैसे चिंता और जीवन का कोई गहरा रिश्ता हो। यूं तो मंटो के बारे में कहने को इतना कुछ है कि मंटो पढ़ाई-लिखाई में कुछ खास नहीं थे, कि मंटो कॉलेज में उर्दू में ही फे ल हो गए थे, कि शायर फैज अहमद फर्ज मंटो से केवल एक साल बड़े थे, कि उन्हें भी चेखोव की तरह टीबी था, कि वे बेहद निडर थे, कि उनकी कई कहानियों पर अश्लीलता के मुकदमे चले और उनकी कहानियां तो बस इंसान को चीर के ही रख देती हैं। विभाजन से पहले के बॉम्बे में उनके किस्से-कहानियां फिल्म इंडस्ट्री की जान हुआ करते थे। बेशक मंटो का फिर पैदा होना मुश्किल है लेकिन अफसोस यह भी कि एक बेहतरीन कथाकार नफरत की भेंट चढ़ गया और असमय मौत की नींद सो गया। ऐसे ही एक शायर रईस अमरोही थे जो जॉन एलिया के बड़े भाई थे। वे भी बंटवारे को बर्दाश्त नहीं कर पाए। उनका परिवार उत्तर प्रदेश के अमरोहा का था जो 1947 में पाकिस्तान चला गया। उनकी मेटाफिजिक्स, ध्यान और योग पर कई किताबें प्रकाशित हुईं। उनका भी दिल केवल भारत के लिए धड़कता रहा। वे लिखते हैं-

हिन्द की बहारों, तुम को सलाम पहुंचे
बिछड़े हुए नजारों, तुम को सलाम पहुंचे
भारत के चांद तारों, तुम को सलाम पहुंचे
बरसों के बाद यारों तुम को सलाम पहुंचे
ये नामा-ए -मोहब्बत यारों के नाम ले जा
ओ हिंद जाने वाले मेरा सलाम ले जा।

उनकी ऐसी कई नज्मों का जिक्र और प्रकाशन विदेश सेवा के अधिकारी और सांसद रहे मणिशंकर अय्यर ने अपनी किताब 'पाकिस्तान पेपर्स' में किया है। रईस अमरोही की 1988 में एक कट्टरपंथी समूह ने उनकी लाइब्रेरी में ही हत्या कर दी। कट्टरपंथी केवल किसी धर्म के खिलाफ नहीं होते।

गीता विद्या मंदिर में मातृ गोष्ठी का आयोजन, माताओं ने दिए सुझाव

हरियाणा वाटिका/एकजोत
शाहाबाद मारकंडा, 09 मई। गीता विद्या मंदिर, शाहाबाद में आज मातृ गोष्ठी का आयोजन उत्साहपूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधानाचार्या व मातृ भारती संयोजिका निशा गोयल तथा नव-निर्वाचित पदाधिकारियों रजनी (अध्यक्ष), तेजिंदर कौर (उपाध्यक्ष), संतोष (सचिव), डोली (सह-सचिव) और नीलम (कोषाध्यक्ष) द्वारा दीप प्रज्ज्वलन व सरस्वती वंदना के साथ किया गया। कार्यक्रम में प्रधानाचार्या निशा गोयल ने सभी माताओं का स्वागत करते हुए परिचय सत्र का संचालन किया। उन्होंने विद्यालय में संचालित योजनाओं और आगामी शैक्षणिक नवाचारों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि शाहाबाद में पहली बार स्काउट-गाइड की शुरूआत गीता विद्या मंदिर में की गई है, जिसके लिए विद्यार्थियों का चयन भी हो चुका है। इसके अतिरिक्त उन्होंने डिजिटल लाइब्रेरी, सोलर पैनल की स्थापना तथा विद्यार्थियों के लिए जल्द शुरू होने वाले फ्रूट ब्रेक के बारे में भी विस्तार से बताया। उन्होंने माताओं से अपील की कि वे बच्चों को पौष्टिक आहार देकर विद्यालय भेजें। गोष्ठी में उपस्थित माताओं ने भी बेटियों से संबंधित समस्याएं सांझा की और विद्यालय के विकास के लिए रचनात्मक सुझाव भी दिए। सभी ने विद्यालय प्रशासन द्वारा लिए गए सकारात्मक कदमों की सराहना की। इस अवसर पर मातृ भारती प्रमुख सुमेधा रानी सहित रानी, मीनू, सीमा, प्रवेश, हर्ष, ममता, सरबजीत, गीता, परमजीत और रूबी जैसी सक्रिय माताएं मौजूद रहीं।

मातृ दिवस पर नृत्य, गीत और प्रतियोगिताओं द्वारा मातृ शक्ति को सम्मान

हरियाणा वाटिका/एकजोत
शाहाबाद मारकंडा, 09 मई। अल्पाइन पब्लिक स्कूल में मातृ दिवस के अवसर पर गीत गायन और नृत्य के साथ-साथ विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में स्कूल के विभिन्न कक्षाओं के विद्यार्थियों ने अपनी माताओं के प्रति सम्मान और स्नेह को प्रदर्शित किया।कार्यक्रम का आरंभ नृत्य और गीत गायन के द्वारा हुआ। कक्षा प्री-नर्सरी से लेकर कक्षा पांचवीं तक के विद्यार्थियों ने नृत्य के माध्यम से अपनी माताओं के प्रति भावनाएं व्यक्त की। वहीं कक्षा नवमी के विद्यार्थियों ने गीत-गायन की प्रस्तुति दी और कक्षा दसवीं की छात्रा ने भाषण के माध्यम से मां के महत्व को बताया। इसके अलावा कक्षा नर्सरी, के.जी., पहली और दूसरी कक्षाओं में कविता गायन और हैंडमेड बुके मेकिंग की प्रतियोगिता आयोजित की गई। कक्षा छठी से 12वीं तक के विद्यार्थियों के लिए कार्ड मेकिंग प्रतियोगिता रखी गई, जिसमें छात्रों ने अपने बनाए गए कार्ड्स से अपनी माताओं को सम्मानित किया। इस कार्यक्रम का एक और आकर्षक हिस्सा था कुकिंग विदाउट फ्लेम प्रतियोगिता, जिसमें विद्यार्थियों ने बिना आग के विभिन्न स्वादिष्ट व्यंजन बनाए। इसमें कुशाग्र सदन के विद्यार्थियों ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम में निर्णायक की भूमिका विद्यालय की प्रिंसिपल श्रीमती आरती अरोड़ा और अंजू ने निभाई। कार्ड मेकिंग प्रतियोगिता में कक्षा छठी से कक्षा बारहवीं तक के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया, जिनमें कक्षा छठी के अरनव और केशव, कक्षा सातवीं की जैस्मिन और सलोनी, कक्षा आठवीं की सिया और पूर्वी, कक्षा नौवीं की कृतिका और प्रशांत, कक्षा ग्यारहवीं की अमनप्रीत कौर और कक्षा बारहवीं की मोक्षिता ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। विद्यालय की प्रिंसिपल आरती अरोड़ा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि मातृ दिवस केवल एक दिन नहीं, बल्कि हर दिन मां के प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर होना चाहिए। उन्होंने बच्चों से कहा कि जिस तरह एक मां अपने बच्चों के लिए निस्वार्थ भाव से काम करती है, वैसे ही बच्चों का कर्तव्य है कि वे अपनी मां के मार्गदर्शन का सम्मान करें और अपने जीवन में सफलता प्राप्त करें। कार्यक्रम के समापन पर विजेता विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर स्कूल के सभी स्टाफ सदस्य भी उपस्थित थे।

दो युवक 4 हजार नशीली गोलियों सहित काबू

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार
सिरसा, 09 मई। सीआईए सिरसा पुलिस ने गश्त व चैकिंग के दौरान हुडा सेक्टर से दो युवकों को 4 हजार नशीली गोलियों सहित काबू किया है। सीआईए सिरसा प्रभारी सब इंस्पेक्टर प्रेम कुमार ने बताया कि थाना की एक पुलिस टीम गश्त व चैकिंग के दौरान शहर के हुडा सेक्टर की ओर जा रही थी। इसी दौरान पुलिस पार्टी को सामने से दो युवक अपने हाथों में प्लास्टिक के बैग लिए हुए आते दिखाई दिए। उक्त युवकों ने सामने पुलिस पार्टी को देखकर अचानक वापस मुडकर भागने का प्रयास किया। पुलिस पार्टी ने शक के आधार पर दोनों युवकों को काबू कर उनके हाथों में लिए प्लास्टिक बैग की नियमानुसार तलाशी ली तो उनके बैग से 4 हजार नशीली टपेंटाडोल गोलियां बरामद हुई है,जिन्हें युवा अक्सर नशे में प्रयोग करते है। आरोपियों की पहचान हरविंदर सिंह पुत्र रामकृष्ण कुमार निवासी जंडवाला जाटान व राहुल पुत्र राजेश कुमार निवासी ढाबा ढाणी जिला सिरसा के रुप में हुई है। उन्होंने बताया कि उक्त नशीली गोलियों को आगामी कार्रवाई हेतू ड्रग कंट्रोलर विभाग की टीम के हवाले की गई है।

महिला सशक्तिकरण की नई मिसाल बनी विंग कमांडर व्योमिका सिंह

सिंदूर ऑपरेशन को बयां करने वाली विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने देश और दुनिया का खींचा बापोड़ा की तरफ ध्यान

मनोज मलिक,भिवानी
'भाई, व्योमिका ने गांव बापोड़ा का नाम पूरी दुनिया में चमकाया दिया। भगवान ऐसी बहू-बेटी सबने दे। बहू ने यो भी जता दिया कि म्हारी बहू-बेटी की हिम्मत लडकों से कम कोनी। एक बात स बस, म्हारा दिल मजबूत होना चाहिए। पढ? वाली लड़कियों को मेहनत कर व्योमिका की तरह ही साहसी बनना चाहिए।' यह कहना है कि पाकिस्तान के नौ आतंकी ठिकानों को नेस्तनाबूद करने वाली भारतीय सेना की शौर्य दास्तां को बयां करने वाली वायुसेना विंग कमांडर व्योमिका सिंह की करीब 86 वर्षीय ताई सास रामदेई का। व्योमिका सिंह गांव बापोड़ा की बहू है, उनके पति दिनेश सभ्रवाल भी विंग कमांडर हैं। रामदेई से जब उनके घर जाकर उनकी बहू व्योमिका सिंह के बारे में बात की गई तो उनके चेहरे पर बनी उम्र की झुर्रियों पर एकाएक खुशी और मुस्कान आई। अपने भाव प्रकट करते हुए उन्होंने कहा कि उनको अपनी बहू पर गर्व है और बहुत खुशी महसूस हो रही है। भले ही आज वो हमसे दूर रह रही हों, लेकिन उनका आशीर्वाद हमेशा उन पर है। उन्होंने कहा कि आज सारे देश का ध्यान उनकी बहू की तरफ गया है। रामदेई के साथ-साथ गांव बापोड़ा में उनके घर में मौजूद व्योमिका सिंह की ननद सुमन और पूनम ने अपनी भाभी पर गौरव महसूस किया। उन्होंने कहा कि जब उन्होंने अपनी भाभी को टीवी पर बताते देखा तो उनकी खुशी का ठिकाना नही रहा।

उल्लेखनीय है कि सिंदूर ऑपरेशन के माध्यम से पाकिस्तान के नौ आतंकी ठिकानों को नेस्तनाबूद करने वाली भारतीय सेना की शौर्य दास्तां को बयां करने वाली विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने देश-दुनिया का ध्यान एक बार फिर से

फौजियों के गांव बापोड़ा की तरफ खींचा है। यह पूर्व थलसेना अध्यक्ष एवं मिजोरम के राज्यपाल जनरल वीके सिंह का गांव भी है। गांव बापोड़ा की बहू व्योमिका सिंह महिला सशक्तिकरण की एक नई मिसाल बनी हैं। न केवल परिजनों को व्योमिका सिंह पर नाज है बल्कि गांव बापोड़ा के साथ-साथ पूरा जिला भिवानी गौरवान्वित

महसूस कर रहा है।

यहां हम बताते चलें कि जम्मू कश्मीर के अनंतनाग जिले के पहलगाम हिल स्टेशन पर 22 अप्रैल को आतंकवादियों द्वारा पर्यटकों पर हमला किया गया था। आतंकियों ने कायराना हमले से 26 पर्यटकों की दर्दनाक मौत हो गई थी। इस आतंकवादी नरसंहार का बदला लेने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पूरा देश एकजुट हुआ। भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से छह मई की रात को भारतीय सेना ने अंतरराष्ट्रीय सीमा के 100 किलोमीटर अंदर घुसकर पाकिस्तान के नौ आतंकी ठिकानों को नेस्तनाबूद किया। भारतीय सेना द्वारा सिंदूर ऑपरेशन के माध्यम से की गई जवाबी कार्रवाई को देश व दुनिया के सामने न्यूज ब्रीफिंग के माध्यम से बताने वाली वायु सेना विंग कमांडर व्यामिका सिंह ने विशेषकर महिलाओं में जोश और ऊर्जा भरने का काम किया है।

गांव बापोड़ा के मूल निवासी जनरल वीके सिंह के सेनाध्यक्ष के रूप में पहुंचने पर गांव बापोड़ा को विशेष पहचान मिली थी। व्योमिका की बदौलत आज एक बार फिर से बापोड़ा का नाम लोगों की जुबां पर आया है।

जहां एक तरफ गांव बापोड़ा में व्योमिका सिंह के परिजन प्रफुल्लित हैं वहीं दूसरी ओर ग्रामीणों को अपनी भी नाज है। विंग कमांडर व्योमिका सिंह के परिजन डॉ. अशोक, ईश्वर सिंह और एडवोकेट रामौतार सभ्रवाल ने बताया कि उनके पूरे गांव में देशभक्ति का जज्बा है। उनके परिवार से व्योमिका व उनके पति दिनेश के साथ-साथ करीब दस लोग सेना में सेवाएं दे चुक हैं। विंग कमांडर व्योमिका के देवर विकास सभ्रवाल कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में राजनीति विभाग विभाग के विभागाध्यक्ष हैं। परिवार से दीपक सभ्रवाल एचसीएस अधिकारी हैं।

लोगों की जागरूकता के लिए सभी गांवों में स्थापित किए जा रहे हैं सायरन: डीसी

नागरिकों को किसी भी प्रकार से भयभीत होने की आवश्यकता नहीं

हरियाणा वाटिका/मनोज मलिक भिवानी, 09 मई। उपायुक्त महावीर कौशिक ने कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच फिलहाल बनी स्थिति के मद्देनजर सरकार के निदेर्शानुसार लोगों की जागरूकता के लिए जिला के सभी गांवों और शहरी क्षेत्र में सायरन स्थापित किए जा रहे हैं। जिलावासियों को किसी भी प्रकार से गंभराने व भयभीत होने की आवश्यकता नहीं है।

उपायुक्त श्री कौशिक शुक्रवार को अपने कैंप कार्यालय में अधिकारियों को जरूरी निर्देश दे रहे थे। उन्होंने बताया कि किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए जिला प्रशासन का आपदा प्रबंधन टीमों के साथ निरंतर संपर्क में है। इसके अलावा जिला प्रशासन द्वारा पुलिस के साथ-साथ होमगार्ड, एनसीसी, एनएसएस, नेहरू युवा केंद्र, रेडक्रॉस के वॉलंटियर की सूची तैयार की गई है। इसके साथ-साथ पूर्व सैनिकों का भी डाटा मांगा गया है ताकि जरूरत के समय उनकी सेवाएं ली जा सकें।

डीसी ने बताया कि नागरिकों की जागरूकता के लिए जिला के सभी गांवों और शहरी क्षेत्र में सायरन स्थापित किए जा रहे हैं। उन्होंने

बताया कि भिवानी शहर में लघु सचिवालय पर सायरन स्थापित कर दिया गया है। इसके अलावा शहर के बीचों-बीच स्थित सिटी थाना भवन पर भी सायरन स्थापित करवाया जाएगा। उन्होंने बताया कि जिले के सभी 312 गांवों में सायरन स्थापित करवाए जा रहे हैं। अधिकांश गांव में सायरन स्थापित किए जा चुके हैं।

सायरन स्थापित करने का मकसद लोगों को कोई भी जानकारी एक साथ देने का है। सायरन बजने पर कुछ जरूरी सावधानियां रखनी होती हैं। नागरिकों को सरकार द्वारा दी जाने वाली हिदायतों की पालना करनी होती है। जिलावासियों से अपील है कि वे किसी भी आपातकालीन स्थित या जरूरत के समय बजने वाले सायरन या ब्लैक आउट के दौरान हिदायतों की पालना करें और सरकार तथा प्रशासन का सहयोग करें।

इसके साथ ही उपायुक्त ने नागरिकों से अपील करते हुए कहा है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और स्वयं भी किसी प्रकार की भ्रामक बाते न फैलाएं। यह राष्ट्र की सुरक्षा का मामला है। प्रत्येक नागरिक का कत्र्तव्य बनता है कि वे राष्ट्र की सुरक्षा में अपना सहयोग दें। बैठक के दौरान पुलिस, आपदा प्रबंधन, होमगार्ड, पंचायती राज के अधिकारी मौजूद रहे।

यदि ब्लैकआउट की स्थित बनती है तो नागरिकों को निम्रलिखित विशेष एतिहात बरतने जरूरी होते हैं:-

- ब्लैकआउट की घोषणा होने/सायरन चालू होने पर गैस/बिजली के उपकरण बंद कर दें।
- ब्लैकआउट के दौरान नागरिक घर के अंदर रहें और खिड़कियों से दूर रहें। अगर आप गाड़ी चला रहे हैं तो अपने वाहन को सडक किनारे पर गाड़ी पार्क करें और लाइटें बंद कर दें। जहां हैं वहीं रहें और इधर-उधर न जाएं।
- अलर्ट के दौरान सभी इनडोर और आउटडोर लाइटें बंद कर दें। इन्वर्टर या वैकल्पिक बिजली आपूर्ति को डिस्कनेक्ट कर दें।
- बच्चों, बुजुर्गों और पालतू जानवरों की हर समय निगरानी की जाए।
- खिड़कियों के पास फोन या एलईडी डिवाइस का इस्तेमाल न करें।
- मोटे पर्दे का इस्तेमाल करें या खिड़कियों को कार्ड बोर्ड/पैनल से ढकें।
- व्हाट्सएप या सोशल मीडिया पर असत्यापित जानकारी न फैलाएं।
- अपनी प्रतिक्रिया स्थानीय आरडब्ल्यूए या प्रशासन के साथ साझा करें।
- अपने आस-पास के बच्चों या बुजुर्गों से बात करें।

सीमा की पुकार, रक्तदाताओं से आह्वान, 13 मई को केवल ड ग्रुप का विशेष कैंप

हरियाणा वाटिका/एकजोत
शाहाबाद मारकंडा, 09 मई। देश की सीमाओं पर मंडरा रहे युद्ध के बादलों के बीच जवानों और पीड़ित नागरिकों की सहायता हेतु हैल्पर्स शाहाबाद द्वारा एक विशेष आपातकालीन रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर 13 मई को देवी मंदिर, शाहाबाद में लगाया जाएगा, जिसमें केवल 'ड' ब्लड ग्रुप के रक्तदाताओं से रक्त संग्रह किया जाएगा। हैल्पर्स संस्था के प्रधान तिलकराज अग्रवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि यह शिविर सुबह 9 बजे से शाम 3 बजे तक आयोजित होगा। उन्होंने बताया कि देश पर अचानक उत्पन्न हुए संकट और युद्ध की संभावनाओं को देखते हुए, विशेषकर सीमावर्ती क्षेत्रों में तैनात भारतीय सैनिकों और वहां की जनता की जान बचाने के उद्देश्य से यह आपातकालीन पहल की गई है।अग्रवाल ने स्पष्ट किया कि यह रक्तदान शिविर पीजीआई चंडीगढ़ की टीम के सहयोग से संचालित होगा और एकत्रित रक्त को सीमावर्ती इलाकों में भेजा जाएगा, जहां इसकी तत्काल आवश्यकता हो सकती है। उन्होंने बताया कि ह्यडह्ल ग्रुप रक्तदाताओं की इस समय बहुत अधिक मांग है क्योंकि यह रक्त समूह सभी ब्लड ग्रुप्स को ट्रांसफ्यूज किया जा सकता है और आपातकालीन स्थितियों में इसे 'यूनिवर्सल डोनर' माना जाता है।तिलकराज अग्रवाल ने आम जनता से अपील करते हुए कहा कि यह समय सिर्फ बातें करने का नहीं, बल्कि देश के लिए कुछ कर दिखाने का है। जो लोग 'ड' ग्रुप से संबंधित हैं, वे आगे आएं और इस आपात स्थिति में अपने रक्त का दान देकर जवानों की जान बचाने में मदद करें।

डैफोडिलियंस ने मनाया मदर्स डे का जश्न

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो
इस्माईलाबाद, 09 मई। डैफोडिल पब्लिक स्कूल में विद्यार्थियों द्वारा मदर्स डे हर्षोल्लास से मनाया गया। बच्चों द्वारा मातृ स्नेह को प्रकट करने के लिए विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक नृत्य की प्रस्तुति दी गई। विद्यार्थियों ने एक लघु नाटिका के माध्यम से वर्तमान में घटने वाली घटनाओं का दृश्य चित्रण किया। बच्चों ने सुंदर गीतों के माध्यम से मां के प्रति समर्पण भावों को प्रकट किया। इस अवसर पर कक्षा ग्यारहवीं व बारहवीं के विद्यार्थियों के लिए भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें कक्षा बारहवीं से चेतन एवं ख्वाइश प्रथम, चैतन्य एवं सुखनीत द्वितीय तथा गौरवी एवं गुरलीन विर्क ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसी के साथ नर्सरी विंग के विद्यार्थियों के लिए नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें छोटे छोटे बच्चे रंगीन पोशाक में अत्यंत सुंदर नजर आए। इस अवसर पर बच्चों द्वारा विभिन्न कला गतिविधियों जैसे पर्स मेकिंग, बुके एवं कार्ड मेकिंग, पोस्टर मेकिंग, स्टोन पेटिंग के माध्यम से अपनी माताओं के लिए सुंदर गिफ्ट तैयार किए गए। फादर सर पीएल कोचर ने बच्चों को माता पिता के प्रति निरंतर सेवा एवं आदर भाव रखने की प्रेरणा दी और कहा कि हमारा हर दिन मां को समर्पित है। प्रधानाचार्य ज्योति कोचर ने बच्चों को अपने माता पिता का कहना मानने तथा मां के प्रति अटूट प्यार बनाए रखने के लिए प्रेरित किया।

नारकोटिक्स कण्ट्रोल ब्यूरो द्वारा नशे के विरुद्ध अभियान चलाकर किया जागरूक

हरियाणा वाटिका/नीतीश जोगी
रादौर, 09 मई। राह्लय नारकोटिक्स कण्ट्रोल ब्यूरो के पुलिस महानिदेशक ओपी सिंह, के दिशानिदेर्शों एवं पुलिस अधीक्षक मोहित हांडा और पुलिस अधीक्षक पंखुड़ी कुमार के नेतृत्व में नशे के विरुद्ध विभिन्न प्रकार के प्रकल्पों के माध्यम से लोगों को जागरूक करने का अभियान चलाया गया है। ब्यूरो द्वारा न केवल शहरों अपितु गाँव गाँव तक नशे के विरुद्ध प्रचार प्रसार किया है। इनमें मुख्य रूप से गाँव गाँव तक जागरूकता कार्यक्रम, नून लौटा, नुक्कड़ नाटक, बकेट चैलेंज और हृदय परिवर्तन के द्वारा

लोगों को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। हरियाणा राह्लय नारकोटिक्स कण्ट्रोल के जागरूकता कार्यक्रम एवं पुनर्वास प्रभारी उप निरीक्षक डॉ. अशोक कुमार वर्मा रादौर पहुंचे और नशे के विरुद्ध विभिन्न स्थानों पर जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत बकेट चैलेंज के माध्यम से लोगों को नशे के विरुद्ध जागरूक किया। उन्होंने कहा कि सरकार हर प्रकार से नशा मुक्त समाज निर्माण करने में जुटी हुई है। सबको मिलकर इस अभियान को सफल बनाना होगा। उन्होंने बताया कि आज भारत माता के वीर पुत्र वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप जयंती है। हमें उनके जीवन से देश प्रेम की शिक्षा लेनी चाहिए। उन्होंने बताया कि सभी ग्रंथों में लिखा है नशा मनुष्य के जीवन के लिए विष के समान है। नशा मुक्त अभियान को सफल बनाने के लिए सभी को सहयोग करना होगा।

स्प्रिंगडेल पब्लिक स्कूल में स्टीम पर कार्यशाला का आयोजन

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो
इस्माईलाबाद, 09 मई। स्प्रिंगडेल पब्लिक स्कूल में एसटीइएम (विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित) विषय पर एक महत्वपूर्ण कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में जिला कुरुक्षेत्र के विभिन्न स्कूलों के 43 शिक्षकों ने हिस्सा लिया और एसटीइएम के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की। कार्यशाला के मुख्य अतिथि तरुण कुमार हेड ऑफ उत्कृष्टता केंद्र और जॉइंट सेक्रेटरी पंचकूला रहे। उन्होंने अपने संबोधन में एसटीइएम के महत्व पर प्रकाश डाला और बताया कि कैसे यह विषय छात्रों के भविष्य के लिए अत्यधिक महत्वपूर्ण है। स्कूल के प्रबंधक नरेश शर्मा ने कहा कि एसटीइएम शिक्षा के क्षेत्र में एक नए युग की शुरूआत कर रहा है और इससे छात्रों को भविष्य में विभिन्न क्षेत्रों में अवसर प्राप्त होंगे।

सीबीएलयू में विद्यार्थियों ने खून से पत्र लिखकर किया रोष प्रदर्शन

रिजल्ट में जीरो नंबर देने पर एनएसयूआई के नेतृत्व में विद्यार्थियों ने किया प्रदर्शन, खून से लिखा पत्र

हरियाणा वाटिका/मनोज मलिक भिवानी, 09 मई। स्थानीय चौ. बंसीलाल विश्वविद्यालय द्वारा जारी किए रिजल्ट पर एनएसयूआई के बैनर तले विद्यार्थियों ने सवाल उठाते हुए खून से पत्र व पोस्टर लिखे। एनएसयूआई के जिला अध्यक्ष मनजीत लांग्यान व विद्यार्थियों ने विरोध जताते हुए कहा कि रिजल्ट में खामियां हैं और गलत तरिके से विद्यार्थियों को फेल किया जा रहा है। इस दौरान उन्होंने विश्वविद्यालय प्रशासन पर काम ना करने के आरोप लगाते हुए कार्यालय के बाहर पोस्टर भी लगाए।

एनएसयूआई के जिला प्रधान मंजीत लांग्यान ने बताया कि चौ. बंसीलाल विश्वविद्यालय द्वारा 2 दिन पहले प्रथम वर्ष का रिजल्ट का जारी किया था। पहले जो रिजल्ट जारी किया जाता था, उसमें जिस विद्यार्थी को 100 में से 40 नंबर होते थे, उसे पास कर दिया जाता। लेकिन अब जिस विद्यार्थी को 50-55 नंबर हैं, तो उसे भी रि-अपीयर दे रखा है। केवल 10 प्रतिशत बच्चों को ही पास किया गया है। पहले भी सीबीएलयू प्रशासन को अवगत करवाया था कि जो रिजल्ट ब्रांच है, वह खराब है। बच्चों को परेशान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि विरोध स्वरूप आज खून से पोस्टर व पत्र लिखे हैं। सीबीएलयू में डिग्री व डीएमसी भी समय पर नहीं मिलती। जिसके कारण घरवालों से भी डांट सुननी पड़ती है। यहां तक कि विद्यार्थियों को रहने के लिए होस्टल की सुविधा भी नहीं है और छात्र-छात्राएं काफी दूर से आती हैं। यहां आने के लिए बस की सुविधा भी नहीं है। सीबीएलयू प्रशासन तानाशाही चलाना चाहता है। उन्होंने कहा कि यूनिवर्सिटी प्रशासन बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ कर रहा है और यूनिवर्सिटी प्रशासन का कॉलेज के प्रशासन से कोई तालमेल नहीं बैठ रहा है उन्होंने कहा कि अगर बच्चों की समस्याओं को जल्दी ठीक नहीं करवाया गया तो वह मई महीने में एक बड़ा प्रदर्शन कर भूख हड़ताल शुरू कर देंगे।

महिला कॉलेज बवानीखेड़ा की छात्रा पलकी ने बताया कि वे रि-अपीयर के फार्म के लिए यहां आई थी। एक ही सब्जेक्ट में रि-अपीयर दिया जा रहा है।

यहां तक कि अनुपस्थित दिखाया जा रहा है। किसी को 2 नंबर से तो किसी को 4 नंबर से फेल किया जा रहा है। सीबीएलयू प्रशासन द्वारा समय-समय पर बच्चों से किसी-न-किसी बहाने से पैसे मांगते रहते हैं। बच्चे पैसे कहां से लेकर आएं। पूरी सीट भरने के बाद भी जीरो नंबर दिए जा रहे हैं। अधिकारियों से भी मिले, लेकिन समय ही देकर भेज देते हैं। समाधान नहीं हो रहा। रि-अपीयर के फार्म भरने का दबाव बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि डीएमसी समय पर नहीं आती है और यहां आने-जाने की भी कोई व्यवस्था नहीं है।

वैश्य कॉलेज से बीए प्रथम वर्ष के छात्र दीपक ने कहा कि 10 में से 5 सब्जेक्ट में रि-अपीयर दे रखा है। 8-8 घंटे पढ? व 25 सीट भरने के बाद भी जीरो-जीरो नंबर आ रहे हैं। अगर तुक्का मारें तो भी नंबर आ जाएं। क्या हमने इतनी मेहनत के बाद एक नंबर का भी पेपर नहीं किया। अगर सीबीएलयू को पैसे लेने हैं तो वैसे ही ले लें। विद्यार्थियों को रि-अपीयर के नाम पर क्यों परेशान किया जा रहा है।

इस अवसर पर मोनिका, मनीष, ममता, रीतू, प्रियंका, प्रिया, रमित, सरोज, मनदीप, हरिदास मेहरा, वसीम, दीपक, नवीन, प्रविंद्र कटारिया, सुखविंद्र सिंह, नवीन दिनोदिया, संजू, रिंकू, दीपक, नसीब, शिवा, रामअवतार, वर्षा, सविता, मोनिका, कोमल, मनीषा, मनजीत, मोनिका, कुसुम, मीनाक्षी, संगीता, प्रीति, पूजा, पूनम, मनिका, निगम, कविता, सपना, सीमा, तमन्ना, उज्जवल, आस्था, पिंकी सहित अनेक विद्यार्थी मौजूद रहे।

किसी भी स्थिति से निपटने के लिए जिला प्रशासन ने की एहतियातन तैयारियां

प्रत्येक गांव में पटवारी व ग्राम सचिव की लगाई ड्यूटी, सरकार की ओर से जारी सूचना पर तुरंत होगी कार्रवाई

हरियाणा वाटिका/विकास कुमार कैथल, 09 मई। डीसी प्रीति ने बताया कि जिले में स्थिति पूरी तरह से सामान्य एवं शांतिपूर्ण है। किसी भी तरह से घबराने की आवश्यकता नहीं है। प्रशासन द्वारा सायरन आदि बजाकर ट्रायल आदि किए जा रहे हैं, ब्लैक आउट किए जा रहे हैं, ये सब एहतियातन तैयारियां हैं, ताकि जरूरत पड़ने पर पुख्ता इंतजाम रहें। आमजन सचेत रहे। किसी भी तरह की अफवाह आदि न फैलाएं और न ही इन पर विश्वास करें। यदि कोई व्यक्ति अफवाह फैलाते हुए पाया जाता है तो उसकी सूचना कंट्रोल रूम में दिए गए टोल फ्री नंबर 18001801332 पर दें। जिलावासी अनावश्यक रूप से यात्रा पर घरों से बाहर न निकलें।

ऑपरेशन सिंदूर को लेकर जारी हालात के मद्देनजर डीसी प्रीति ने बताया कि किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए जिला प्रशासन द्वारा बारीकि से एहतियातन तैयारियां की जा रही हैं। गांव व शहरों में जरूरत पड़ने पर फौरन

राहत एवं बचाव कार्यों के लिए कर्मचारियों व अधिकारियों की ड्यूटी लगा दी गई है। सभी एसडीएम को जहां उपमंडल स्तर पर बैठक लेकर एहतियातन तैयारियों को पुख्ता करने के निर्देश दिए गए हैं, वहीं गांवों में हर गांव में पटवारी या ग्राम सचिव की ड्यूटी लगाई गई है। जो सरकार द्वारा जारी सूचनाओं के अनुसार तुरंत काम शुरू करवाएंगे। गांवों में पूर्व सैनिकों की भी ड्यूटी लगाई गई है। इसके अलावा शहर व गांवों में समाजसेवी संस्थाओं के साथ तालमेल बैठाते हुए आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। इसके अलावा जिले के सभी शहरों व गांवों में सायरन या फिर साउंड सिस्टम का प्रबंध किया जा रहा है। इनमें पहले से धार्मिक स्थलों पर लगे साउंड सिस्टम हों, या किसी अन्य उद्देश्य से लगाए गए साउंड सिस्टम हों, सभी का जरूरत पड़ने पर प्रयोग किया जा सके, ऐसी एक योजना तैयार कर ली गई है। जिले में जरूरत पड़ने पर एंबुलेंस, दमकल की गाड़ियां, जेसीबी, क्रेन व अन्य आपात स्थिति में जरूरत के आवश्यक उपकरणों की एक सूची तैयार कर ली गई है। समाजसेवी संस्थाओं की सूची तैयार करते हुए उनके साथ सामजस्य बनाया जा रहा है। 24 घंटे इन तैयारियों की मॉनिटरिंग की जा रही है। सभी एसडीएम अपने-अपने क्षेत्र में डीएसपी व अन्य विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक कर स्थिति पर नजर रखे हुए हैं।

डीसी ने जिले में सभी मार्केट एसोसिएशन व दुकानदारों से अपील करते हुए कहा कि वे अपनी दुकानों के बाहर लगाए गए एलईडी, साइन बोर्ड को कुछ दिनों के लिए नियमित तौर पर बंद कर दें, ताकि रात के समय यदि ब्लैक आउट की जरूरत हो जाए तो दुकानें बंद होने पर कोई परेशानी न आए।

देशभक्ति गीतों और पंजाबी गीत पर वेस्टन डांस की दी प्रस्तुति

हरियाणा वाटिका/एकजोत

कुरुक्षेत्र, 09 मई। अक्षरा इंटरनेशनल स्कूल पिहोवा में वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की जयंती धूमधाम से मनाई गई।

स्कूल चेयरपर्सन पूनम काहड़ा ने बच्चों को महाराणा प्रताप के जीवन पर जानकारी देते हुए बताया कि वे एक महान योद्धा थे और वीरता व साहस के प्रतीक थे। उनके त्याग और बलिदान को कभी बुलाया नहीं जा सकता। उन्होंने बताया कि महाराणा प्रताप का सम्पूर्ण जीवन संघर्षमय रहा। इसलिए वे त्याग, बलिदान और धर्म रक्षा के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने मातृभूमि और धर्म की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। जब महाराणा प्रताप मुगलों से युद्ध कर रहे थे, तो महाराणा प्रताप व उनका घोड़ा चेतक बुरी तरह से जख्मी हो गए थे। अपने मालिक की जान बचाने के लिए चेतक बहुत बड़ी खाई से भी कूद गया और इस तरह से उसने अपने मालिक के प्राणों की रक्षा की और अपने प्राणों का बलिदान दिया। इससे यह प्रमाणित होता है कि वह अपने मालिक के प्रति काफी वफादार था। हर बच्चे को महाराणा प्रताप के जीवन से शिक्षा लेनी चाहिए और अपनी मातृभूमि व धर्म की रक्षा के लिए हमेशा तत्पर रहना चाहिए ॥ एमडी जन्नत काहड़ा ने भी महाराणा प्रताप की प्रतिमा पर पुष्प चढ़ा कर श्रद्धांजलि दी। प्रिंसिपल सुबह मैथ्यू ने बताया कि महाराणा प्रताप की जयंती के साथ-साथ स्कूल में आज बच्चों द्वारा इन्वेस्टीचर सेरेमनी का भी आयोजन किया गया। इस अवसर पर स्कूल में हेड बॉय, हेड गर्ल तथा अन्य हाउस के कप्तान तथा वाइस कप्तान चुने गए। कार्यक्रम की शुरूआत गणेश व सरस्वती वंदना से की गई और महाराणा प्रताप के जीवन पर एक नाटक भी प्रस्तुत किया गया। बच्चों ने देशभक्ति गीतों और पंजाबी गीत वेस्टन डांस की सुंदर प्रस्तुति दी।

बाइक सवार युवक 8.8 ग्राम कोकीन सहित काबू

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार

सिरसा, 09 मई। एंटी नारकोटिक्स सेल पुलिस ने गश्त व चैकिंग के दौरान मंडी डबवाली से एक युवक को करीब 08 ग्राम 800 मिलीग्राम कोकीन सहित काबू किया है।

एंटी नारकोटिक सेल प्रभारी निरीक्षक गजराज ने बताया कि एएसआई राजेंद्र सिंह पुलिस पार्टी के साथ गश्त व चैकिंग के दौरान डबवाली में रेलवे फाटक के पास मौजूद थे। इस दौरान गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि आरजु पुत्र राजेश कुमार मनचंदा बाइक पर सवार होकर मौका पर बेदी फैशन हाउस वाली गली में खड़ा है। जिसके पास कोकीन है। सूचना को सही मानकर व साथी कर्मचारियों को अवगत करवाकर तुरंत बेदी फैशन वाली गली में पहुंचकर गली मे खड़े युवक को बाइक सहित काबू करके तलाशी ली तो आरोपी की जेब से पारदर्शी पन्नी कोकीन सहित बरामद हुई। आरोपी युवक की पहचान आरजु पुत्र राजेश कुमार मनचंदा निवासी नजदीक पंजाबी धर्मशाला कॉलोनी रोड मंडी डबवाली के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि आरोपी के खिलाफ थाना शहर में मादक पदार्थ अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर कार्यवाही की गई है।

948 नशीली गोलियां, कैप्सूल व एक एमटीपी किट के साथ दो काबू

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार

सिरसा, 09 मई। एंटी नारकोटिक्स सेल डबवाली पुलिस ने औषधि नियंत्रक अधिकारी को साथ लेकर डबवाली से 948 नशीली गोलियां व कैप्सूल के साथ आरोपी कमल उर्फ सुखबिंद्र सिंह पुत्र गुरदीत सिंह निवासी गांव लोहगढ़ हाल सुंदर नगर मंडी डबवाली व एमटीपी किट के साथ आरोपी सुखवीर सिंह पुत्र प्रेम दास निवासी किलियांवाली जिला मुक्तसर पंजाब को काबू किया है।

एंटी नारकोटिक्स सेल डबवाली प्रभारी इंस्पेक्टर गजराज सिंह ने बताया कि एएसआई रणजोध सिंह ने सुंदरनगर मंडी डबवाली से आरोपी सुखवीर सिंह पुत्र प्रेम दास को एक एमटीपी किट के साथ काबू किया था। आरोपी ने बताया कि वह यह किट आरोपी कमल उर्फ सुखबिंद्र से लेकर आया है। ड्रग इंस्पेक्टर को साथ लेकर कमल के घर पर जाकर चेक किया तो उसके पास से 150 कैप्सूल सिग्मा व 150 गोलियां जेक्डोल की व 648 गोलियां खुली हैं जो बिना नाम पता की हैं, मिली। आरोपियों के खिलाफ थाना शहर में मामला दर्ज कर कार्यवाही की गई है। आरोपियों सुखवीर सिंह व सुखविंद्र सिंह को अदालत में पेश करके पुलिस रिमांड पर लेकर गहनता से पूछताछ की जाएगी।

जिला प्रशासन ने दो कंट्रोल रूम किए स्थापित, 24 घंटे तैनात रहेंगे कर्मचारी

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार

सिरसा, 09 मई। जिला प्रशासन की ओर से जिला स्तर पर दो कंट्रोल रूम स्थापित किए गए हैं। ये कंट्रोल रूम आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित प्रतिक्रिया देने व नागरिकों को सही जानकारी देने के उद्देश्य से स्थापित किए गए हैं।

उपायुक्त शांतनु शर्मा ने बताया कि जिला स्तर पर कंट्रोल रूम को लघु सचिवालय के कमरा नंबर 18 में स्थापित किया गया है, जिसका दूरभाष नंबर 01666-248882 है। इसी प्रकार सिविल डिफेंस से संबंधित दूसरा कंट्रोल रूम पुलिस अधीक्षक कार्यालय के कमरा नंबर 11 में स्थापित किया गया है, जिसका दूरभाष नंबर 01666-247251 और 01666-248101 हैं। इन कंट्रोल रूम में 24 घंटे कर्मचारियों की ड्यूटियां रहेगी। उन्होंने आमजन से अपील की कि वे किसी भी तरह की अफवाहों से बचें और केवल आधिकारिक सूचनाओं पर ही भरोसा करें। किसी भी आपात स्थिति में इन कंट्रोल रूम से संपर्क किया जा सकता है।

पोक्सो एक्ट के तहत 20 साल की सजा

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार

सिरसा, 09 मई। एडिशनल सेशन जज डॉ. नरेश कुमार सिंघल की स्पेशल फास्ट ट्रेक कोर्ट ने पोक्सो एक्ट के एक मामले में दोषी को 20 साल का कठोर कारावास और 50 हजार रुपए जुमार्ने की सजा सुनाई है। सदर थाना डबवाली पुलिस ने गांव अलीकां निवासी चादत सिंह उर्फ निक्का सिंह पुत्र राज सिंह के खिलाफ 18 मई 2021 को भारतीय दंड संहिता की धारा 120बी, 212, 363, 366ए, 376(2), 376(3) व पोक्सो एक्ट की धारा 6 के तहत मामला दर्ज किया है। निक्का सिंह पर एक नाबालिगा को अगवा किए जाने के आरोप में मामला दर्ज किया गया था। पुलिस ने लापता नाबालिगा को बरामद किया। मेडिकल जांच में उसके गर्भवती होना पाया गया। ऐसे में आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म का मामला दर्ज किया गया। पुलिस की ओर से मामले में गवाह और अकाटय साक्ष्य प्रस्तुत किए गए। अदालत ने चादत सिंह को दोषी पाया। जिसके बाद उसे आज सजा सुनाई गई।

अरमान हेड ब्वाय व भारती हेड गर्ल चुनी गई

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

इस्माईलाबाद, 09 मई। मनीष पपनेजा मेमोरियल पब्लिक स्कूल में दायित्व ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें पहले से 12वीं कक्षा तक के योग्य विद्यार्थियों को उनकी योग्यता के अनुसार विभिन्न पद वितरित किए गए। समारोह के आरंभ में मुख्य अतिथि एवं स्कूल प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष जगदीश पपनेजा, अंकुर, रजनीश पपनेजा, लेहा पपनेजा एवं स्कूल की प्रधानाचार्य रचना बत्रा ने स्कूल प्रधान छात्र अरमान एवं भारती, अनुशासन प्रभारी ईशमन सिंह एवं तनीषा, खेल प्रभारी गुरविंदर सिंह एवं गुरशरण, सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रभारी अक्ष राणा एवं जपलीन कौर, सफाई प्रभारी गुरप्रीत एवं रितु, वर्दी प्रभारी अमरिंदर सिंह एवं केशवी एवं सभी कक्षाओं के मॉनिटरों को अपने कर्तव्य पूरी निष्ठा एवं लगन के साथ निभाने की शपथ दिलवाई गई।

ज्यादा से ज्यादा बच्चों को लेना चाहिए खेलों में भाग--ऐसे आयोजनों से खिलाड़ियों में खेलों के प्रति उत्साह व प्रतिस्पर्धा:- विधायक सतपाल जांबा

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय टयोंठा के खिलाड़ियों को मिला नकद पुरस्कार, खेल प्रतिभाओं का हुआ भव्य सम्मान

हरियाणा वाटिका/विकास कुमार

कैथल, 09 मई। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय ट्योंठा में आयोजित एक सम्मान समारोह में विभिन्न खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। विधायक सतपाल जांबा ने बतौर मुख्यातिथि खिलाड़ियों का हौंसला बढ़ाने के लिए व्यक्तिगत रूप से 11 हजार रुपये की नकद राशि देकर उनका उत्साहवर्धन किया। विधायक ने अपने संबोधन में कहा कि यह आयोजन न केवल विद्यालय की खेल उपलब्धियों को मान्यता देने वाला रहा, बल्कि इससे विद्यार्थियों में खेलों के प्रति उत्साह और प्रतिस्पर्धा की भावना को भी बल मिलता है। टयोंठा जैसे ग्रामीण विद्यालयों से निकलकर जब विद्यार्थी राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शन करते हैं, तो यह पूरे क्षेत्र के लिए गौरव की बात होती है। यह पुरस्कार उनके समर्पण और मेहनत का सम्मान है। उन्होंने कहा कि ज्यादा से ज्यादा बच्चों को खेलों में भाग लेना चाहिए, ताकि वह अपने देश व प्रदेश का नाम रोशन कर सकें।

कार्यक्रम में खिलाड़ियों का सामाजिक और पंचायत स्तर पर भी सम्मान किया गया गया है। पंचायत डुलियाणी ने खिलाड़ियों को 5100 रुपये प्रति खिलाड़ी नकद राशि भेंट की। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय टयोंठा ने भी अपनी ओर से प्रत्येक खिलाड़ी को 2100 रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की। सोहन सिंह, रजनी बाला और जगदीश जैसे सामाजिक व्यक्तियों तथा पंचायत ट्योटा ने भी नकद राशि देकर सम्मानित किया।

विद्यालय के प्रधानाचार्य और खेल विभाग ने इस सम्मान समारोह को विद्यालय के इतिहास का स्वर्णिम पल बताया। प्रधानाचार्य ने कहा कि हमारे विद्यालय के छात्र न केवल शिक्षा में, बल्कि खेलों में भी शीर्ष स्तर पर पहुंच रहे हैं। ऐसे सम्मान समारोह से बच्चों का आत्मबल और लक्ष्य के प्रति प्रतिबद्धता दोनों बढ़ती हैं। सम्मानित खिलाड़ियों ने मंच से अपने अनुभव सांझा किए और बताया कि कैसे स्कूल, परिवार और समाज के सहयोग ने उन्हें इस मुकाम तक पहुँचाया। खिलाड़ियों ने भविष्य में राष्ट्रीय और अंतराष्ट्रीय स्तर पर खेलने की इच्छा भी व्यक्त की।

ऑप्रेशन सिंदूर: प्रशासन ने जारी किया अलर्ट

नागरिक अस्पताल में अतिरिक्त बेडों की व्यवस्था के निर्देश। डॉक्टर, नर्सिंग स्टाफ, पैरामेडिकल स्टाफ की टीमें गठित। आईएमए ने सहयोग के लिए बढ़ाए हाथ। मुनादी करवा गांववासियों को किया जा रहा जागरूक। पुलिस ने जारी की एडवाइजरी, अफवाहों से बचें

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार

सिरसा, 09 मई। पहलगाम हमले के बाद भारत-पाकिस्तान के बीच लगातार जारी हमलों को देखते हुए प्रशासन ने अलर्ट जारी कर दिया है। एमरजेंसी में स्वास्थ्य विभाग की अहम भूमिका को देखते हुए नागरिक अस्पताल को भी अलर्ट रहने के आदेश दिए गए हैं। नागरिक अस्पताल में 50 मरीजों के लिए अतिरिक्त व्यवस्था की गई है तथादवा, वेंटिलेटर और मेडिकल उपकरण का बफर स्टॉक भी बनाया गया है। इसके अलावा डॉक्टर, नर्सिंग स्टाफ और पैरामेडिकल स्टाफ की भी टीम गठित की गई है। नागरिक अस्पताल के पीएमओ डॉ. पवन कुमार ने बताया कि अस्पताल की ओर से पूरी व्यवस्था कर ली गई है। कोई भी मरीज बिना इलाज नहीं रहने दिया जाएगा। हमने 50 मरीजों के लिए बफर स्टाफ रख दिया है। वेंटिलेटर, दवा एवं अन्य मेडिकल उपकरणों का अतिरिक्त प्रबंध कर लिया है, ताकि इमरजेंसी में काम आ सके। सभी स्टाफ को अलर्ट कर दिया गया है। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन की सिरसा इकाई भी समर्थन कर स्वास्थ्य विभाग के सहयोग में उतर गई है। आईएमए के बताया कि शहर के सभी प्राइवेट अस्पतालों में भी पूरी व्यवस्था रहेगी। इमरजेंसी में उपकरण, दवा आदि इस्तेमाल की जा सकेगी।

नागरिक अस्पताल में लगाया एच लोगोः

नागरिक अस्पताल की बिल्डिंग पर एच यानी मेडिकल संबंधित लोगो लगाया गया, ताकि मरीजों को ध्यान में रखते हुए कोई हमला न करे। इस लोगों के माध्यम से रात्रि को भी पता लग सकेगा कि यहां पर अस्पताल है तथा यहां पर मरीजों का इलाज किया जाता है।

नगर परिषद को भी किया अलर्टः

शहर में नगर परिषद को भी पूरी तरह से अलर्ट रहने के आदेश जारी कर दिए गए हैं। प्रशासन ने ब्लैक आउट जैसी स्थिति के लिए स्ट्रीट लाइटों को लेकर कंट्रोल करने, रात को भी सभी स्ट्रीट लाइटें बंद करने की व्यवस्था सुचारू व्यवस्था के लिए नगर परिषद को अतिरिक्त सतर्कता बरतने के आदेश दिए गए हैं।चेयरमैन वीर शांति स्वरूप ने कहा कि हमने सभी को अलर्ट मैसेज जारी कर दिया है। शहर में वार्ड पार्षद अपने-अपने वार्ड और बाजारों में और गलियों में स्ट्रीट जहां पर लाइट लगी हैं, उसका बटन कृपया बंद कर दें या करवा दें।

मुनादी करवा आमजन को किया जा रहा जागरूकः

इधर, प्रशासन एवं ग्राम पंचायतों की ओर से गांवों में भी मुनादी करवाकर आमजन को जागरूक किया जा रहा है। ऐसे में आमजन को हमले के दौरान बचाव एवं व्यवस्था करने के बारे में बताया जा रहा है। प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि कोई भी अफवाह न फैलाएं और सोशल मीडिया पर अफवाह मैसेज जारी न करें, ताकि किसी तरह का हडकंप न मचें।

नागरिक घबराएं नहीं, सावधान रहेंः एसपी गुप्ता

जिला पुलिस की ओर से एडवाजरी जारी कर आमजन को आगाह करते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए है कि हवाई हमलों और अफवाहों के दौर में नागरिकों को घबराने की आवश्यकता नही है। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि हवाई हमलों के दौरान कुछ असामिजक तत्व सोशल मीडिया साइटों पर भ्रामक पोस्ट डालकर लोगों को गुमराह कर रहे है, इसलिए ऐसे लोगों द्वारा की गई पोस्ट पर विश्वास न करें। पुलिस अधीक्षक डॉ.मयंक गुप्ता ने आमजन से अपील करते हुए कहा कि ब्लैकआउट या आपातकालीन स्थिति के दौरान लाइट जलाना एक गंभीर उल्लंघन माना जा सकता है। लापरवाही व अनदेखी करने से न केवल व्यक्तिगत बल्कि सामूहिक सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है।

महत्वपूर्ण बातों का रखें ध्यानः

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि आपातकालीन स्थिति में घर का सुरक्षित कमरा चुनें जहां खिड़कियां न हो। हमले की स्थिति में यदि बाहर हों तो मजबूत ढांचे के पास लेट जाएं तथा तत्काल रिकॉडिंग या विडियो बनाने के लिए बाहर न दौड़े। उन्होंने कहा कि अपने साथ पहचान पत्र, जरुरी दवाइयां, पानी, सूखा खाना, मोबाइल चार्जर, फ्लैशलाइट, किट एक बैग में रखें जो तुरंत उठाकर निकला जा सके। मयंक गुप्ता ने कहा कि दिन में दो बार से ज्यादा खबरे न देखें। बॉक्स ब्रीदिंग करें, 4 सेकेंड सांस लें, सांस रोके, सांस छोड़े का बार-बार दोहराएं। पूजा पाठ करने में ध्यान लगाएं तथा बच्चों को डराने वाली बाते न बताएं उनके साथ खेलें पढाएं और कहानियां सुनाएं। अपने आसपास पड़ोसियों से संपर्क रखें तथा बुजर्गों की सहायता करें। किसी भी प्रकार की संदिग्ध वस्तु नजर आए तो तुरंत पुलिस को सूचित करें न की सोशल मिडिया पर डालें। फैक्ट चैक वेबसाइट से ही सत्यापन करें। उन्होंने कहा कि अपने भीतर डर को जगह न दें और हर समय ऊजार्वान रहें। रोज जीवन की एक चीज पर ध्यान दें जो आपको खुशी देरी है ,जैसे संगीत,खाना बनाना, किताबे या बच्चों के साथ समय बिताना। आप सैनिक नही हैं, लेकिन राष्ट्र की हिम्मत आप हैं। घबराएं नही सतर्क रहें,संगठित रहें, सकारात्मक रहें, सुरक्षित रहें।

आल हरियाणा पावर कापोर्रेशन वर्कर यूनियन की गेट मीटिंग आयोजित

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

बहल, 09 मई। शुक्रवार को आल हरियाणा पावर कापोर्रेशन वर्कर यूनियन सब डीविजन बहल ने गेट मीटिंग की और आगामी 20 मई को राष्ट्रीय स्तर हड़ताल में एकजुट हो शामिल होने व हड़ताल की वजह को विस्तार से यूनियन के सदस्यों को जानकारी दी। प्रदेश सीसी जेई विजय जांगड़ा की अध्यक्षता में संपन्न बैठक के बाद बहल सब यूनिट के प्रधान पंकज वैद ने बताया कि इस हड़ताल में एएचपीसी डब्ल्यू/यू बहल के तमाम सदस्य शामिल रहेंगे। जेई विजय जांगड़ा ने बताया कि यूनियन हड़ताल करने के कतई पक्ष में नहीं थी। लेकिन सरकार व विभाग की अधिकारी मौजूदा हालातो के आड़ में कर्मचारियों पर बेवजह व हितों को कचोटने वाले बिल व कर्मचारी विरोधी फैसले लागू करने पर उतारू है। विभाग बिजली को

निजी क्षेत्र में देने वाले पावर बिल को वापस लेने, मजदूर विरोधी लेबर कोड रद्द करने, न्यूनतम वेतन 26 हजार रूपए करवाने, बिजली सहित ऊर्जा क्षेत्र का ठेकाकरण व निजीकरण बंद करने, बिजली निगम के कार्यरत सभी प्रकार के कर्मचारियों को पक्का करने व कच्चे कर्मचारियों को सीनियरिटी पर से प्रमोशन और सर्विस के हिसाब से ग्रैजुवटी देने, कर्मचारियों को बिजली कालोनी में मकान उपलब्ध कराने जैसी सुविधा लागू करवाने, पुरानी पेंशन बहाल करवाने और जब तक बहाल नहीं होती तब तक एनपीएस से रिटायर कर्मचारियों को मेडिकल भत्ता मेडिकल बिलों का भुगतान किया जाने, हरियाणा कौशल रोजगार निगम के तहत बिजली निगम हटाए कर्मचारियों को वापस लेने, बिजली निगम में खाली पड़े पदों पर नियमित व नियमानुसार भर्ती करने, कर्मचारियों के आश्रितों पालिसी पर लगाई गई शर्तें हटाने, बिजली निगम में जोखिम भत्ता कर्मचारियों पर समान रूप से लागू करें, कर्मचारी मजदूर किसान व जन विरोधी नीतियां वापस लेने, 5 से ज्यादा कार्यरत महिलाओं के दफ्तरों में क्रश रूम व्यवस्था करवाने व महिलाओं को विशेष परिस्थितियों का ध्यान रखते हुए, काम के घंटे में छूट दी जाने और जनता को 24 घंटे सस्ती बिजली उपलब्ध कराने, बिजली उत्पादन क्षमता बढ़ाने और महंगाई पर रोक लगाने जैसी बात बैठक में की और ऐसे में कर्मचारियों के पास हड़ताल करने की सिवाय कोई रास्ता नहीं बचता। कर्मचारी व यूनियन मौजूदा परिस्थितियों में देश के साथ खड़ी है लेकिन अपने हितों के साथ हो रहे खिलवाड़ को भी सहन नहीं कर सकती। यदि समय रहते उनकी मांगों पर सहानुभूति पूरक विचार किया जाता है तो यूनियन इसका स्वागत करेगी।

जयप्रकाश मुकंदलाल इंजीनियरिंग कॉलेज में तकनीकी मेले का हुआ आयोजन

प्रतियोगिताओं में 19 प्रतियोगिताओं में छात्रों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया

हरियाणा वाटिका/नीतीश जोगी

रादौर, 09 मई। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस का भारत में महत्वपूर्ण ऐतिहासिक महत्व है। हर साल इस दिन देशवासी भारत के वैज्ञानिकों को उनकी उपलब्धियों के लिए सम्मान देते हैं। इस दिन को भारत की तकनीकी प्रगति की उपलब्धि के रूप में मनाया जाता है। दरअसल 1998 में देश ने पोखरण में परमाणु हथियारों का सफलतापूर्वक परीक्षण किया था। सेठ जयप्रकाश मुकंदलाल इंजीनियरिंग कॉलेज रादौर में तकनीकी मेले का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संस्थान के सभी विभागों के 971 छात्रों ने बढ़ चढकर भाग लिया। विभिन्न

विभागों द्वारा इस अवसर पर अनेक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिनका मुख्य उद्देश्य छात्रों में प्रतिस्पर्धी भावनाओं के संचार के साथ साथ शिक्षा के क्षेत्र में तकनीकी नवीनीकरण को लाना रहा। प्रमुख प्रतियोगिताओं में आर्मर एरिना, प्रोजेक्ट पैनोरमा, मिस्टर मैक, सर्किट गेसिंग, टर्बो क्लैश, टेक टॉक्स इत्यादि कुल 19 प्रतियोगिताओं में छात्रों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतिभागियों ने तकनीकी रूप से सुद्दढ़ बनने का प्रण लिया और अपने कौशल का मंचन किया। संस्थान द्वारा तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों का ब्यौरा देते हुए संस्थान के निदेशक डॉ एस के गर्ग ने बताया कि हम एक स्थायी भविष्य के निर्माण के लिए इनोवेशन पर जोर दे रहे हैं। टेक्नोलॉजी के इस दौर में मेमोरी और स्टोरेज समाधानों की मांग तेजी से बढ़ रही है, और हम इस उद्योग में इनोवेशन का नेतृत्व करने के लिए उत्साहित हैं। हम लगातार बदलाव की कोशिश में हैं। संस्थान के छात्रों को हमेशा यही सिखाया जाता है कैसे साथ मिलकर, आने वाली पीढि?ों के लिए एक उह्नजवल कल सुनिश्चित करते हुए, स्थायी प्रगति को चलाने के लिए प्रौद्योगिकी की क्षमता को अनलॉक करें।

भगवान का दूसरा रूप मां है: बी. एल. बत्रा

हरियाणा वाटिका/नंदकिशोर

रतिया, 09 मई। भारतीय निकेतन कॉन्वेंट स्कूल रतिया के प्रांगण मे मातृ दिवस बड़ी धूमधाम से मनाया गया इस अवसर पर स्कूल के प्रबंधक महोदय ने बच्चों को मातृ दिवस पर अनेक शुभकामनाएं दी अपने संबोधन में माताओं की महत्ता बताते हुए कहा कि माताएं हमारे जीवन में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने कहा कि माताओं का प्यार, समर्पण और बलिदान हमें जीवन में आगे बढ? के लिए प्रेरित करता है। विद्यालय के प्राचार्य सुनील कुमार व पुपिंदर कौर ने अपने संबोधन में माताओं के प्रति आभार व्यक्त किया और कहा कि माताएं हमारे जीवन को आकार देती है। हमें सही रास्ते पर चलने के लिए प्रेरित करती हैं। विद्यालय के अध्यापक मनजीत सिंह ने मां पर कोरियोग्राफी द्वारा मां और संतान के बीच प्यार के द्वारा माताओं की समाज में दी जाने वाली विशिष्ट सेवाओं को दशार्या गया जिनमें बच्चों ने अपनी माताओं के प्रति प्यार और सम्मान को व्यक्त किया। नृत्य अध्यापिका रजनी बंसल ने नन्हे मुन्ने बच्चे को अच्छी अच्छी कविताओं पर नृत्य करवाया। सर्वप्रथम नन्हे-मुन्ने बच्चों ने अपनी मां के प्रति प्यार दशार्ते हुए सुंदर प्रस्तुति दी, जिसे देखकर सभी माताएं भावुक हो गई। कार्यक्रम में गेम भी खिलाए गए, जिसमें माताओं ने अपने बच्चों के लिए उत्साह के साथ भाग लिया। बच्चों ने अपनी माताओं के लिए सुंदर-सुंदर कार्ड बनाए।इस मौके पर विद्यालय का समूह स्टाफ उपस्थित रहा।

अपैक्स समार्ट स्कूल में मनाया गया मातृ दिवस

हरियाणा वाटिका/नंदकिशोर

रतिया, 09 मई। स्थानीय मढ़ कॉलोनी स्थित अपैक्स समार्ट स्कूल में शुक्रवार को मातृ दिवस के उपलक्ष्य में छात्रों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी। छात्रों ने 'तू कितनी अच्छी है' गीत और 'तेरी उंगली पकड़ के चला' नृत्य प्रस्तुत किया। कविता पाठ ने कार्यक्रम को भावनात्मक बना दिया।स्कूल में विभिन्न कक्षाओं के लिए रचनात्मक प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। मैनेजमेंट प्रबंधक अशोक मदान ने मातृत्व की महिमा पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि मां के बिना जीवन की कल्पना अधूरी है। माता के प्रति प्रेम और जीवन में उनके द्वारा बच्चों के लिए किए कार्यों के बारे में बताया। प्रधानाचार्या सोनिया अरोड़ा ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि मां एक ऐसा शब्द है, जिसमें संपूर्ण सृष्टि की ममता, त्याग, प्रेम और बलिदान समाहित है। इसी मातृत्व की महानता को सम्मान देने और मां के प्रति अपने प्रेम और कृ कृतज्ञता को प्रकट करने के लिए हर साल मदर्स डे मनाया जाता है। यह दिन मां के प्रति हमारे प्रेम, सम्मान और समर्पण को व्यक्त करने का विशेष अवसर है।

विद्यालय प्रबंधक शैलेंद्र गोस्वामी ने मातृ दिवस के अवसर पर समस्त माताओं के प्रेम, बलिदान एवं त्याग को रेखांकित करते हुए कहा कि आज भी मां दुनिया का सबसे विश्वसनीय शब्द है। हम सभी को सदैव माता-पिताओं के प्रति समर्पण भाव रखना चाहिए। इस अवसर सोनिया मदान,ज्योतिकम्बोज,कुलवीर,पारुल,अंजलि,सोनिया कटारिया,बबीता,कमल,आदि मौजूद रहे।

अल्पाइन टॉप स्कूल, रतिया में मातृ दिवस हर्षोल्लास से मनाया गया

हरियाणा वाटिका/नंदकिशोर

रतिया, 09 मई। अल्पाइन टॉप स्कूल, रतिया में दिनांक 09 मई 2025 को मातृ दिवस बड़े ही उत्साह, उल्लास और भावनात्मक वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम का आयोजन विद्यालय परिसर में किया गया, जिसमें शिक्षकगण, अभिभावक और छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम की शुरूआत प्रार्थना से हुई, जिसके पश्चात स्वागत भाषण प्रस्तुत किया गया। प्रधानाचार्य जी. आर. पाटिल ने माताओं को सम्मानित किया और अपने प्रेरणादायक विचारों से सभी को संबोधित किया।इसके पश्चात विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों एवं मनोरंजक गतिविधियों की प्रस्तुतियाँ हुईं। गुब्बारा फोड़, स्लिप गेम (बेस्ट मॉम), चम्मच से मार्बल उठाना, बेबी पासिंग, अल्फाबेट तंबोला, एवं डांसिंग स्टैचू प्रतियोगिता जैसी मनोरंजक प्रतियोगिताओं में माताओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और माहौल को उत्सवमय बना दिया।छात्रों द्वारा प्रस्तुत कविताएँ, नृत्य, संगीत, एवं नाटक सभी के आकर्षण का केंद्र रहे। हर प्रस्तुति में बच्चों ने अपनी कला से दर्शकों का मन मोह लिया। विशेष रूप से माताओं के लिए आयोजित फैशन शो प्रतियोगिता ने कार्यक्रम में विशेष रंग भर दिया।शीनू गुप्ता ने मातृत्व अनुभव साझा करते हुए भावनात्मक वक्तव्य दिया। कार्यक्रम के अंत में प्रशासन प्रमुख बिंदु गुप्ता ने माताओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए प्रेरणादायक संबोधन दिया।कार्यक्रम का समापन अनुप्रिया प्रसाद के धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ।

भगवान दत्तात्रेय की कृपा से हो रही अमृत कथा में श्रद्धालुओं की मुराद पूरी : कटारिया

कटारिया ने प्राचीन भगवान दत्तात्रेय मंदिर में पूजा आरती कर की सुख समृद्धि की प्रार्थना

हरियाणा वाटिका/एकजोत
कुरुक्षेत्र, 09 मई। भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जाति जनजाति मोर्चा के पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार के सदस्य रहे सूरज भान कटारिया ने प्राचीन भगवान दत्तात्रेय थानेसर स्थित मंदिर में श्रीमद भगवान दत्तात्रेय महाराज जी की अमृत कथा महोत्सव के प्रथम दिवस में मुख्य अतिथि के रूप में कथा वाचक स्वामी शंकरानन्द महाराज से आशीर्वाद लिया। इससे पूर्व आज मातृ शक्ति ने नगर ने कलश यात्रा करके इस अमृत कथा की पवित्रता बंधन को निभाया, जिसमे मुख्य रूप से स्वामी हरिनारायण गिरी, आचार्य रविशंकर शर्मा, स्वामी रवि जी, पंडित श्री राम शर्मा के साथ सामाजिक संगठन विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल शामिल रहे। यह अमृत कथा आगामी 12 मई तक धर्मनगरी के भगवान दत्तात्रेय थानेसर स्थित मंदिर में भव्य रूप से होने वाली हैं। कटारिया ने इस प्राचीन भगवान दत्तात्रेय मंदिर में पूजा आरती कर की सुख समृद्धि की प्रार्थना भी की। उन्होंने कहा की

भगवान दत्तात्रेय की असीम कृपा से ही अमृत कथा में पहुंचने वाले श्रद्धालुओं की मुराद पूरी हो रही हैं।

इस अमृत कथा में जहां स्वामी शंकरानन्द महाराज जी अपने मुख वंदन से दत्तात्रेय भगवान की महिमा का गुणगान कर रहे है वहीं उनकी शिष्या साध्वी मोक्षिता जी भी कथा महोत्सव में सुन्दर गुणगान कर आयोजन को महिमामंडित कर रही है। इस अवसर पर डॉ. सचिंद्र कुमार, श्रीमती बीना बजाज, संजय अत्री, मदन धीमान, जगमाल सिंह चंदेल, पुरुषोत्तम शर्मा, गोपाल शर्मा, सुषमा शर्मा, अशोक शर्मा, कांता शर्मा, आचार्य राजेश वत्स आदि मुख्य रूप से मौजूद थे।

भव्य बिश्नोई ने मुख्यमंत्री के समक्ष रखी आदमपुर से जुड़ी अहम मांगें

हरियाणा वाटिका/सुरेंद्र सोढी
हिसार, 09 मई। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री युगपुरूष ह्यबिश्नोई रत्नह्व चौ. भजन लाल की 3 जून को पुण्यतिथि के अवसर पर पंचकूला बिश्नोई मंदिर में उनकी छठी प्रतिमा का अनावरण होगा।
पूर्व सांसद कुलदीप बिश्नोई ने इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करने के लिए हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी को निमंत्रण दिया। कुलदीप बिश्नोई ने बताया कि वे मुख्यमंत्री के आभारी हैं कि पंचकुला में 3 जून को उनकी पुण्यतिथि पर लगने वाली प्रतिमा अनावरण के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचने के लिए हमारे अनुरोध को स्वीकार किया। उन्होंने बताया कि चौ. भजन लाल जी के इससे पूर्व आदमपुर, राजस्थान के मुक्ति धाम मुकाम, जाम्भा, बिश्नोई मंदिर हिसार तथा गुरूग्राम स्मृति सदन में पांच प्रतिमाएं लगाई जा चुकी हैं। पंचकूला बिश्नोई मंदिर में उनकी छठी प्रतिमा लगाई जाएगी।
कुलदीप बिश्नोई ने कहा कि मुख्यमंत्री के साथ प्रदेश से जुड़े विभिन्न मुद्दों और विकास कार्यों पर विस्तृत चर्चा हुई। हरियाणा के हर वर्ग के कल्याण के लिए मुख्यमत्री की सोच और उनके काम करने की कार्यशैली बेहतरीन है। आदमपुर हलके से जुड़े हर छोटे से लेकर बड़े कार्यों के निपटान और आदमपुर वासियों की मांगों के प्रति भव्य बिश्नोई ने जिस तरह से मुख्यमंत्री के समक्ष पूरी तन्मयता और गंभीरता से बातें रखीं।
वहीं हरियाणा भवन में ही मुख्यमंत्री से मुलाकात के दौरान भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश प्रभारी भव्य बिश्नोई ने बताया कि आदमपुर के लम्बित विकास कार्य जैसे पक्के खाल, ढाणियों में बिजली, खेत खलिहान (खेतों के मार्ग), आदमपुर एथलेटिक स्टेडियम, बीड हिसार को मालिकाना ह$क उचित दाम पर देना एवं वेगी व एचआरडीएफ के तहत स्वीकृत कार्यों को तुरंत प्रभाव से पूरा करने का अनुरोध किया। साथ ही नए कामों की सूची देकर उन्हें भी मंजूर करने के लिए उनसे आग्रह किया। भव्य ने कहा कि हरियाणा की उन्नति के लिए उनके ईमानदार, निस्वार्थ व अथक प्रयासों के लिए मुख्यमंत्री जी बधाई के पात्र हैं।

आदेश अस्पताल में सुविधाओं से सुसज्जित बर्न आईसीयू का हुआ उद्घाटन

हरियाणा वाटिका/एकजोत
कुरुक्षेत्र, 09 मई। मोहड़ी स्थित आदेश मेडिकल कॉलेज व अस्पताल में चिकित्सा सेवाओं की दिशा में एक और ऐतिहासिक कदम बढ़ाते हुए बर्न आईसीयू के साथ नयी बर्न यूनिट शुरू की गई है। अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस इस आईसीयू और यूनिट का शुभारंभ आदेश ग्रुप के चेयरमैन डा. एच.एस. गिल ने किया। यह नयी बर्न यूनिट आधुनिक चिकित्सा उपकरणों और अनुभवी विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम से सुसज्जित है, जो गंभीर से गंभीर झुलसने, जलने से जुड़े मामलों का इलाज यहीं संभव बनाएगी। खास बात यह है कि इसमें विशेष रूप से एक उच्च स्तरीय (इंटेंसिव केयर यूनिट) भी स्थापित किया गया है, जिससे मरीजों को 24 घंटे गहन चिकित्सा सुविधा मिलेगी। अब क्षेत्र के लोगों को झुलसने से संबंधित गंभीर उपचार के लिए चंडीगढ़ स्थित पीजीआई जैसे बड़े अस्पतालों का रुख नहीं करना पड़ेगा। आदेश अस्पताल अब स्थानीय स्तर पर ही बर्न जैसी विश्वस्तरीय चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करा रहा है। इस अवसर पर डा. एचएस गिल ने कहा आदेश ग्रुप का सदैव प्रयास रहा है कि जनता को विश्वस्तरीय चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराई जाएं। बर्न यूनिट की यह नयी ब्रांच उसी दिशा में एक मजबूत कदम है। अब झुलसने से संबंधित किसी भी आपात स्थिति में मरीजों को स्थानीय स्तर पर ही सर्वोत्तम इलाज मिल सकेगा। यह नई शुरूआत न केवल चिकित्सा के क्षेत्र में एक उपलब्धि है बल्कि पूरे क्षेत्रवासियों के लिए स्वास्थ्य सेवाओं की एक नई पहल भी है। इस अवसर पर आदेश ग्रुप के एम.डी. डा. गुणतास सिंह गिल, प्रिंसीपल डा.एन.एस. लांबा, डा. अरमान खोसा गिल, डा. गुरसतिन्द्र सिंह सहित अन्य स्टॉफ मौजूद रहा।

नगर निगम की टीम ने 5 दुकानदारों के सिंगल यूज प्लास्टिक के किये चालान

हरियाणा वाटिका/सुरेंद्र सोढी
हिसार, 09 मई। निगमायुक्त नीरज के आदेशानुसार और संयुक्त आयुक्त डॉ. प्रीतपाल के दिशा निर्देश पर वीरवार को चेकिंग के दौरान स्वच्छता शाखा की टीम ने पीएलए के 5 दुकानदारों के सिंगल यूज प्लास्टिक के 3500 रुपए के चालान किये।
टीम ने दुकानदारों व आमजन को बताया कि सिंगल यूज पॉलीथीन पर्यावरण के लिए बेहद खतरनाक हैं। ऐसे प्लास्टिक न तो डिकंपोज होते हैं और जलाने पर हानिकारक धुंआ निकलता हैं जो पर्यावरण और इंसानों, जानवरों और पेड़-पौधों की सेहत के लिए खतरनाक होते हैं, इसके अलावा सिंगल यूज पॉलीथीन का कचरा बारिश के पानी को जमीन के नीचे जाने से रोकता हैं, जिससे ग्रांउड वॉटर लेवल में कमी आती हैं। निगमायुक्त नीरज ने दुकानदारों से अपील की वे 120 माईक्रोन से कम के पॉली बैग का प्रयोग न करें। इस दौरान तकनीकी विशेषज्ञ जसबीर कुंडू, सीटीएल प्रदीप जाखड़, रवि सिंधवानी मौजूद रहे।

आज जिला, उपमंडल इन्द्री, असंध व घरौंडा की सभी अदालतों में लगेगी राष्ट्रीय लोक अदालत

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो
करनाल, 09 मई। सीजेएम एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव इरम हसन ने बताया कि 10 मई शनिवार को जिला, उपमंडल इन्द्री, असंध व घरौंडा की सभी अदालतों में लंबित मुकदमों के लिए राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा।
उन्होंने बताया कि इस राष्ट्रीय लोक अदालत के बैंच में प्रिंसिपल न्यायाधीश पारिवारिक कोर्ट प्रवीण कुमार, अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश डॉ. रजनीश कुमार शर्मा, अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश रजनीश कुमार, मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी खुशबू गोयल, अतिरिक्त सिविल जज (सिनियर डिवीजन) असंध हरीश सब्रवाल, अतिरिक्त सिविल जज (सिनियर डिवीजन) इंद्री उदय प्रताप व अतिरिक्त सिविल जज (सिनियर डिवीजन) घरौंडा गौरंग शर्मा, सिविल जज (जूनियर डिवीजन) अभिषेक वर्मा, सिविल जज (जूनियर डिवीजन) नितिका बंसल शामिल हैं।
उन्होंने जन साधारण से अपील की कि वे राष्ट्रीय लोक अदालत में अपने लम्बित मुकदमों का निपटारा करवाएं। उन्होंने यह भी बताया कि लोक अदालत में निपटारा होने पर किसी की हार नहीं होती, आपसी रजामंदी से मामलों का निपटारा होता है और इससे समय व धन की बचत होती है। लोक अदालत के निर्णय पर आगे अपील भी नहीं होती। अधिक जानकारी के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के हैल्पलाइन नं. 0184-2266138 पर संपर्क किया जा सकता है।

वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप को जयंती पर श्रद्धासुमन किए अर्पित

क्षत्रिय संघर्ष समिति ने महाराणा प्रताप पर चौंक पर माल्यार्पण कर राजपूत धर्मशाला में किया कार्यक्रम

हरियाणा वाटिका/एकजोत
कुरुक्षेत्र, 09 मई। वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप जी की जयंती पर क्षत्रिय संघर्ष समिति ने राजपूत धर्मशाला में एक कार्यक्रम किया। सबसे पहले महाराणा प्रताप चौंक पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। इसके बाद राजपूत धर्मशाला महाराणा प्रताप सभा भवन में कार्यक्रम हुआ। इसमें महाराणा प्रताप को संघर्ष समिति के सदस्यों ने श्रद्धासुमन अर्पित किए। क्षत्रिय संघर्ष समिति संयोजक मोहन सिंह राणा, सुगम पाल राणा, राजवीर राणा, पटवारी रणदीप राणा, ओमवीर राणा, सुरजीत राणा, सुरेंद्र राणा, भूपेंद्र

राणा बीबीपुर, प्रवीण राणा, रवि राणा, नरेंद्र राणा, नवीन राणा, बिट्टू रघुवंशी, हरविंदर कुलदीप विक्रम बलविंदर अशोक राणा, बाली राणा, सचिन, अजय आदि ने महाराणा प्रताप को श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए कहा कि महापुरुष किसी समुदाय, जाति विशेष के ही नहीं होते, अपितु पूरे समाज के पूजनीय होते हैं क्योंकि उनका बलिदान पूरे समाज के लिए होता है। आज महाराणा प्रताप जैसे महापुरुषों के बलिदानों की वजह से ही हमारा देश अपने गौरवशाली इतिहास के साथ विश्व में खड़ा हुआ है।
इन्हीं महापुरुषों की वजह से हम आज भी अपने अस्तित्व को कायम रखे हुए हैं। मोहन सिंह राणा ने कहा कि हमें महापुरुषों के आदर्श जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए और अपने देश और धर्म को सर्वोपरि रखना चाहिए। यही महापुरुषों को सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

पूर्व केंद्रीय मंत्री कांग्रेस नेता बीरेंद्र सिंह ने की बैठक

बोले संकट की घड़ी में देश के साथ, पार्टी को फिर से एक मंच पर लाएंगे

हरियाणा वाटिका/सुरेंद्र सोढी
हिसार, 09 मई। देश में भारत-पाकिस्तान के बीच बनते जा रहे संवेदनशील हालातों के मद्देनजर कांग्रेस पार्टी की एक महत्वपूर्ण बैठक हिसार में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता पूर्व केंद्रीय मंत्री बीरेंद्र सिंह ने की, जिसमें प्रदेश के कई वरिष्ठ कांग्रेस नेता शामिल हुए।
बैठक में देश की सुरक्षा, सामाजिक एकता और राजनीतिक जिम्मेदारी जैसे मुद्दों पर भी गंभीर चर्चा हुई। सभी नेताओं ने इस बात पर जोर दिया कि राजनीति से पहले एक नागरिक के रूप में देश के लिए खड़ा होना ही सबसे बड़ा धर्म है। बैठक में एक सुर में यह संदेश दिया गया कि जब बात देश की हो, तो कोई निजी आयोजन या उत्सव

प्राथमिकता नहीं हो सकता। बीरेंद्र सिंह ने कहा, देश पहले है, बाकी सब बाद में। आज समय है एकजुटता दिखाने का, शांति बनाए रखने का और यह बताने का कि हम सभी संकट की घड़ी में देश के साथ खड़े हैं। जब देश का माहौल तनावपूर्ण हो, तब हमें अपने निजी आयोजनों को एक तरफ रखकर राष्ट्र के हित में खड़ा होना चाहिए।
बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि पूर्व सांसद एवं बीरेंद्र सिंह के पुत्र बृजेन्द्र सिंह के जन्मदिन के उपलक्ष्य में 13 मई को पंजाबी धर्मशाला, हिसार में प्रस्तावित भव्य समारोह को रद्द कर दिया जाए। सभी ने माना कि यह समय जश्न का नहीं, बल्कि संयम और संकल्प का है। बृजेन्द्र सिंह को शुभकामनाएं व्यक्तिगत स्तर पर दी जाएंगी, लेकिन कोई सार्वजनिक आयोजन नहीं होगा।
बैठक में यह भी तय किया गया कि आने वाले समय में जब परिस्थितियां सामान्य होंगी, तब सभी कार्यकर्ता एकजुट होकर कांग्रेस पार्टी को पहले जितनी मजबूत बनाने का संकल्प लेंगे। चौ. बीरेंद्र सिंह ने कहा, हम सभी का दायित्व है कि मतभेदों को भुलाकर हरियाणा में कांग्रेस को एकजुट करें। पार्टी को फिर से वही सम्मान और शक्ति दिलाएं जो इसके स्वर्णिम दौर में हुआ करती थी। कांग्रेस की ताकत उसकी एकता और कार्यकताओं की निष्ठा में है। इस बैठक में विजय कौशिक, उदयवीर पुनिया, धर्मवीर गोयत, सुखबीर डूड्डी, बीर सिंह दलाल, सतेंदर सिंह (आदमपुर), महेन्द्र नारंग (हांसी), परविंदर सिंह, दिलबाग सिंह, अशोक सिवाच, राजबीर संधू सहित कई अन्य नेता उपस्थित रहे।

श्री गुरु अर्जुन देव जी का शहीदी पर्व 30 मई को मनेगा

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो
करनाल, 09 मई। श्री गुरुपर्व प्रबंधक कमेटी द्वारा करनाल के डेरा कारसेवा गुरुद्वारे में गुरुअर्जुन देव जी का शहीदी दिवस डेरा कारसेवा के प्रमुख पंथ प्रचारक बाबा सुक्खा सिंह जी के मार्गदर्शन में 30 मई, शुक्रवार को मनाया जाएगा। इस अवसर पर सुबह नौ बजे से दीवान सजाया जाएगा। इस कार्यक्रम में भाग लेन से देश भर से रागी ढाडी जत्थे पहुंच रहे हैं। इस अवसर पर गुरु का अटूट लंगर बरता जाएगा। यह जानकारी गुरुपर्व प्रबंधक कमेटी के प्रधान बरिंदर सिंह, महासचिव इंद्रपाल सिंह ने बताया कि शहीदी पर्व कार्यक्रम सुबह 9 से दोपहर 3-00 बजे तक एवं सांय 6-30 से रात 10-30 बजे तक आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर पहुँच रहे रागी, ढाडी एवं प्रचारक जत्थों में भाई गुरदित्त सिंह जी (हजूरी रागी) श्री दरबार साहिब श्री अमृतसर साहिब ,भाई गुरप्रीत सिंह जी (हजूरी रागी, पाऊँटा साहिब) कविश्री जत्था भाई प्यारा सिंह जी, फिरोजपुर वाले भाई अमृतपाल सिंह जी (हैड ग्रन्थी) गुः मंजी साहिब पातशाही पहली करनाल शामिल हैं। नित्तनेम एवं पाठ रहरासि साहिब जी (भाई मंजूर सिंह जी एवं भाई गुरप्रीत सिंह जी)करेंगे। स्टेज सैक्ट्री की सेवा भाई दर्शन सिंह जी करेंगे इस अवसर पर गुरु का लंगर अटूट बरता जाएगा।

अधिकारी और कर्मचारी कायम करें अपना मुख्यालय : उत्तम सिंह

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो
करनाल, 09 मई। उपायुक्त उत्तम सिंह ने मुख्य सचिव कार्यालय के निदेर्शानुसार निर्देश दिए कि सभी विभागों, बोर्डों, निगमों, उपक्रमों और विश्वविद्यालयों आदि के अधिकारी-कर्मचारी अपना मुख्यालय न छोड़ें तथा संबंधित अधिकारी और कर्मचारी अपना स्टेशन मेंटेन करें।

हिसार का सिरसा चुंगी से जिंदल पुल तक का रोड होगा चकाचक

-मेयर प्रवीण पोपली की अध्यक्षता में नगर निगम के मुख्य सभागार में हुई बैठक

हरियाणा वाटिका/सुरेंद्र सोढी
हिसार, 09 मई। शहर के मेन रोड को अतिक्रमण मुक्त और सुन्दर बनाने को लेकर मेयर प्रवीण पोपली की अध्यक्षता में नगर निगम के मुख्य सभागार में बैठक हुई। जिसमें निगमायुक्त नीरज सहित अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। बैठक को सम्बोधित करते हुए मेयर प्रवीण पोपली ने कहा कि सिरसा चुंगी से जिंदल पुल तक का रोड सुन्दर होगा। जिसमें सभी विभाग अपनी जिम्मेदारी समझ कर कार्य करे।
26 अप्रैल को नगर निगम द्वारा अन्य विभागों के साथ मिलकर सिरसा चुंगी से जिंदल पुल तक दिल्ली रोड पर अतिक्रमण हटाने का अभियान चलाया गया था। उस दौरान मेयर पोपली नगर निगम व अन्य विभागों को जो कार्य करवाने के लिए निर्देशित किया गया था। बैठक का मुख्य एजेंडा दिए गए कार्यों की समीक्षा करना। सबसे पहले जनस्वास्थ्य विभाग के कार्यो की समीक्षा की गई। जिसमें एसडीओ जसबीर ने बताया कि इस रोड की सीवरेज लाईन डाबड़ा चौक पुल से लक्ष्मीबाई चौक तक और जिन्दल चौक से जिन्दल पुल तक सफाई कार्य हो चुका है। टीबी हस्पताल के पास सीवरेज के मेनहोल का स्लैब ठीक करवा दिया गया है। नागौरी गेट के समीप पार्किंग के साथ रोड पर सीवरेज ओवरफ्लो होने पर मेयर प्रवीण पोपली ने साईट विजिट करने व

स्थाई समाधान के आदेश दिए। इसके साथ ही बरसाती नालों की सफाई और रिपेयरिंग करने के भी निर्देश दिए। इसके बाद एचएसवीपी विभाग के कार्यों की समीक्षा की गई। अतिक्रमण हटाने के दौरान मेयर प्रवीण पोपली ने जरनेटर हटाने के निर्देश दिए थे। जिसको लेकर विभाग ने जल्द ही नोटिस देने की बात कही। इसके साथ ही अधिकारियों ने कहा कि कुछ स्थानों पर एचएसवीपी की जमीन पर खोखे रखे हुए है। उनको हटाने के नोटिस दे दिए गए है। दिल्ली रोड पर अर्बन एस्टेट के नजदीक सीवरेज के मेनहोल का स्लैब ठीक करवाने के निर्देश दिए। इसके साथ मेयर प्रवीण पोपली ने कहा कि जितने भी आपके विभाग के दिल्ली रोड पर मेनहोल है उनके स्लैब व सफाई करवाना सुनिश्चित करे। बीएंडआर के कार्या की समीक्षा करते हुए मेयर प्रवीण पोपली ने कहा कि इस रोड पर सबसे ज्यादा कार्य आपके विभाग का है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पूरे रोड की साईट विजिट करके जल्द से जल्द कार्य करवाना सुनिश्चित करे। अधिकारियों ने बताया कि रोड के साथ-साथ पड़ी मिट्टी व कंक्रीट को उठाया गया है। बीएंडआर की जमीन पर रखे जनरेटर हटाने के निर्देश दिए। इसके साथ ही पूरे रोड की दोनों साइड की ब्रम को ठीक करने के निर्देश दिए। मेयर प्रवीण पोपली ने बीएंडआर विभाग में आने वाले बरसाती नालों की सफाई एवं कवर करने के लिए निर्देशित किया साथ ही उन्होंने उनके विभाग के रोड पर जहां कहीं ग्रिल टूटी हुई है उनको ठीक करवाने के भी निर्देश दिए। बिजली विभाग के कार्या की समीक्षा करते हुए प्रवीण पोपली ने कहा कि इस रोड पर जितने भी खंबे टेड़े है उनको सीधा करवाएं और तारों को व्यवस्थिति करे। इसके साथ ही उन्होंने ट्रांसफार्मर की जगह की फैंसिंग करवाने के निर्देश दिए।

आपकी सौहार्द और शांति बनाकर रखें आमजन: जगमोहन आनंद

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो
करनाल, 09 मई। करनाल के विधायक जगमोहन आनंद ने वर्तमान परिस्थितियों के मद्देनजर आमजन से अपील करते हुए कहा कि सभी आपसी सौहार्द और शांति बनाकर रखें। कोई भी व्यक्ति किसी भी ऐसी घटना में शामिल न हो, जिससे जिला में कानून व्यवस्था बिगड़े और कोई आपात स्थिति पैदा हो।
विधायक जगमोहन आनंद ने आमजन से यह भी अपील की है कि सोशल मीडिया जैसे फेसबुक, वाट्सएप, इंस्टाग्राम व अन्य किसी सोशल अकाउंट पर किसी तरह का भडकाऊ कंटेट पोस्ट न करें। इसके साथ-साथ इस तरह के किसी कंटेंट को शेयर भी मत करें। उन्होंने कहा कि इसके लिए जिला प्रशासन करनाल द्वारा भडकाऊ पोस्ट पर निरंतर नजर रखी जा रही है। यदि कोई व्यक्ति सामाजिक सौहार्द बिगाडने व शांति भंग करने की कोशिश करता है तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।
उन्होंने यह भी अपील की कि आमजन किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक न करें, अनजान लिंक से कोई भी वीडियो या फाइल डाउनलोड न करें और न ही उसे आगे साझा करें। उन्होंने इंटरनेट उपयोगकताओं से साइबर हमलों से बचाव के लिए अतिरिक्त सतर्कता बरतने और सुरक्षात्मक उपाय सुनिश्चित करने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि सावधानी और जागरूकता ही ऐसे संभावित साइबर हमलों से बचाव का सबसे प्रभावी तरीका है।

जिला प्रशासन द्वारा आपातकालीन प्रबंधन को लेकर महत्वपूर्ण निर्देश जारी

हरियाणा वाटिका/सुरेंद्र सोढी
हिसार, 09 मई। उपायुक्त अनीश यादव ने कहा कि जिले में आपातकालीन स्थितियों से निपटने के लिए संबंधित विभागों के कर्मचारियों की कभी भी आवश्यकता पड़ सकती है। इसलिए कार्यालयों में ड्यूटी समय के उपरांत भी शिफ्ट के अनुसार कर्मचारियों की उपलब्धता को सुनिश्चित किया जाए।
उन्होंने कहा कि प्रत्येक विभाग एक व्यवस्थित ड्यूटी रोस्टर तैयार करना सुनिश्चित करें ताकि किसी भी समय तत्काल कार्रवाई की जा सके। उपायुक्त ने लघु सचिवालय में एक वॉर रूम स्थापित करने के भी निर्देश दिए, जिससे सभी गतिविधियों की निगरानी की जाएगी और तेजी से निर्णय लिए जा सकेंगे। सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों, सिविल एविएशन, आर्मी व प्रशासनिक इकाइयों को जोड़ते हुए एक विशेष व्हाट्सएप ग्रुप बनाया गया है, जिसमें सभी महत्वपूर्ण सूचनाओं की रियल टाइम अपडेट साझा की जाएगी। उपायुक्त अनीश यादव ने स्पष्ट किया कि जिले में अब सामान्यतः कोई सायरन नहीं बजाया जाएगा, बल्कि केवल एयर वार्निंग की स्थिति में ही सायरन का प्रयोग किया जाएगा ताकि नागरिकों में भ्रम की स्थिति न बने। नगर निगम, लोक निर्माण विभाग, राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण और एचएसवीपी सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों को आदेश मिलते ही स्ट्रीट लाइट्स बंद करने के लिए सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं। वहीं बिजली विभाग को निर्देशित किया गया है कि प्रशासन के आदेश मिलते ही वो बिजली ग्रिड को बंद करने की प्रक्रिया के लिए पूरी तरह तैयार रहें, जिससे ब्लैकआउट प्रभावी ढंग से लागू किया जा सके। नगर निगम, आपदा प्रबंधन दल, पंचायत विभाग तथा अन्य संबंधित विभागों की टीमों को निर्देशित किया गया है कि वे मुनादी के माध्यम से आमजन को जागरूक करें और उन्हें आवश्यक दिशा-निदेर्शों की जानकारी समय रहते दें। उपायुक्त ने जनता से अपील की है कि वे प्रशासन के साथ पूर्ण सहयोग करें और रात के समय आउटडोर लाइटिंग बंद कर ब्लैकआउट को प्रभावी बनाने में मदद करें। उक्त व्यवस्थाएं एहतिहात के तौर पर की जा रहीं हैं। इसलिए आमजन को घबराने की कोई आवश्यकता नहीं है। सभी से अनुरोध किया गया है कि प्रशासन द्वारा जारी अधिकारिक सूचनाओं व निदेर्शों का पालन करें। उपायुक्त ने जिले के सभी स्कूल संचालकों को भी हिदायत जारी की है कि वे आगामी दो दिनों तक स्कूलों को पूर्णतः बंद रखेंगे।

लकीर के फकीर

जंगल में चराई के बाद किसी बछड़े को गांव की गौशाला तक लौटना था। नन्हा बछड़ा था तो अबोध ही, वह चट्टानों, मिट्टी के टीलों, और ढलानों पर से उछलता-कूदता हुआ अपने गंतव्य तक पहुंचने में सफल हो गया।

अगले दिन एक कुत्ते ने भी गांव तक पहुंचने के लिए उसी रास्ते का इस्तेमाल किया।

उसके अगले दिन एक भेड़ उस रास्ते पर चल पड़ी। एक भेड़ के पीछे अनेक भेड़ चल पडी। भेड़ जो ठहरी!

उस रास्ते पर चलाफिरी के निशान देखकर लोगों ने भी उसका इस्तेमाल शुरू कर दिया। ऊंची-नीची पथरीली जमीन पर आते-जाते समय वे-पथ की दुरूहता को कोसते रहते, पथ था ही ऐसा! लेकिन किसी ने भी सरल-सुगम पथ की खोज के लिए प्रयास नहीं किए।

समय बीतने के साथ वह पगडंडी उस गाव तक पहुंचने का मुख्य मार्ग बन गई। जिस पर बेचारे पशु बमुश्किल गाड़ी खींचते रहते। उस कठिन पथ के स्थान पर कोई सुगम पथ होता तो लोगों को यात्रा में न केवल समय की बचत होती वरन वे सुरक्षित भी रहते।

कालांतर में वह गांव एक नगर बन गया और पथ राजमार्ग बन गया। उस पथ की समस्याओं पर चर्चा करते रहने के अतिरिक किसी ने कभी कुछ नहीं किया। बूढ़ा जंगल यह सब बहुत लंबे समय से देख रहा था। वह बरबस मुस्कुराता और यह सोचता रहता कि मनुष्य हमेशा ही सामने खुले पड़े विकल्प को मजबूती से जकड़ लेते हैं और यह विचार नहीं करते कि कहीं कुछ उससे बेहतर भी किया जा सकता है।

हमें यह धर्मरूपी आसक्ति का चश्मा दर किनार करके सभी धर्मों को एक ही नजरिए से देखने की जरूरत है, तभी हम सभी धर्मों की अच्छाई को ग्रहण करके सभी में एक सी समानता और उनकी शिक्षाओ को पहले खुद ग्रहण करने का नजरिया रखेंगे, तभी भेदभाव की दीवार स्वयं ही ढह जाएगी।

धर्म को पहले स्वयं जीवन में उतारें

अक्सर हम यही देखते हैं कि जब हम किसी अन्ध मान्यता, अन्ध भावावेश अथवा बौद्धिक तर्कजाल को धर्म मानने की भूल करने लगते हैं तो उसमें कहीं अधिक बुरी तरह से उलझ जाते हैं। हम जिस दार्शनिक, धार्मिक परंपरा को मान रहे हैं, उसके साथ हमारा एक भावनात्मक संबंध जुड़ जाता है। फलस्वरूप उसके विपरीत अन्य किसी दृष्टिकोण को कभी स्वीकार ही नहीं कर पाते। अथवा यह भी होता है कि अपनी तर्कबुद्धि से हमने किसी मान्यता को अपना लिया है तो अपने ही बुद्धिबल को अत्यधिक महत्ता देने के स्वभाववश अन्य किसी मान्यता को सही मानने को प्रस्तुत ही नहीं होते। परंपरागत मान्यता, हृदयगत भावुकता अथवा बौद्धिक तर्कजाल के कारण जब हम किसी भी मान्यता के गुलाम हो जाते हैं तो उसके प्रति इतनी गहरी आसक्ति पैदा कर लेते है कि हमेशा के लिए उसी के रंग का चश्मा पहने ही दुनिया को देखने लगते हैं। अत: उस रंग के अतिरिक्त अन्य कोई रंग हमें दिखता ही नहीं। इस प्रकार सच्चाई से, वास्तविकता से बिल्कुल दूर होते चले जाते हैं, क्यों कि हर बात को अपने ही चश्मे से देखने के आदी जो हो चुके होते हैं।

मान लीजिए, अन्धश्रद्धा, अन्धविश्वास, भावावेश अथवा बौद्धिक ऊहापोह के आधार पर हमने कोई सही सिद्धान्त भी स्वीकार कर रखा हो, परन्तु होता क्या है कि उसके प्रति हुई आसक्ति के कारण उस सिद्धान्त को स्वीकारने मात्र को ही हम सारा महत्व देने लगते हैं, जब कि उसके व्यवहारिक पक्ष को सर्वदा भुला बैठते हैं।

कुछ ज्ञानीजन समाज को, देश-दुनिया को धर्म का मार्ग दिखाने में जी-जान से जुटे हुए हैं। एक ओर हिन्दू धर्म की महिमा का बखान किया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर कुछ लोग शान्ति के मसीहा बने दुनिया को मुसलमान होने के फायदे गिनाने में लगे हुए हैं। एक कहता है कि हिन्दू धर्म और उसकी शिक्षाएं महान हैं तो दूसरा कहता है कि आप इस्लाम अपना लो तो आप में आत्म-अनुशासन, आत्म-नियंत्रण, आत्मशिक्षा, आत्म-अनुपालन जैसे गुणों का संचार होने लगेगा।

मैं मानता हूं कि न सिर्फ हिन्दू, न इस्लाम, बल्कि दुनिया का हरेक धर्म, हरेक पंथ, हरेक सम्प्रदाय महान है। उनके धर्मग्रंथ, उनकी शिक्षाएं, पीर-पैगम्बर, महापुरुष इत्यादि सब महान हैं। लेकिन ये नहीं समझ पा रहा हूं कि आप लोग जो दुनिया में धर्म का ज्ञान बांटते फिर रहे हो, पोस्ट दर पोस्ट बड़े लम्बे-चौड़े उपदेश देते रहते हो, लेकिन तुम्हारा धर्म तुम में वो महानता क्यूं नहीं पैदा कर पाया। क्या ये महानता का प्रसाद सिर्फ दूसरों में बांटने के लिए ही रख छोड़ा है, जो तुम्हारे हिस्से न आ सका। दूसरी ओर मैं उन मुस्लिम भाइयों से ये जानना चाहूंगा कि तुम कहते हो कि इस्लाम कबूल करने का सीधा फायदा ये है कि आपमें शांति, प्रेम, आत्म-अनुशासन, आत्म-नियंत्रण, आत्मशिक्षा, आत्म-अनुपालन जैसे गुणों का वास होने लगेगा, लेकिन भाई तुम तो इस्लाम के मानने वाले हो, किन्तु तुम्हारे जीवन में ऐसे किसी सद्गुण का संचार क्यों नहीं हो पाया। कमाल है! जिस चीज को आप लोग स्वयं जीवन में धारण नहीं कर सके, उसी के बारे में दुनिया को उपदेश देने में लगे हुए हैं। और लगे हुए हैं, बस दिन-रात एक दूसरे पर कीचड़ उछालने में, एक दूजे को निर्वस्त्र करने में।

कर्तव्य ही सम्मान है

यह काफी पुरानी घटना है। मद्रास प्रांत के एक स्टेशन के निकट एक पॉइंटमैन अपना पॉइंट (वह उपकरण जिससे गाड़ियों का ट्रैक बदला जाता है) पकड़े खड़ा था। दोनों ओर से दो गाड़ियां अपनी पूरी गति से दौड़ी चली आ रही थीं। उस दिन मौसम खराब था और वह आंधी-तूफान का संकेत दे रहा था। ऐसे भयावह मौसम में रोशनी के भी भरपूर साधन नहीं थे। पॉइंटमैन अपने काम के लिए मुस्तैदी से तैयार था, तभी उसे अपने पैरों पर कुछ रेंगता हुआ महसूस हुआ। उसने देखा तो दंग रह गया। एक सांप उसके पैरों से लिपट रहा था। पॉइंट उसके हाथ में था। डर के कारण उसकी घिग्घी बंध गई। किंतु तभी उसने सोचा कि यदि वह पॉइंट हाथ से छोड़ देगा तो ऐसे में दोनों गाड़ियां परस्पर भिड़ जाएंगी और असंख्य लोगों की मृत्यु हो जाएगी। सांप के काटने से तो अकेले सिर्फ उसकी जान जाएगी, लेकिन असंख्य लोगों की जान बच जाएगी। कम से कम मरते-मरते वह असंख्य लोगों की जान बचाने का पुण्य तो अर्जित कर ही लेगा। यह सोचकर वह बिना हिला-डुले पॉइंट को पकड़े खड़ा रहा। कुछ ही देर में दोनो रेलगाड़ियों की घड़घड़ाहट तेज हुई और रेलगाड़ियां आराम से पॉइंट मैन के द्वारा पकड़े गए पॉइंट की सहायता से अलग-अलग ट्रैक पर निकल गईं। उधर सांप रेलगाड़ियों की घड़घड़ाहट सुनकर पॉइंटमैन का पैर छोड़कर चला गया। रेलगाड़ियों के जाने के बाद जब पॉइंटमैन का ध्यान अपने पैरों की ओर गया तो वह यह देखकर दंग रह गया कि वहां कुछ न था। यह देखकर उसके मन से स्वत: ही निकला, 'सच ही है, जो इंसान सच्चे मन से लोगों की मदद करते हैं, उनकी सहायता ईश्वर स्वयं करते हैं।' बाद में जब इस घटना का पता अधिकारियों को चला तो उन्होंने न सिर्फ पॉइंटमैन को शाबासी दी, अपितु उसे पुरस्कार देकर सम्मानित भी किया।

मनुष्यता भलाई में है

यह मानव स्वभाव है कि किसी का अच्छा हो रहा हो, तो उसमें खलल डालता है। वहीं कुछ ऐसे भी हैं, जो बिगड़ती बात को संवारना ही मनुष्यता की परिभाषा मानते हैं, ऐसे ही बयान करती यह कथा प्रस्तुत है।

यह घटना उस समय की है, जब क्रांतिकारी रोशन सिंह को काकोरी कांड में मृत्युदंड दिया गया। उनके शहीद होते ही उनके परिवार पर मुसीबतों का पहाड़ टूट पड़ा। घर में एक जवान बेटी थी और उसके लिए वर की तलाश चल रही थी। बड़ी मुश्किल से एक जगह बात पक्की हो गई। कन्या का रिश्ता तय होते देखकर वहां के दरोगा ने लड़के वालों को धमकाया और कहा कि क्रांतिकारी की कन्या से विवाह करना राजद्रोह समझा जाएगा और इसके लिए सजा भी हो सकती है। किंतु वर पक्ष वाले दरोगा की धमकियों से नहीं डरे और बोले, 'यह तो हमारा सौभाग्य होगा कि ऐसी कन्या के कदम हमारे घर पड़ेंगे, जिसके पिता ने अपना शीश भारत माता के चरणों पर रख दिया।' वर पक्ष का दृढ़ इरादा देखकर दरोगा वहां से चला आया पर किसी भी तरह इस रिश्ते को तोड़ने के प्रयास करने लगा। जब एक पत्रिका के संपादक को यह पता लगा तो वह आगबबूला हो गए और तुरंत उस दरोगा के पास पहुंचकर बोले, 'मनुष्य होकर जो मनुष्यता ही न जाने वह भला क्या मनुष्य? तुम जैसे लोग बुरे कर्म कर अपना जीवन सफल मानते हैं किंतु यह नहीं सोचते कि तुमने इन कर्मों से अपने आगे के लिए इतने कांटे बो दिए हैं, जिन्हें अभी से उखाड़ना भी शुरू करो तो अपने अंत तक न उखाड़ पाओ। अगर किसी को कुछ दे नहीं सकते तो उससे छीनने का प्रयास भी न करो।' संपादक की खरी-खोटी बातों ने दरोगा की आंखें खोल दीं और उसने न सिर्फ कन्या की मां से माफी मांगी, अपितु विवाह का सारा खर्च भी खुद वहन करने को तैयार हो गया। विवाह की तैयारियां होने लगीं। कन्यादान के समय जब वधू के पिता का सवाल उठा तो वह संपादक उठे और बोले, 'रोशन सिंह के न होने पर मैं कन्या का पिता हूं। कन्यादान मैं करूंगा।'

बुद्धि व भाग्य में विवाद होने लगा, दोनों एक दूसरे को बड़ा साबित कर रहे थे। राजा ने एक कथा के माध्यम से दोनों का निर्णय किया। भाग्य से यदि किसी को राजा बनाने का प्रयास हो और संसार की सभी वस्तुएं भी हों तो भी बुद्धि के अभाव में वह राजा नहीं बन सकता। यह आलेख इसी तथ्य पर आधारित है।

बुद्धि बड़ी या भाग्य

एक बार बुद्धि और भाग्य में झगड़ा हुआ। बुद्धि ने कहा, मेरी शक्ति अधिक है। मैं जिसे चाहूं सुखी कर दूं। मेरे बिना कोई बड़ा नहीं हो सकता।'' भाग्य ने कहा, मेरी शक्ति अधिक है। मैं तेरे बिना काम कर सकता हूं। तू मेरे बिना काम नहीं कर सकती।'' इस तरह दोनों ने अपनी-अपनी ओर से दलीलें जोर-शोर से दीं। बुद्धि ने भाग्य से कहा कि उस गड़रिए को जो जंगल में भेड़ें चरा रहा है, मेरी सहायता के बिना राजा बना दो तो समझूं कि तुम बड़े हो। भाग्य ने राजा बनाने का प्रयत्न शुरू कर दिया। उसने बहुत कीमती खड़ाऊं जिसमें लाखों रुपए के नग लगे थे, गड़रिए को दी। भाग्य ने एक व्यापारी को वहां पहुंचा दिया।

व्यापारी उन खड़ाऊंओं को देखकर विस्मित हुआ। उससे कहा, तुम ये खड़ाऊं बेच दो।'' गड़रिए ने वो अनमोल खड़ाऊं जिनमें एक-एक हीरा करोड़ों रुपए का था, दो मन चनों के बदले में बेच डालीं। यह देखकर भाग्य ने और प्रयत्न किया। अब उस व्यापारी ने वे खड़ाऊं राजा को भेंट की तो राजा देखकर हैरान हो गया। व्यापारी से पूछा, ''तुमने ये खड़ाऊं कहां से पाईं? व्यापारी ने कहा ''महाराज एक राजा मेरा मित्र है उसने ये मुझे दीं।''

यह सुनकर राजा ने कहा, ''अच्छा जाओ, मेरी लड़की की सगाई उसके लड़के से करा दो।'' ''ठीक है, आपकी लड़की की सगाई पक्की करने जाता हूं।'' तो क्या देखता है कि गड़रिया उससे भी मूल्यवान खड़ाऊं पहने है।

व्यापारी ने सोचा कि हो न हो, यह कोई सिद्ध महात्मा है। उसने वहीं डेरा लगा दिया और अपना बहुत सा तांबा लदा हुआ सब सामान एक ओर पेड़ के नीचे रख दिया। दोपहरी में गड़रिया धूप से व्याकुल हो उस पेड़ के नीचे तांबे के ढेर के सहारे सिर रखकर सो गया। भाग्य ने उस तांबे के ढेर को सोना कर दिया। व्यापारी ने सोचा कि जिसके छूने से तांबा सोना हो जाता है, उसको राजा बनाना कोई बड़ी बात नहीं। उस व्यापारी ने वहीं जमीन खरीदी और किला बनवा दिया। सेना की भर्ती की जाने लगी और व्यापारी गड़रिए को पकड़कर किले में ले गया। उसको अच्छे-अच्छे मूल्यवान वस्त्र पहनवाए; मंत्री सेवक आदि कर्मचारी रखे और फिर लड़की वाले राजा को पत्र लिखा कि हमारे राजाजी की विवाह की तिथि लिख दो; उसी दिन बारात आ जाएगी। पत्रोत्तर में राजा ने तिथि लिख दी। इस पर विवाह का प्रबंध होने लगा। विवाह की तिथि आने पर व्यापारी बारात लेकर चल दिया। जब लड़की वाले राजा का नगर निकट आ गया और उधर से मंत्री, बहुत से नौकर-चाकर, सेना, अस्त्र-शस्त्र, हाथी-घोड़े इत्यादि राजा की अगवानी के लिए आए तो गड़रिए ने विचार किया कि कदाचित् मेरी भेड़ें इनके खेत में चली गई हैं और ये मेरे कपड़े-लत्ते छीनने आ रहे हैं। अत: उसने झट व्यापारी से कहा, ये सब मेरे कपड़े-लत्ते छीनने के लिए आ रहे हैं। चूंकि यह बात कान में कही गई थी, अत: व्यापारी के सिवा और किसी को मालूम नहीं हुई। लोगों ने व्यापारी से पूछा, ''कुंवरजी क्या आज्ञा दे रहे हैं? कुंवरजी कहते हैं कि जितने लोग स्वागत में आए हैं, सबको पांच-पांच लाख रुपया पुरस्कृत किया जाए।'' लोग सोचने लगे कि किसी बड़े भारी सम्राट के कुंवर की बारात आई है, लड़की वाला राजा भी घबराया कि मैंने बड़े भारी राजा से नाता जोड़ा है। अब तो ईश्वर ही लाज रखे। अंत: उसी दिन राजा की कन्या का विवाह उस गड़रिए से हो गया। जब राजकुमारी गड़रिए के पास आई, तब गड़रिए ने गहनों की आवाज सुन सोचा, हो न हो, कोई चुड़ैल मुझे मारने के लिए आ रही है। यह सोच वह जल्दी से एक दरवाजे की ओट में छिप गया। राजकुमारी कन्या के जाते ही गड़रिए को विचार आया कि अभी एक चुड़ैल से तो मुश्किल से बचा हूं, न मालूम यहां कितनी और चुड़ैल आएं, अत: यहां से भागना चाहिए। सोच ही रहा था कि उसे एक जीना दिखाई पड़ा। वह झट ऊपर चढ़ गया और वहां एक छेद में हाथ डालकर कूदकर भागने का विचार करने लगा। उसी समय बुद्धि ने भाग्य से कहा, ''देख तेरे बनाने से भी यह राजा न बना। अब यह जल्दी ही गिरकर मृत्यु के मुख में जाना चाहता है।'' अत: सिद्ध है कि यदि संसार की सारी वस्तुएं भी एकत्रित हों, तो भी जब तक मनुष्य को बुद्धि न आए, वह अपने उद्देश्य को पूर्णतया सिद्ध नहीं कर सकता।

धन-सम्पदा का गर्व चकनाचूर

यूनान में आल्सिबाएदीस नामक एक बहुत बड़ा संपन्न जमींदार था। उसकी जमींदारी बहुत बड़ी थी। उसे अपने धन-वैभव एवं जागीर पर बहुत अधिक गर्व था। वह इसका वर्णन करते हुए थकता नहीं था। एक दिन वह प्रसिद्ध दार्शनिक सुकरात के पास जा पहुंचा और अपने ऐश्वर्य का वर्णन करने लगा। सुकरात उसकी बातें कुछ देर तक सुनते रहे। फिर उन्होंने पृथ्वी का एक नक्शा मंगवाया। नक्शा फैला कर उन्होंने आल्सिबाएदिस से पूछा-अपना यूनान देश इस नक्शे में कहां है? जमींदार कुछ देर तक नक्शा देखने के बाद एक जगह अंगुली रख कर बोला 'अपना यूनान देश यह रहा।' सुकरात ने पुन: पूछा-और अपना एटिका राज्य कहां है? बड़ी कठिनाई के बाद जमींदार एटिका राज्य को ढूंढ़ सका। अच्छा, इसमें आपकी जागीर की भूमिका कहां है? सुकरात ने एक बार फिर पूछा। अब जमींदार कुछ सकपका गया। वह बोला- आप भी खूब हैं, इस नक्शे में इतनी छोटी-सी जागीर कैसे बताई जा सकती है? तब सुकरात ने कहा-भाई! इतने बड़े नक्शे में जिस भूमि के लिए एक बिन्दु भी नहीं रखा जा सकता, उस नन्ही-सी भूमि पर आप गर्व करते हैं? इस पूरे ब्रह्माण्ड में आपकी भूमि और आप कहां कितने हैं, जरा यह भी तो सोचिए। सुकरात के मुंह से यह सुनते ही आल्सिबाएदिस का अपनी जागीर और सम्पति पर जो गर्व था, चकनाचूर हो गया। व्यक्ति को अपनी धन-संपदा का बखान तथा उस पर गर्व नहीं करना चाहिए।

सम्पादक, स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक नेहा वालिया द्वारा साई प्रिंटिंग प्रैस, बी-868, न्यू अशोक नगर, दिल्ली-110096 से मुद्रित एवं वालिया सदन वार्ड संख्या 10, लोहारू, भिवानी (हरियाणा) 127201 से प्रकाशित। समाचार पत्र में प्रकाशित सभी समाचारों के लिए पीआरबी एट के तहत उत्तरदायी। फोन:01252-259260, 9255149495, ईमेल: haryanavatika@gmail.com हरियाणा वाटिका:- प्रेरणास्त्रोत- स्व. डॉ. एल सी वालिया, समूह संपादक एवं संरक्षक- श्रीमति सरला वालिया, संपादक- श्रीमति नेहा वालिया, कार्यकारी संपादक- श्रीमति रितू वालिया। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लोहारू (भिवानी) होगा।